जबलपुर, नई दिल्ली एवं पटना से एक साथ प्रकाशित

www.pratahkiranlive.com

सुविचार
धैर्य रखें, वक्त जरूर बदलता है।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रात: किरण
हर खबर की खबर

10

■ वर्ष -01 ■ अंक - 205 ■ जबलपुर, शुक्रवार, 20 फरवरी 2026 ■ विक्रम संवत् 2082 ■ पेज - 12 ■ मूल्य रू 04.00

संक्षिप्त समाचार

सलीम खान का हाल जानने अस्पताल पहुंचे आमिर खान, चित्रांगदा ने दी हेल्थ पर अपडेट

मुंबई। सलीम खान इन दिनों अस्वस्थ हैं। इस वजह से सलमान खान और उनका परिवार

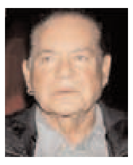

काफी चिंता में है। पूरे खान परिवार को अस्पताल में आते-जाते देखा जा रहा है। इसी बीच 'बैटल ऑफ गलवां' में सलमान खान के अपोजिट नजर आने वाली एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह ने बताया है कि सलीम खान अब कैसे हैं? साथ ही जावेद अख्तर, आमिर खान और खान परिवार के कई सदस्यों को आज अस्पताल के बाहर देखा गया। ये सभी सलीम खान की सेहत को लेकर चिंतित दिखे।

सलीम खान की सेहत पर क्या बोलीं चित्रांगदा सिंह?

हाल ही में चित्रांगदा सिंह एक इवेंट में शामिल हुईं। इस दौरान आईएएनएस से बातचीत में उन्होंने कहा, 'वह (सलीम खान) बहुत बेहतर हैं। मैं उनके लिए प्रार्थना करती हूं। उनकी अच्छी सेहत की कामना करती हूं।' सलमान खान से जुड़े करीब लोग सलीम खान को देखने के लिए, उनकी सेहत के बारे में जानने के लिए अस्पताल पहुंच रहे हैं।

एंड्रयू माउंटबेटन: ब्रिटिश शाही परिवार से गिरफ्तार होने वाले पहले शख्स, एपस्टीन फाइल में तस्वीरें

लंदन। ब्रिटेन की पुलिस ने गुरुवार को किंग चार्ल्स के छोटे भाई एंड्रयू माउंटबेटन को सार्वजनिक पद के दुरुपयोग के शक में गिरफ्तार किया है। बीबीसी की रिपोर्ट्स के मुताबिक, टेम्स वैली पुलिस ने कहा कि वह पूर्व प्रिंस की ओर से यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन के साथ कथित रूप से गोपनीय जानकारी साझा किए जाने की शिकायत की जांच कर रही है। बता दें कि एंड्रयू का आज ही जन्मदिन है। दरअसल, एपस्टीन मामले में पीड़िता रही वर्जीनिया गिफर ने आरोप लगाया था कि 2001 में जब वह 17 साल की थी तब एंड्रयू ने उनका यौन शोषण किया था। एंड्रयू माउंटबेटन ब्रिटिश शाही परिवार पहले सीनियर के सदस्य हैं, जिनकी गिरफ्तारी हुई है।

पिछले साल छिना था प्रिंस का खिताब

रॉयटर्स के मुताबिक आज सुबह सैंड्रिंघम एस्टेट के वुड फार्म में 9 बिना नंबर वाली पुलिस कारें और करीब आठ सादे कपड़ों में ऑफिसर पहुंचे थे। यह कार्रवाई शाही घराने के उस बयान के बाद हुई है, जिसमें कहा गया था कि वे दोषी जेफी पस्टीन के साथ एंड्रयू के लिंक की किसी भी पुलिस जांच में मदद करने के लिए तैयार हैं।

कार्टून कोना

ग्लोबल एआई पर पीएम मोदी का 3-सूत्रीय 'मास्टरप्लान', बोले- डाटा संप्रभुता का हो पूरा सम्मान

● नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नैतिक उपयोग के लिए एक व्यापक रोडमैप प्रस्तुत किया और चेतावनी दी कि 'मानवीय मूल्यों और मार्गदर्शन' के बिना यह तकनीक आत्मघाती साबित हो सकती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए स्पष्ट मानवीय मूल्यों और दिशा-निर्देशों की नींव आवश्यक है, और कहा कि सार्थक वैश्विक प्रभाव प्राप्त करने के लिए इस तकनीक को मानवीय विश्वास के साथ जोड़ा जाना चाहिए। इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के नेताओं के पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक जिम्मेदार और मानव-केंद्रित वैश्विक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

डेटा संप्रभुता का सम्मान करते हुए डेटा ढ़ांचा बनाया जाना चाहिए : मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उत्कृष्टता और एआई के नैतिक उपयोग के लिए मेरे तीन सुझाव हैं। पहला, डेटा संप्रभुता का सम्मान करते हुए एआई प्रशिक्षण के लिए एक डेटा ढांचा विकसित किया जाना चाहिए। एआई में कहावत है, 'गलत इनपुट से गलत आउटपुट'। यदि डेटा सुरक्षित, संतुलित और विश्वसनीय नहीं है, तो आउटपुट भरोसेमंद नहीं होगा। इसलिए, एक वैश्विक विश्वसनीय डेटा ढांचा आवश्यक है। एआई विकास के तकनीकी और कॉर्पोरेट पक्ष की ओर बढ़ते हुए, पीएम मोदी ने 'ब्लैक बॉक्स' एल्गोरिदम संस्कृति के युग को समाप्त करने का आह्वान किया, जहां एआई निर्णय लेने की प्रक्रिया अपारदर्शी और छिपी हुई होती है। उन्होंने पूर्ण पारदर्शिता की ओर बदलाव की वकालत की।

पेपरक्लिप समस्या पर दी चेतावनी

एआई सुरक्षा अनुसंधान में एक प्रसिद्ध विचार प्रयोग का हवाला देते हुए, प्रधानमंत्री ने पेपरक्लिप समस्या के बारे में चेतावनी दी – एक ऐसा परिदृश्य जहां पेपरक्लिप बनाने जैसे संकीर्ण लक्ष्य वाली एआई नैतिक दिशा-निर्देशों के अभाव में सभी उपलब्ध संसाधनों का उपभोग कर लेती है। उन्होंने आगाह किया, यदि किसी मशीन को केवल पेपरक्लिप बनाने का लक्ष्य दिया जाए, तो वह ऐसा करना जारी रखेगी, भले ही इसके लिए उसे दुनिया के सभी संसाधनों का उपभोग करना पड़े। ऐसी अनपेक्षित आपदाओं को रोकने के लिए, प्रधानमंत्री ने जोर दिया कि एआई को अपने मूल प्रोग्रामिंग में स्पष्ट मानवीय मूल्यों और मार्गदर्शन को एकीकृत करने की आवश्यकता है।

तकनीक को मानवीयता से जोड़ना आवश्यक

प्रधानमंत्री ने कहा कि एआई उत्कृष्टता शून्य में मौजूद नहीं हो सकती। तकनीकी प्रगति को मानवीय नैतिकता के साथ जोड़कर, भारत एक ऐसे डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में विश्व का नेतृत्व करना चाहता है जो नवोन्मेषी और सुरक्षित दोनों हो। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह माना जाता है कि यह शिखर सम्मेलन मानव-केंद्रित, संवेदनशील वैश्विक एआई पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यदि हम इतिहास पर नजर डालें, तो हम देखते हैं कि मनुष्यों ने हर व्यवधान को एक नए अवसर में बदल दिया है। आज, हमारे सामने एक बार फिर ऐसा ही अवसर है। हमें मिलकर इस व्यवधान को मानवता के सबसे बड़े अवसर में बदलना होगा।

12 राज्यों तक फैला फ्रॉड नेटवर्क, यूजीसी ने जारी की लिस्ट

देशभर के फर्जी विश्वविद्यालयों पर एक्शन

- फर्जी विश्वविद्यालयों की संख्या 20 से बढ़कर 32 हुई।
- यूजीसी ने छात्रों को ऐसे संस्थानों से सतर्क किया।
- दिल्ली में सर्वाधिक 12 फर्जी विश्वविद्यालय सक्रिय हैं।

● नई दिल्ली, एजेंसी

देश में शिक्षा माफिया के हौसले किस तरह से बुलंद है, इसका अंदाजा फैलते फर्जी विश्वविद्यालयों से लगाया जा सकता है। जिनकी मौजूदगी दो साल पहले तक सिर्फ आठ राज्यों तक सीमित थी लेकिन अब यह 12 राज्यों तक पहुंच गई है।

वहीं फर्जी विश्वविद्यालयों की संख्या भी पिछले दो सालों में 20 से बढ़कर 32 तक पहुंच गई है। जिन नए राज्यों में फर्जी विश्वविद्यालयों ने दस्तक दी है, उनमें हरियाणा, राजस्थान, झारखंड और अरुणाचल प्रदेश शामिल है। फर्जी विश्वविद्यालयों के इस फैलते जाल के बीच विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने छात्रों और अभिभावकों को ऐसे संस्थानों को लेकर सतर्क किया है। साथ ही कहा है कि वह इन फर्जी विश्वविद्यालयों में भूलकर भी प्रवेश न लें। यूजीसी ने यह निर्देश बेंगलुरु (कर्नाटक) में ग्लोबल ह्यूमन पीस यूनिवर्सिटी नाम से संचालित हो रहे फर्जी संस्थान को लेकर जारी किए गए अलर्ट के साथ दिए है।

कैसे पता करें फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची

साथ ही छात्रों और अभिभावकों से कहा है कि वह प्रवेश लेने से पहले यूजीसी की वेबसाइट पर फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची जरूर देंखे। गौरतलब है कि पिछले कुछ सालों से फर्जी विश्वविद्यालयों को लेकर यूजीसी सिर्फ उनकी सूची जारी करने भर की औपचारिकता निभाता है। उनके बाद वह नहीं देखता है कि कहां क्या हो रहा है।

वहीं गांव-गांव तक अपना जाल फैला चुके फर्जी विश्वविद्यालय हर साल हजारों छात्रों को अपना शिकार बना रहे है।सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि 32 फर्जी विश्वविद्यालयों में 12अकेले दिल्ली में मौजूद है कुछ तो यूजीसी से कुछ मीटर की दूरी पर संचालित हो रहे है।

मौजूदा समय में जिन 12 राज्यों में फर्जी विश्वविद्यालय मौजूद है, उनमें दिल्ली में 12, उत्तर प्रदेश में चार, केरल, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक में दो-दो, जबकि हरियाणा, राजस्थान, झारखंड व अरुणाचल प्रदेश में एक-एक फर्जी विश्वविद्यालय है।

विदेशी विश्वविद्यालयों की भी ओढ़ रहे है चोला

देश में विदेशी विश्वविद्यालयों के दस्तक देने के साथ ही फर्जी विश्वविद्यालयों ने भी अब विदेशी विश्वविद्लायों का चोला ओढ़कर अपना जाल फैलाने में जुटे है। पिछले दिनों श्रीलंका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी ने यूजीसी को पत्र लिखकर उनके नाम व लोगो से महाराष्ट्र में संचालित हो रहे ऐसे ही एक फर्जी विश्वविद्यालय का शिकायत की थी। जिसके बाद यूजीसी ने छात्रों व अभिभावकों से इस फर्जी विश्वविद्यालयों को लेकर सतर्क किया था।

प्रमुख राज्यों में इन नामों से चल रहे है फर्जी विश्वविद्यालय

दिल्ली में-
- ऑल इंडिया इंस्टीट्यू ऑफ पब्लिक एण्ड फिजिकल हेल्थ साइंस
- कर्मशियल यूनिवर्सिटी लिमिटेड
- यूनाइटेड नेशन्स यूनिवर्सिटी
- वोकेशनल यूनिवर्टसिटी
- एडीआर सेंट्रिक ज्यूरिडिकल यूनिवर्सिटी
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड इंजीनियरिंग
- विश्वकर्मा ओपन यूनिवर्सिटी फार सेल्फ एम्प्लायमेंट
- अध्यात्मिक विश्वविद्यालय
- वर्ल्ड पीस ऑफ यूनाइटेड नेशनल यूनिवर्सिटी
- इंस्टीटूयूट ऑफ मैनेजमेंट एंड इंजीनियरिंग
- माउंटेन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एवं टेक्नालाजी व नेशनल इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट सोल्यूशन।

पश्चिम बंगाल में-
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टनेटिव मेडिसन
- इंस्टीट्यूट ऑफ अल्टनेटिव मेडिसन एंड रिसर्च।

उत्तर प्रदेश में-
- गांधी हिंदी विद्यापीठ प्रयाग
- महामाया टेक्नीकल विश्वविद्यालय नोयडा
- नेताजी सुभाष चंद्र बोस ओपन यूनिवर्सिटी
- अलीगढ़ व भारतीय शिक्षा परिषद भारत भवन लखनऊ।

हरियाणा में-
- मैजिक एंड आर्ट यूनिवर्सिटी, फरीदाबाद।

झारखंड-
- दक्ष यूनिवर्सिटी, रांची।

चुनाव आयोग ने कसी कमर

महाराष्ट्र समेत 23 राज्यों में अप्रैल से शुरू होगा वोटर लिस्ट का मेगा रिवीजन

● नई दिल्ली, एजेंसी

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने संकेत दिया है कि कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश सहित शेष 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों का विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) अप्रैल से शुरू होने की उम्मीद है। चुनाव आयोग के सचिव पवन दीवान ने मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) को सूचित किया कि उन्हें विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए तैयारी का काम जल्द से जल्द पूरा कर लेना चाहिए।

एसआईआर निम्नलिखित राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में किया जाना है

- आंध्र प्रदेश
- अरुणाचल प्रदेश
- चंडीगढ़
- दादरा और नगर हवेली
- दमन और दीव
- हरयाणा
- हिमाचल प्रदेश
- जम्मू और कश्मीर
- झारखंड
- कर्नाटक
- लद्दाख
- महाराष्ट्र
- मणिपुर
- मेघालय
- मिजोरम
- नगालैंड
- राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली
- ओडिशा
- पंजाब
- सिक्किम
- त्रिपुरा
- तेलंगाना
- उत्तराखंड

तेज प्रताप पर दिल्ली कोर्ट ने तय किए आरोप, जेजेपी नेता बोले – ट्रायल फेस करेंगे

: पटना। कथित भूमि-बदले-नौकरी घोटाले में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में जनशक्ति जनता दल (जेजेपी) के नेता तेज प्रताप यादव बुधवार को सीबीआई मामले के सिलसिले में दिल्ली के राउज़ एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए। अदालत की कार्यवाही के दौरान, तेज प्रताप ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वे मुकदमे का सामना करेंगे।

मिलान-2026 में 74 देश, बोले राजनाथ- ये दुनिया का भरोसा है

विशाखापत्तनम में भारत का शक्ति प्रदर्शन

● नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में मिलान-2026 अभ्यास के 13वें संस्करण का उद्घाटन किया, जो इस प्रमुख बहुपक्षीय नौसेना अभ्यास की शुरुआत का प्रतीक है। उद्घाटन के दौरान, रक्षा मंत्री ने 74 देशों के विशिष्ट अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मिलान 2026 अब तक का सबसे बड़ा और सबसे समावेशी संस्करण है। उन्होंने कहा कि यह संस्करण भारत को एक विश्वसनीय और जिम्मेदार समुद्री साझेदार के रूप में वैश्विक समुद्री समुदाय के भरोसे को दर्शाता है। सिंह ने कहा कि इस वर्ष, 74 देशों की भागीदारी के साथ, मिलान 2026 अब तक का सबसे बड़ा और सबसे समावेशी संस्करण है, जो भारत को एक विश्वसनीय और जिम्मेदार समुद्री साझेदार के रूप में वैश्विक समुद्री समुदाय के भरोसे का प्रतीक है। रक्षा मंत्री ने आगे बताया कि यह प्रमुख बहुपक्षीय मंच भागीदार देशों के बीच अंतर-संचालनीयता को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि पेशेवर अनुभवों और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करके, इस अभ्यास का उद्देश्य दक्षता में सुधार करना और पारस्परिक लाभ पर आधारित संबंधों के विकास के माध्यम से भागीदार नौसेनाओं के बीच मित्रता को गहरा करना है।

उद्देश्य, पेशेवर दक्षता में सुधार

सिंह ने कहा कि मिलान 2026 का उद्देश्य भागीदार देशों की नौसेनाओं के बीच अंतर-संचालनीयता को बढ़ाना, पेशेवर अनुभवों और प्रथाओं को साझा करके पेशेवर दक्षता में सुधार करना और पारस्परिक लाभ के संबंधों के विकास के माध्यम से भागीदार नौसेनाओं के बीच मित्रता को गहरा करना है। सभा को संबोधित करते हुए, रक्षा मंत्री ने कहा कि मिलान का दायरा और प्रतिष्ठा दोनों में लगातार वृद्धि हुई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सभी भागीदारों के संयुक्त प्रयासों से, यह आयोजन एक क्षेत्रीय समन्वय से विकसित होकर दुनिया के सबसे प्रमुख बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यासों में से एक बन गया है।

मप्र हाई कोर्ट का बड़ा फैसला...

तत्कालीन सीईओ भूपेंद्र सिंह भाटी की एफआईआर निरस्त करने से इनकार

इंदौर। मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में एफआइआर निरस्त करने से इंकार कर दिया है। न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी ने इस संबंध में प्रस्तुत याचिका निरस्त करते हुए कहा कि इस स्तर पर साक्ष्यों का विस्तृत परीक्षण किया जाना संभव नहीं है। जब अपराध कि सामग्री उपलब्ध हो तो जांच एवं अभियोजन को रोका नहीं जा सकता।

लोकायुक्त की छापेमारी में मिला था स्वर्ण और हीरों का खजाना

लोकायुक्त ने तत्कालीन अनुसूचित जाति विकास निगम के सीईओ भूपेंद्र सिंह भाटी के भोपाल स्थित निवास पर 14 अक्टूबर 2012 को कार्रवाई की थी। इस दौरान बड़ी मात्रा में स्वर्ण, हीरे के आभूषण और अन्य संपत्तियां मिली थीं। इसके आधार पर लोकायुक्त पुलिस ने भूपेंद्रसिंह भाटी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया था। वर्ष 2019 में लोकायुक्त को भाटी के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति भी मिल गई। भाटी ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी।

राहुल गांधी पर किरेन रिजिजू की टिप्पणी से भड़के सचिन पायलट

बयान वापस लेकर माफी मांगें राहुल गांधी : पायलट

● मुंबई, एजेंसी

कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने गुरुवार को केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू पर राहुल गांधी के खिलाफ टिप्पणी को लेकर निशाना साधा। रिजिजू ने राहुल गांधी को देश की सुरक्षा के लिए सबसे खतरनाक व्यक्ति बताया था। इस पर पायलट ने कहा कि यह टिप्पणी अपमानजनक और अनुचित है। उन्होंने मुंबई में एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान यह बात कही।

पायलट ने रिजिजू से अपने बयान को वापस लेने और इसके लिए माफी मांगने की मांग की है।

वहीं, राहुल गांधी को मिली जान से मारने की धमकी पर सचिन पायलट ने कहा कि जब आम पत्रकार सरकार की आलोचना करते हैं तो उन पर एफआईआर हो जाती है और जेल भेज दिया जाता है। लेकिन जब लोकसभा में विपक्ष के नेता को धमकी दी जाती है तो चुप्पी साध ली जाती है। यह सरकार की नीयत को दिखाता है।

रिजिजू अपना बयान वापस लें और माफी मांगें

सचिन पायलट ने कहा, फ़विपक्ष का नेता एक संवैधानिक पद है। उन्हें सुरक्षा के लिए खतरा बताना बहुत ही गलत और अपमानजनक है। खुलेआम धमकियां दी जा रही हैं, फिर भी सरकार कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि रिजिजू को अपना बयान वापस लेना चाहिए और माफी मांगनी चाहिए। पायलट ने यह भी कहा कि सरकार से सवाल पूछना और जवाबदेही तय करना विपक्ष के नेता का काम है।

अच्छी खबर

सीएम रेखा गुप्ता ने किया 70 अटल कैंटीन का उद्घाटन

दिल्ली में अब सिर्फ 5 रूपए में भरपेट भोजन

● नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली सरकार ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में नए अटल कैंटीनों का उद्घाटन किया, जो प्रतिदिन लगभग 70,000 लोगों को भोजन उपलब्ध कराएंगे। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के मंत्री आशीष सूद और उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के साथ मिलकर शहर भर के निवासियों को किफायती भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इन कैंटीनों का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नए अटल कैंटीनों का शुभारंभ राष्ट्रीय राजधानी के लोगों के लिए खुशी का क्षण है, जिनसे प्रतिदिन लगभग 70,000 लोगों को भोजन मिलने की उम्मीद है।

उन्होंने कहा कि सरकार पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के सपने को साकार कर रही है और बताया कि अब तक शहर भर में 70 अटल कैंटीन स्थापित हो चुकी हैं।

70 कैंटीन खोली जा चुकी हैं भविष्य में और बढ़ाई जाएंगी

सक्सेना ने पत्रकारों से कहा कि सिर्फ 5 रुपये में भोजन का आनंद लिया जा सकता है, जो बहुत अच्छी बात है। 70 कैंटीन खोली जा चुकी हैं और भविष्य में और भी खोलने की योजना है। इस पहल से उन मजदूरों और गरीबों को काफी राहत मिलेगी जिनके कार्यस्थलों के पास भोजन की उचित सुविधा उपलब्ध नहीं है। दिल्ली सरकार, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में, दिल्ली के लोगों को अधिक सेवाएं और सुविधाएं प्रदान करने के मिशन पर अथक प्रयास कर रही है। इसके अलावा, दिल्ली के मंत्री आशीष सूद ने कहा कि अटल कैंटीन पहल जन कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है और यह मात्र एक नीति नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजधानी के लोगों की सेवा करने का एक वादा है। सूद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में, 70 कैंटीनों के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 70,000 लोगों को भोजन मिलेगा और 100 कैंटीनों के चालू होने के बाद यह संख्या और बढ़ने की उम्मीद है।

संक्षिप्त समाचार

छप्पर डालने पर खूनी संघर्ष

पड़ोसियों ने घर में घुसकर किया जानलेवा हमला

जबलपुर। आधारताल थाना क्षेत्र में घर की छत पर टीन का शेड (छप्पर) डालने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। आरोप है कि दबंग पड़ोसियों ने एक परिवार के घर में घुसकर बेसबॉल के डंडों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया, जिसमें एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

पीड़ित सचिन बर्मन ने पुलिस को बताया कि वह अपने घर की छत पर टीन का शेड लगवा रहे थे। इसी बात को लेकर पड़ोस में रहने वाले लोगों ने आपत्ति जताई और विवाद शुरू कर दिया। देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि आरोपी अपने साथियों के साथ उनके घर में घुस आए और हमला कर दिया। सचिन के अनुसार, आरोपियों ने बेसबॉल के डंडों और धारदार हथियारों से ताबड़तोड़ वार किए। हमले में सचिन के सिर पर गंभीर चोट आई है, जबकि परिवार की महिलाओं के साथ भी मारपीट की गई। घटना के दौरान घर में अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया। डॉक्टरों के मुताबिक सचिन की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना पुलिस का कहना है कि हमले में शामिल लोगों की पहचान कर ली गई है और जल्द ही उनकी गिरफ्तारी की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है।

श्रमिकों का सहारा बनेगी 3 हजार की मासिक पेंशन

जबलपुर। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को वृद्धावस्था में सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना एक प्रभावी माध्यम सिद्ध हो रही है। कार्यालय सहायक श्रमायुक्त जबलपुर संभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, इस योजना के तहत 18 से 40 वर्ष की आयु के ऐसे श्रमिक जिनकी मासिक आय 15 हजार रुपये तक है और जो ईपीएफ, एनपीएस या ईएसआईसी का लाभ नहीं ले रहे हैं, वे अपना पंजीयन कराकर भविष्य सुरक्षित कर सकते हैं। विशेष रूप से जिले के आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, कोटवार, सफाईकर्मी और दैनिक वेतनभोगी इस योजना के लिए पात्र हैं। इस योजना में आयु के अनुसार न्यूनतम 55 रुपये से लेकर 200 रुपये तक का मामूली मासिक अंशदान देना होता है और उतनी ही समान राशि केंद्र सरकार द्वारा भी जमा की जाती है। हितग्राही के 60 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर उसे आजीवन 3 हजार रुपये प्रतिमाह की निश्चित पेंशन प्रदान की जाएगी। साथ ही, इसमें यह प्रावधान भी है कि यदि पंजीकृत श्रमिक 10 वर्ष तक नियमित राशि जमा करता है, तो मृत्यु होने या अन्य परिस्थितियों में जमा राशि ब्याज सहित निकाली जा सकती है। पंजीयन की प्रि या को अत्यंत सरल बनाया गया है जिसके लिए श्रमिक अपने नजदीकी सी.एस.सी. सेंटर, एम.पी. ऑनलाइन केंद्र, जनपद पंचायत, नगर पालिका, नगर परिषद या सहायक श्रमायुक्त कार्यालय जबलपुर में संपर्क कर सकते हैं। योजना से संबंधित किसी भी प्रकार की शिकायत या जानकारी के लिए विभाग ने टोल-फ्री ग्राहक सेवा संख्या 18002676888 भी जारी की है।

डॉ. हेमलता की करोड़ों की जमीन अब नगर निगम की

निगमायुक्त ने निरस्त की लीज

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

संस्कारधानी के हृदय स्थल राइट टाउन स्थित प्रेम मंदिर के पास की करोड़ों रुपए मूल्य की बेशकीमती जमीन को लेकर चल रहा विवाद अब समाप्त हो गया है। नगर निगम प्रशासन ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित जमीन की लीज को औपचारिक रूप से निरस्त कर दिया है। नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के आदेश के बाद अब इस पूरी भूमि को निगम के आधिपत्य में लेने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। यह पूरी कार्रवाई अपर आयुक्त और जांच दल की रिपोर्ट के आधार पर की गई है, जिसमें लीज शर्तों के गंभीर उल्लंघन की पुष्टि हुई है।

डॉ. की मृत्यु के बाद गहराया था विवाद

यह पूरा घटनाक्रम राइट टाउन निवासी प्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. हेमलता श्रीवास्तव की मृत्यु के बाद चर्चा में आया। उनकी मृत्यु के बाद करीब 25,047 वर्गफीट की इस विशाल भूमि पर मालिकाना हक को लेकर कई पक्ष आमने-सामने आ गए थे। प्रशासन ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए संपत्ति पर दावा प्रस्तुत करने के लिए 24 घंटे का नोटिस चस्पा किया था, लेकिन निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई भी पक्ष वैध दस्तावेजों के साथ सामने नहीं आया। इसके बाद नगर निगम आयुक्त के निर्देश पर उपायुक्त शिवांगी महाजन ने एक विस्तृत जांच रिपोर्ट तैयार की, जिसमें लीज की शर्तों के उल्लंघन का कच्चा चिट्ठा सामने आया।

दानपत्र और वसीयत के जरिए हस्तांतरण को माना गंभीर उल्लंघन

नगर निगम की जांच में यह खुलासा हुआ कि प्लॉट क्रमांक 51, राइट टाउन की इस लीज भूमि का किराया (भू-भाड़ा) वर्ष 2020-21 से जमा नहीं किया गया था। रिकॉर्ड के अनुसार, यह जमीन डॉ. हेमलता के पति, ससुर और पुत्र के नाम पर दर्ज थी। लीज की शर्तों (क्रमांक 3, 6, 7 और 8) का स्पष्ट उल्लंघन पाया गया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि बिना नगर निगम की पूर्व अनुमति के इस सरकारी जमीन को दानपत्र और वसीयत के जरिए हस्तांतरित करने की प्रक्रिया अपनाई गई, जो कि लीज नियमों के विरुद्ध है। निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने स्पष्ट किया कि लीज की जमीन को निजी तौर पर दान करना या वसीयत करना सीधे तौर पर अनुबंध का उल्लंघन है।

25 हजार वर्गफीट भूमि अब सीधे नगर निगम के नियंत्रण में

जांच रिपोर्ट के अनुसार, डॉ. हेमलता के पति और पुत्र के निधन के बाद जमीन के एक हिस्से (करीब 11 हजार वर्गफीट) को डॉ. सुमित जैन और प्राची जैन को दान में देने की बात सामने आई थी, जबकि शेष 14 हजार वर्गफीट हिस्सा एक धार्मिक संस्था के नाम वसीयत किया गया था। इसी को लेकर आपसी विवाद शुरू हुआ और मामला प्रशासन तक पहुंचा। चूंकि लीज की शर्त क्रमांक 6 निगम को उल्लंघन की स्थिति में जमीन पर पुनः प्रवेश का अधिकार देती है, इसी आधार पर अब लीज पूरी तरह निरस्त कर दी गई है। अब किसी भी निजी पक्ष का इस पर दावा मान्य नहीं होगा और पूरी जमीन पर नगर निगम का बोर्ड लगा दिया गया है।

धूमधाम से निकाली कलश यात्रा

जबलपुर। धमापुर स्थित बाई का बगीचा रामलीला मैदान में श्रीमद भागवत कथा मनोकामना ज्ञान यज्ञ पावन श्री कृष्ण लीला प्रसंग का आयोजन होगा। श्रीमद् भागवत कथा 18 से 24 फरवरी तक चलेगी। आयोजक समिति सनातनी हिंदू धर्म रक्षक संगठन, कथा वाचक पंडित अभिषेक चौबे जी अभिरामदास जी महाराज होंगे। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि विगत दिवस कलश स्थापना यात्रा निकाली गई। जिसमें बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित रहे।

लीज नवीनीकरण के कार्यों में आएगी तेजी

चंडालभाटा ट्रांसपोर्ट नगर व्यापारियों से निगमायुक्त की हुई सार्थक चर्चा

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

जबलपुर के चंडालभाटा ट्रांसपोर्ट नगर के व्यापारियों को बहुत शीघ्र ही लीज नवीनीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ कर राहत प्रदान करने के संबंध में निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार द्वारा संपदा विभाग के अधिकारियों को समक्ष में बुलाकर निर्देश प्रदान किये गए हैं। निगमायुक्त ने ट्रांसपोर्ट नगर के व्यापारियों एवं लीजधारकों से भी चर्चा की और अधिकारियों को निर्देशित किया कि लीज नवीनीकरण की प्रारंभिक एवं वैधानिक प्रक्रिया का पालन करते हुए शीघ्रता के साथ फाइल तैयार कर नवीनीकरण के लिए प्रस्तुत करें।

निगमायुक्त और ट्रांसपोर्ट नगर के व्यापारियों के बीच एक सार्थक बैठक हुई। बैठक में व्यापारियों ने लीज नवीनीकरण में आ रही तकनीकी पहलुओं से निगमायुक्त को अवगत कराया। निगमायुक्त ने व्यापारियों के विषयों के संबंध में सुनवाई की और त्वरित निराकरण कराने का आश्वासन भी दिया। निगमायुक्त ने सम्पदा विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। प्रकरणों का सूक्ष्म परीक्षण कर लीज से जुड़ी फाइलों का बारीकी से अध्ययन कर निराकरण किया जाये।

व्यापारियों को प्रक्रिया के दौरान किसी भी तरह की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखने संपदा विभाग के अधिकारियों को निगमायुक्त द्वारा कहा गया। बैठक के दौरान अपर आयुक्त व्हीएन बाजपेयी, संपदा अधिकारी शिवांगी महाजन के साथ चंडाल भाटा ट्रांसपोर्ट नगर के व्यापारीगण भी उपस्थित रहे।

अपराध

जलेबी खाने को लेकर उपजा था विवाद

गोराबाजार क्षेत्र में युवक की नृशंस हत्या

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

एमपी के जबलपुर में गोराबाजार स्थित ग्राम भीटा-जैतपुरी में देर रात जलेबी खाने को लेकर उपजे विवाद पर कृष्णा उइके नामक युवक पर साजन झारिया से चाकुओं से हमला कर हत्या कर दी। वारदात उस वक्त हुई है जब कृष्णा मोटर साइकल से अपने घर जा रहा था। घटना की खबर मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए, जिन्होने पूछताछ के बाद हमलावर की सरगर्मी से तलाश शुरु कर दी है।

बताया गया है कि गोराबाजार क्षेत्र में आयोजित मेले में जलेबी खाने को लेकर साजन झारिया का कृष्णा उइके से विवाद हो गया। उस वक्त तो आसपास के लोगों ने दोनों को अलग अलग कराते हुए झगड़ा शांत करा दिया लेकिन साजन बदला लेने की फिराक में रहा। बीती देर कृष्णा मोटर साइकल से घर जाने के लिए निकला। जब ग्राम भीटा से जैतपुरी की ओर बढ़ रहा था, तभी पीछा करते हुए आए साजन झारिया ने रोककर फिर गाली गलौज शुरु कर दी। कृष्णा ने विरोध किया तो चाकू निकालकर दनादन वार किए। हमला होते ही कृष्णा जमीन पर गिरकर छटपटाने लगा। शोर सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर आ गए, जिन्होने कृष्णा को खून्स लथपथ हालत में देखा तो उठाकर जिला अस्पताल पहुंचाकर पुलिस को खबर दी। जिला अस्पताल में डाक्टरों ने जांच के बाद कृष्णा को मृत घोषित कर दिया। कृष्णा उइके की हत्या की खबर से क्षेत्र से हड़कम्प मच गया, यहां तक कि लोग घरों से बाहर आ गए थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने पूछताछ के बाद हमलावर की तलाश शुरु कर दी है। खबर यह भी है कि आरोपी साजन झारिया के साथ और भी साथी थे। पुलिस इस बात का भी पता लगा रही है।

ब्लैक स्पॉट्स पर संकेतक, ब्लिंकर्स, रिफ्लेक्टर्स लगाएं

कलेक्टर-एसपी ने निरीक्षण कर दिये निर्देश

जबलपुर। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह और पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय ने संबंधित अधिकारियों के साथ जिले के ब्लैक स्पॉट का निरीक्षण कर सड़क सुरक्षा के लिए आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने पनागर के पास कुश्नेर तिराहा और बम्हनौदा बाईपास का स्थल निरीक्षण कर एनएचएआई के अधिकारी अमृत साहू को सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि एनएचएआई में चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर संकेतक, ब्लिंकर्स, रिफ्लेक्टर्स और प्री-फेब्रिकेटेड डिवाइडर लगाये जायें, डिवाइडर की रंगाई-पुताई व प्रकाश की समुचित व्यवस्था करें। साथ ही जहाँ आवश्यकता हो वहाँ सर्विस रोड भी बनायें। इस दौरान एसडीएम अभिषेक सिंह एवं सभी संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

पाटन के ग्राम तिलगवा में शिव पुराण कथा प्रारंभ

जबलपुर। पाटन क्षेत्र के समीप स्थित ग्राम तिलगवा में भव्य शिव पुराण कथा का शुभारंभ हो चुका है। धार्मिक माहौल के बीच श्रद्धालु बड़ी संख्या में कथा श्रवण के लिए पहुंच रहे हैं। इस आयोजन का संयोजन पूरन सिंह पूजा बब्बा के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। कथा वाचन रीवा के सुप्रसिद्ध कथा वाचक पंडित राजेंद्र प्रसाद द्वारा किया जा रहा है। उनके श्रीमुख से शिव महापुराण की अमृतमयी कथा सुनने के लिए प्रतिदिन श्रद्धालुओं की अच्छी खासी उपस्थिति देखी जा रही है। कार्यक्रम के आयोजक अवध सिंह,भीकम सिंह , तन सिंह, घनश्याम सिंह, नेकनारायण सिंह, गोलू सिंह ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्म लाभ लेने की अपील की है। कथा स्थल पर भजन-कीर्तन, पूजा-अर्चना एवं प्रसाद वितरण की भी व्यवस्था की गई है। ग्राम तिलगवा में इस धार्मिक आयोजन को लेकर विशेष उत्साह का वातावरण बना हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

बिना चार्जशीट सेवामुक्त करने पर हाईकोर्ट की अंतरिम रोक

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने जिला पंचायत जबलपुर द्वारा एक सचिव को बिना आरोपपत्र जारी किए सेवामुक्त करने के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने मामले में जिला पंचायत जबलपुर, जनपद पंचायत मझौली के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। याचिकाकर्ता सीता देवी चौकसे की ओर से अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि आर्थिक अनियमितता के आरोप में जिला पंचायत ने तीन फरवरी को याचिकाकर्ता को सेवा से पृथक करने का आदेश जारी कर दिया। जबकि इससे पहले पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 40 के तहत निर्धारित प्र या का पालन नहीं किया गया। याचिका में कहा गया कि बिना आरोपपत्र और विभागीय जांच के सेवामुक्ति का आदेश पारित करना विधि विरुद्ध है। अदालत को यह भी बताया गया कि याचिकाकर्ता को कोई चार्जशीट नहीं दी गई और न ही पक्ष रखने का अवसर प्रदान किया गया। केवल कारण बताओ सूचना पत्र देकर सीधे सेवामुक्ति का आदेश जारी कर दिया गया, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है। प्राथमिक सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने सेवामुक्ति आदेश पर अंतरिम रोक लगाते हुए संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। साथ ही अगली सुनवाई तक यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई निर्धारित तिथि पर की जाएगी। अदालत के इस आदेश से याचिकाकर्ता को फिलहाल राहत मिली है।

पुरानी रंजिश में युवक की हत्या, 24 घंटे के भीतर आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। थाना गोराबाजार क्षेत्र के ग्राम जैतपुरी में पुरानी रंजिश के चलते 18 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना 18 फरवरी की शाम लगभग 7:30 बजे की बताई जा रही है। घायल युवक कृष्ण कुमार उर्फ कृष्णा उर्फ उमंग उइके को उपचार के लिए विक्टोरिया अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के साथी ब्रजेश उर्फ बिज्जू गोंड (19) ने पुलिस को बताया कि वह कृष्ण कुमार और पंकज बरकड़े के साथ गौर नदी के पास खेत में था। इसी दौरान साजन झारिया फोन पर गाली-गलौज कर रहा था। तीनों युवक मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे, तभी यज्ञशाला के पास साजन ने मोटरसाइकिल रोक ली और विवाद करने लगा। मना करने पर उसने पहले थप्पड़ मारा और बीच-बचाव कर रहे कृष्ण कुमार के सीने में चाकू से वार कर दिया। आरोपी मौके से जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी गोराबाजार संजीव त्रिपाठी स्टाफ सहित अस्पताल पहुंचे। वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक जबलपुर सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना तिवारी एवं नगर पुलिस अधीक्षक कैंट उदयभान बागरी के मार्गदर्शन में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। आरोपी साजन झारिया के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया गया। आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के आदेश के बाद विशेष टीम गठित की गई। टीम ने सरगर्मी से तलाश करते हुए जैतपुरी के जंगल में दबिश देकर आरोपी साजन झारिया (19) को हिरासत में ले लिया। उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त चाकू भी बरामद कर लिया गया। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर 20 फरवरी को न्यायालय में पेश किया जाएगा। हत्या के बाद फरार आरोपी को 24 घंटे के भीतर पकड़ने में थाना प्रभारी संजीव त्रिपाठी, उप निरीक्षक भोला मरावी, सहायक उप निरीक्षक महेश परते, प्रधान आरक्षक रूस्तम सिंह तथा आरक्षक मिथुन, धर्मेंद्र और संतोष मिश्रा की सराहनीय भूमिका रही। त्वरित कार्रवाई से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर पुलिस की स यता एक बार फिर सामने आई है।

बदलते दौर में बढ़ी आधार की अहमियत, ऑपरेटरों को निभानी होगी बड़ी जिम्मेदारी

जबलपुर, प्रातः किरण,संवाददाता

आधार कार्ड आज के डिजिटल युग में नागरिक सेवाओं की आधारशिला बन चुका है। इसी महत्व को देखते हुए आधार ऑपरेटरों की कार्यक्षमता बढ़ाने और तकनीकी त्रुटियों को समाप्त करने के लिए एक विशेष क्षमता संवर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में नई दिल्ली से आए यूआईडीएआई के मास्टर ट्रेनर नवनीत तिवारी ने शिरकत की और उपस्थित 80 से अधिक ऑपरेटरों को आधार नामांकन की जटिलताओं से अवगत कराया। श्री तिवारी ने आपरेटरों को तकनीकी बारीकियों के बारे में बताया और बदलावों से भी अवगत कराया। इस मौके पर ई-गवर्नेंस के जिला प्रबंधक चित्रांशु त्रिपाठी भी उपस्थित रहे।

क्षमता संवर्धन पर कार्यशाला, 80 से अधिक ऑपरेटरों ने सीखीं तकनीकी बारीकियां, नियमों सख्ती से पालन करने हिदायत

लक्ष्य बनाओ,एक भी आवेदन रिजेक्ट न हो

कार्यशाला के मुख्य सत्र में ई-गवर्नेंस के जिला प्रबंधक चित्रांशु त्रिपाठी ने कड़े शब्दों में ऑपरेटरों को अनुशासन का पाठ पढ़ाया। उन्होंने कहा कि आधार ऑपरेटरों को यूआईडीएआई द्वारा निर्धारित एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) और मान्य दस्तावेजों की सूची का अक्षरशः पालन करना अनिवार्य है। श्री त्रिपाठी ने चिंता जताते हुए कहा, अक्सर जानकारी के अभाव या दस्तावेजों के गलत चयन के कारण आधार आवेदन रिजेक्ट हो जाते हैं, जिससे आम जनता को अनावश्यक परेशानी झेलनी पड़ती है। हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए कि तकनीकी या प्रक्रियात्मक गलती से एक भी आधार निरस्त न हो।

पारदर्शिता और नैतिक आचरण का पाठ

ऑपरेटरों को बताया गया कि जैसे-जैसे सरकारी और गैर-सरकारी सेवाओं में आधार की उपयोगिता बढ़ रही है, ऑपरेटरों की भूमिका और अधिक संवेदनशील हो गई है। जिला प्रबंधक श्री ने ऑपरेटरों को संबोधित करते हुए कहा कि आधार अब केवल एक दस्तावेज नहीं, बल्कि सरकारी तंत्र और आम आदमी के बीच का सेतु है। उन्होंने जोर दिया, हमे पूरी प्रक्रिया को इतने पारदर्शी तरीके से करना चाहिए कि व्यवस्था पर कोई उंगली न उठा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि बढ़ती जरूरतों के साथ हमारी जिम्मेदारी भी बढ़ रही है, इसलिए कार्यप्रणाली में ईमानदारी और शुचिता का होना अनिवार्य है।

खुद को लगातार अपडेट करते रहें

मास्टर ट्रेनर श्री तिवारी ने कार्यशाला के दौरान ऑपरेटरों की तकनीकी शंकाओं का समाधान किया। उन्होंने बायोमेट्रिक अपडेट और डेमोग्राफिक डेटा प्रविष्टि के दौरान होने वाली सामान्य गलतियों को सुधारने के तरीके बताए। उन्होंने महत्वपूर्ण मंत्र देते हुए कहा कि यदि काम के दौरान किसी भी प्रकार की दुविधा या तकनीकी समस्या आए, तो खुद प्रयोग करने के बजाय अपने वरिष्ठ अधिकारियों से मार्गदर्शन अवश्य लें। इस कार्यशाला का उद्देश्य न केवल ऑपरेटरों को दक्ष बनाना था, बल्कि आधार सेवाओं को आम जन के लिए और अधिक सुलभ और विश्वसनीय बनाना भी था।

कई इलाकों से हटाए गए कब्जा

जबलपुर। अतिक्रमण मुक्त जबलपुर और सुगम यातायात को बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे अभियान के निर्देश के तहत नगर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। उक्त कार्रवाई अपर आयुक्त अरविंद शाह के मार्गदर्शन में एवं अतिक्रमण प्रभारी मनीष कुमार तड़से जी के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। बहोराबाग़ मेन रोड से रजा चौक तक अतिक्रमण हटाए गए साथ सड़क किनारे लगे ठेले टपरों को अलग किया गया। सूपाताल तालाब के चारों ओर सभी अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई साथ अनधिकृत अतिक्रमण न करने की चेतावनी दी गई यातायात को ध्यान में रखते हुए रामपुर चौक से ठेले एवं टपरे हटाने की कार्रवाई की गई। आयुक्त महोदय के निर्देशानुसार पानी की टंकी के पास अतिक्रमण अलग करने हेतु धारा 322/323 के सूचना पत्र जारी किये गए। छोटी लाइन फाटक से दशमेश द्वार तक सभी अतिक्रमण हटाए गए और जब्ती की कार्यवाही की गई। सहायक अतिक्रमण निरोधक अधिकारी अखिलेश सिंह भदौरिया, एकता रघुवंशी तथा सहायक परिवहन एवं यातायात प्रबंधन अधिकारी दीपेंद्र सिंह रावत। दल प्रभारी एवं कर्मचारीगण लक्षण कोरी, नदीम खान, जोसफ प्रवीण, अंकित पारस, वीरेंद्र मिश्रा, कुलदीप त्रिपाठी, दुर्गा राव आदि उपस्थित रहे।

जबलपुर के शातिर बदमाश सागर में गिरफ्तार

जबलपुर। एमपी के जबलपुर से सागर के शाहगढ़ में ठगी कर रहे तीन बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। तीनों बदमाश फर्जी डीएसपी व पुलिस आरक्षक बनकर युवक को होमगार्ड में नौकरी दिलाने एक लाख की मांग कर रहे थे। पुलिस का कहना है कि जबलपुर के तीनों शातिर ठगों ने अन्य जिलों में भी फर्जी पुलिस अधिकारी बनकर ठगी की है, जिसके संबंध में तीनों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शाहगढ़ में रहने वाला युवक होमगार्ड में नौकरी पाने के चक्कर में एक डीएसपी के संपर्क में है। वह होमगार्ड में नौकरी लगवाने की बात कह रहे हैं। उन्होने एक लाख रुपए की मांग, युवक ने संदेह होने पर पुलिस अधिकारियों से संपर्क किया। बताया कि डीएसपी अपना नाम शिवम चतुर्वेदी बता रहा है जो जबलपुर में पदस्थ है। अधिकारियों के कहने पर युवक ने फर्जी डीएसपी से बात की और 1 लाख रुपए देने को तैयार हो गया। इसके बाद आज फर्जी डीएसपी बगैर नंबर की बोलेरो में दो फर्जी पुलिस जवानों को लेकर शाहगढ़ पहुंच गया।

पीएमश्री विद्यालयों में समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं :कलेक्टर

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आज पीएमश्री विद्यालयों के प्रबंधन एवं क्रियान्वयन के संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी व संबंधित विद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि पीएमश्री विद्यालयों का क्रमबद्ध क्रियान्वयन हो और इसमें जो भी आवश्यकताएं हैं उनकी पूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने टिंकरिंग लैब, विद्यालयीन स्टाफ व विद्यार्थियों की आईडी, रचनात्मक रूप से सीखने के लिए की जा रही गतिविधियां, गणित एवं विज्ञान सर्कल, टीचर लर्निंग मटेरियल, खेल गतिविधियां, आत्मरक्षा प्रशिक्षण, विशेषज्ञ वार्ता, व्यवसायिक प्रयोगशाला, हरित विद्यालय, विद्यालयीन अभिलेख संधारण, परीक्षाएं, विज्ञान प्रयोगशाला, पुस्तकालय, साफ-सफाई, विद्युत व्यवस्था व फायर सेफ्टी, पेयजल, पानी की टंकियों की सफाई आदि के संबंध में विस्तार से चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि विद्यालय के आस-पास मादक पदार्थों से संबंधित दुकान न हों, विद्यालय में फर्नीचर व किचन व्यवस्था अच्छी हो, विद्यार्थियों के लिए खेल मैदान व उनके नियमित स्वास्थ्य परीक्षण होता रहे।

स्वच्छ जल, स्वच्छ मन अभियान का चौथे चरण 22 को

जबलपुर। जब सेवा साधना बन जाए और प्रकृति के प्रति संवेदना जीवन का मूल मंत्र हो, तब पावन संकल्प जन्म लेते हैं। मानव सेवा और लोक कल्याण की इसी दिव्य चेतना को साकार रूप प्रदान करने हेतु संत निरंकारी मिशन द्वारा 'प्रोजेक्ट अमृत' के अंतर्गत 'स्वच्छ जल, स्वच्छ मन' अभियान के चौथे चरण का भव्य शुभारंभ रविवार, 22 फरवरी 2026 प्रातः 8 बजे से 11 बजे तक परम श्रद्धेय सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के निर्देशानुसार समस्त भारत में भव्य रूप से आयोजित किया जा रहा है। संत निरंकारी मंडल के सचिव ने बताया यह विशाल अभियान देशभर में 1500 से अधिक स्थानों में एक साथ आयोजित किया जाएगा। इस व्यापक विस्तार के कारण यह प्रयास ऐतिहासिक स्वरूप धारण करेगा, जो जल संरक्षण तथा स्वच्छता के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक प्रभावशाली रूप से पहुँचाएगा।

जागरुकता रथ अभियान

मध्यप्रदेश के राज्यपालने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

जागरूकता से ही एनीमिया पर लग सकती है रोकःराज्यपाल

जबलपुर/इंदौर, प्रातः किरण, संवाददाता

समाज में एनीमिया के प्रति व्यापक जागरूकता लाने के उद्देश्य से 12 दिवसीय एनीमिया जागरूकता रथ अभियान की शुरुआत मंगलवार को की गई। इस रथ को इंदौर शहर में जनजागरूकता के लिए भ्रमण हेतु मध्यप्रदेश के राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि डॉ. एके द्विवेदी द्वारा संचालित यह एनीमिया जागरूकता रथ समाज में इस बीमारी के प्रति व्यापक चेतना फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि एनीमिया की रोकथाम जागरूकता से ही संभव है तथा इस प्रकार के अभियान समाज के सभी वर्गों को स्वास्थ्य के प्रति सजग बनने के लिए प्रेरित करते हैं। यह अभियान सांसद सेवा प्रकल्प इंदौर, आयुष मेडिकल वेलफेयर फाउंडेशन एवं एडवांस्ड होम्योपैथिक सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में तथा होम्योपैथिक मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की राज्य शाखा के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. एके द्विवेदी के मार्गदर्शन में संचालित इस जागरूकता कार्यक्रम में जबलपुर शाखा से राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. आरके चतुर्वेदी, प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. आरके गुप्ता, प्रांतीय महामंत्री डॉ. अवधेश भट्ट, प्रांतीय कोषाध्यक्ष डॉ. अल्केश खत्री, डॉ. तुलाराम लड़िया, डॉ. वीरेंद्र साहू, डॉ. रविशंकर नामदेव, डॉ. विकास विश्वकर्मा, डॉ. वत्सल उपाध्याय सहित अन्य चिकित्सक इंदौर पहुंचकर सहभागिता प्रदान करेंगे।

पदाधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार का एनीमिया जागरूकता अभियान शीघ्र ही जबलपुर में भी आयोजित किया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक लोगों को एनीमिया के प्रति जागरूक किया जा सके।

संक्षिप्त समाचार

आज विक्टोरिया अस्पताल में दिव्यांगजनों के मेडिकल बोर्ड द्वारा बनाए जायेगें दिव्यांग प्रमाण-पत्र

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता। जिला प्रशासन और नगर निगम के प्रयासों से जिला अस्पताल विक्टोरिया में मेडिकल बोर्ड द्वारा आज दिनांक 20 फरवरी 2026 को जिला अस्पताल विक्टोरिया में दिव्यांगजनों के दिव्यांग प्रमाण-पत्र बनाये जायेगें। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने शहर के समस्त दिव्यांगजनों से अधिक से अधिक लाभ उठाने का आग्रह किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र व्यक्ति शासन की कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहे। प्रमाण-पत्र बनने से दिव्यांगजनों को शिक्षा, रोजगार और पेंशन जैसी योजनाओं में सीधी मदद मिलेगी।

गैस सिलेंडर में विस्फोट के साथ मकान में लगी भीषण आग, बड़ा हादसा टला

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता। पाटन के गुरु मोहल्ला में गुरुवार शाम 6 बजे गैस सिलेंडर में विस्फोट के बाद एक मकान में आग भड़क उठी। आग ने धीरे-धीरे पूरे मकान को चपेट में ले लिया और उससे भीषण लपटे निकलने लगी। मामले की सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई पाटन नगर परिषद की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मेहनत के बाद इस आग पर काबू पाया गया। बताया जाता है कि गुरु मोहल्ला के रहने वाले कृष्ण कुमार रैकवार के मकान में उस वक्त आग लगी, जब घर में कोई नहीं था। बताया जा रहा है कि गैस सिलेंडर से गैस का रिसाव हो रहा था। इसी दौरान संभवतः शॉर्ट सर्किट हुआ होगा, जिससे आग भड़कती होगी। आग लगने से कृष्ण कुमार रैकवार की गृहस्थी का पूरा सामान जलकर खाक हो गया। लगभग एक से डेढ़ लाख रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। गनीमत यह रही कि इसमें किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई आग लगने के कारण आसपास के इलाकों में दहशत फैल गई थी फायर ब्रिगेड की टीम भी सकरी गलियों में अंदर नहीं जा पा रही थी।

शहर की स्वच्छता और सुव्यवस्थित मछली व्यवसाय के लिए नगर निगम, मत्स्य विभाग और मछुआ समिति की बड़ी पहल

मत्स्य विभाग और नगर निगम की अनुमति के बिना नगरीय निकाय सीमा में खुले में मछली बेचने का व्यवसाय प्रतिबंधित

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

शहर की स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ करने और मछली कारोबार को नियमबद्ध करने के उद्देश्य से आज सूपाताल क्षेत्र में नगर निगम, मत्स्य विभाग और मछुआ समिति द्वारा संयुक्त निरीक्षण किया गया। इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य खुले में मछली विक्रय पर रोक लगाना और व्यापारियों को शासन द्वारा निर्धारित सर्वसुविधायुक्त स्थानों पर स्थानांतरित करना है।

मौके पर नगर निगम की ओर से अपर आयुक्त श्रीमती अंजू सिंह एवं मत्स्योद्योग विभाग के सहायक संचालक राजाराज तिलक धुर्वे अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। अधिकारियों ने मछुआ समिति के कार्य संचालन का जायजा लिया और स्थानीय व्यापारियों से संवाद किया। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नगर निगम सीमा के भीतर स्वच्छता मानकों को बनाए रखना प्राथमिकता है। नगर निगम और मत्स्य विभाग की विधिवत अनुमति के बिना खुले में मछली बेचने का व्यवसाय पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। मछली व्यापारियों की सुविधा के लिए गुरंदी में विशेष रूप से दुकानों का आवंटन किया जा रहा है। व्यापारियों को निर्देशित किया गया है कि वे शासन द्वारा आवंटित स्थान पर शिफ्ट हों और आवश्यक अनुमति प्राप्त करने के उपरांत ही अपने व्यवसाय का संचालन करें।

इस पहल से सूपाताल और आस-पास के क्षेत्रों में गंदगी से मुक्ति मिलेगी, बल्कि मछली व्यापारियों को भी एक स्थाई रूप से सुरक्षित कार्यस्थल प्राप्त होगा।

डिजिटल क्रांति के साथ जनगणना 2027 का शुभारंभ

अब जनता स्वयं स्व गणना portal के माध्यम से लिखेगी अपनी प्रगति की इबारत

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

देश की आर्थिक उन्नति, राष्ट्रीय योजनाओं के सही क्रियान्वयन और नीति निर्धारण के लिए जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि राष्ट्र का दर्पण है। इसी संकल्प के साथ नगर निगम द्वारा आजादी के बाद की 8वीं और 1872 के बाद की 16वीं जनगणना का विधिवत प्रशिक्षण कार्यक्रम स्मार्ट सिटी कार्यालय नगर निगम के आयुक्त एवं शहरी क्षेत्र के मुख्य जनगणमना अधिकारी रामप्रकाश अहिरवार की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण 20 फरवरी 2026 को सम्पन्न होगा। इस अवसर पर निगमायुक्त के साथ जनगणना कार्य निदेशालय के संयुक्त निदेशक रामावतार पटेल, जबलपुर जिले के प्रभारी मनोज नाथानी एवं नगर निगम के अपर आयुक्त मनोज श्रीवास्तव आदि ने बारी-बारी से जिला एवं निगम कर्मचारियों को जनगणना की बारीकियों से परिचय कराया तथा विस्तृत जानकारियॉं दी।

पहली बार आमजनमानस को मिला स्व-गणना का अवसर

इस बार की जनगणना में तकनीक और जन-भागीदारी का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि इतिहास में पहली बार आम नागरिकों को स्व-गणना का सौभाग्य प्राप्त होगा। आम जनता स्वयं पोर्टल के माध्यम से अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे, जिससे आंकड़ों में शुचिता और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। प्रशिक्षण में संयुक्त निदेशक रामावतार पटेल और जिला प्रभारी मनोज नाथानी ने स्पष्ट किया कि यह पूरी प्रक्रिया दो चरणों में संपन्न होगी। उन्होंने बताया कि 16 से 30 अप्रैल 2026 तक पोर्टल के माध्यम से आमजन द्वारा स्व-गणना का कार्य किया जायेगा, स्व गणना करने के उपरांत आमजनमानस को जनरेट एस.ई. आई.डी. सुरक्षित रखना होगा और जब उनके घर प्रगणक आएॅं तो उन्हें देना एवं बताना होगा। उन्होंने बताया कि 1 मई से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण और मकानों की गणना का कार्य किया जायेगा। इसी प्रकार फरवरी 2027 में मुख्य जनसंख्या गणना के कार्य की शुरुआत होगी।

जानें क्यों महत्वपूर्ण है जनगणना का कार्य

प्रशिक्षण सत्र के दौरान अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि सही आंकड़े ही सरकार को शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के लिए बेहतर नीतियां बनाने में मदद करते हैं। निगमायुक्त ने इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता वाला बताया, क्योंकि यही आंकड़े आने वाले दशक के लिए देश की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करेंगे। नगर निगम के इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में कर्मचारियों को डिजिटल टूल्स और डेटा संकलन की बारीकियों से अवगत कराया जा रहा है ताकि शुद्धता के साथ जनगणना का लक्ष्य प्राप्त किया जा सके।

नगना ग्राम में श्रीमद् भागवत कथा के शुभारंभ पर निकाली गई कलश यात्रा

बेलखाडू, प्रातःकिरण संवाददाता। कटंगी मार्ग नगना में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है जिसका कलश यात्रा के साथ शुभारंभ किया गया।जिसमें कन्याओं एवं महिलाओं ने अपने सिर पर कलश रखकर एवं श्रद्धालु भक्तजनों ने अपने हाथों में ध्वजा लेकर जयकारे लगाएऔर ढोल धमाल के साथ कथा स्थल से कलश यात्रा शुरू हुई जो समूचे बस्ती का भ्रमण किया एवं मठ मंदिरों में पूजन अर्चन किया ढोल धमाल के साथ निकाली गई शोभायात्रा में शामिल भक्तों के जयघोष और भजन कीर्तन से माहौल भक्तिमय हो गया वैदिक विद्वानों द्वारा वैदिक विधि विधान से पूजन के बाद कलशों की स्थापना के साथ कथावाचक सच्चिदानंद जी महाराज द्वारा श्रीमद्भागवत कथा का महत्व बताते हुए कथा का शुभारंभ हुआ कलश शोभायात्रा में भारी संख्या में ग्रामीण जन शामिल रहे।

बच्चों को वितरण किए गए कपड़े

बेलखाडू, प्रातःकिरण संवाददाता। समीपी ग्राम बघोडी मे बेलखाडू निवासी एडवोकेट विनोद तिवारी द्वारा गरीब असहाय व जरूरतमंद ग्राम के करीब 50 बच्चों को पैंट शर्ट फ्रॉक टी-शर्ट आदि नए कपड़ों का वितरण किया गया जिसे पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे विनोद तिवारी का कहना है की ग्राम में बच्चों के कपड़ों का वितरण किया गया जब उन नन्हे चेहरों पर मुस्कान खिली, तो लगा जैसे पूरी दुनिया की दौलतमिल गईहो।जरूरतमंद बच्चों को कपड़े वितरण करना सिर्फ़ एक छोटा सा प्रयास था, लेकिन उनके लिए ये नई उम्मीद, नई खुशी और एक नया आत्मविश्वास था। उन मासूम आँखों में चमक थी, जैसे उन्हें सिर्फ़ कपड़े नहीं, बल्कि अपनापन और प्यार मिला हो।

जायका टीम की ट्रांसको अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जायका) द्वारा प्रदेश के ट्रांसमिशन नेटवर्क की सुदृढ़ीकरण के लिये मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) को दिये गये जायका-दो लोन से हुये कार्यो की समीक्षा के लिये आज मुख्यालय शक्तिभवन जबलपुर में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें जायका, जापान की इवैल्यूएटर सुश्री हिसाए ताकाहाशी एवं जायका के भारतीय प्रतिनिधि श्री कुनाल गुप्ता ने जायका वित्त पोषित विभिन्न कार्यो में एमपी ट्रांसको द्वारा अपनायी गई तकनीकी एवं वित्तीय प्रबंधन के बारे में जानकारी प्राप्त की।

पारेषण हानि कम करना बडी उपलब्धि – जायका टीम ने लोन समझौते की शर्तो में शामिल पारेषण हानि को कम करने के प्रभावी क्रियान्वयन की सराहना करते हुए कहा कि वर्ष 2013 में 2.82 प्रतिशत रही पारेषण हानि को वर्ष 2024-25 में घटाकर 2.60 प्रतिशत तक लाना एक बड़ी उपलब्धि है।

जायका टीम ने राइट आफ वे (आर ओ डब्ल्यू) एवं फारेस्ट अप्रूवल से जुडी चुनौतियो के बावजूद मध्यप्रदेश में ट्रासमिशन नेटवर्क सुदृढ़ीकरण के लिये किये गये प्रयासों की सराहना की। बैठक में जायका के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि परियोजनाओं का क्रियान्वयन स्वीकृत योजना एवं तय मानकों के अनुसार होना आवश्यक है।

निरीक्षण उपरांत प्रस्तुत की जायेगी विस्तृत रिपोर्ट

बैठक में सहमति बनी कि टीम द्वारा जायका वित्त पोषित परियोजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश में एमपी ट्रांसको द्वारा किये गये विभिन्न कार्यो का निरीक्षण कर विस्तृत तकनीकी एवं वित्तीय समीक्षा की रिपोर्ट निर्धारित प्रश्नावली मे प्रस्तुत की जाएगी। एमपी ट्रांसको द्वारा मानीटरिंग एवं प्रोजेक्ट पूर्णता रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद जायका द्वारा रेटिंग दी जायेगी ।

ट्रांसको ने प्रस्तुत किया प्रतिवेदन

समीक्षा बैठक के संयोजक कार्यपालक निदेशक(योजना और डिजाइन) श्री संदीप गायकवाड़ ने प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि कई कार्य दक्ष प्रबंधन एवं प्रतिस्पर्धी निविदा प्रक्रिया के कारण कम लागत में पूर्ण हुए हैं। साथ ही यह भी आश्वस्त किया गया कि परियोजनाओं की गुणवत्ता एवं तकनीकी मानकों से कोई समझौता नहीं किया गया है। मध्यप्रदेश में ट्रांसमिशन नेटवर्क की सुदृढ़ीकरण के लिये पावर ट्रांसमिशन कंपनी को दो बार जायका द्वारा लोन दिया गया था। जायका-दो में 434 करोड रुपये का एमपी ट्रांसको द्वारा युटिलाइजेशन किया गया है। बैठक का संचालन कार्यपालन अभियंता श्रीमती क्षमा शुक्ला ने किया।

बैटरी चोरी का खुलासाः एक आरोपी गिरफ्तार, 24 हजार का सामान बरामद

जबलपुर, प्रातःकिरण। थाना चरगवां पुलिस ने बैटरी चोरी के दो मामलों का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी का नाम अखिलेश सोनी (45) निवासी अहमदपुर चरगवां है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की गई 2 बैटरियां और 1 स्प्रे पम्प, कुल कीमती लगभग 24 हजार रुपये का माल बरामद किया है।

नगर निगम के वसूली अभियान : 8 करदाताओं के खिलाफ हुई कुर्की की कार्रवाई

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार नगर निगम द्वारा संभागवार एवं वार्डवार वसूली अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत जिन करदाताओं के द्वारा बार-बार सूचना देने के बाद भी बकाया करों की राशि जमा नहीं की जा रही है, उन सभी करदाताओं के विरूद्ध कुर्की की कार्रवाई की जा रही है। कुर्क सम्पत्तियों को अवधि के उपरांत वैधानिक प्रक्रिया का पालन करते हुए नीलाम करने की कार्रवाई भी की जायेगी। संभागों से प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर निगम की राजस्व टीम ने संभाग स्तरीय सदस्यों के सहयोग से मुख्यालय, घंटाघर और क्षेत्रीय बस स्टैण्ड संभागों में प्रभावी कार्यवाही की। जिसमें संभाग क्रमांक 06 क्षेत्रीय बस स्टैण्ड के अंतर्गत डॉ. राम मनोहर लोहिया वार्ड भवन स्वामी अनिल यादव पिता स्वर्गीय शिवपाल यादव बकाया राशि 78 हजार 5 सौ 71 रूपये, सुनील कुमार एवं कुमारी संगीता दोनों के पिता स्वर्गीय आर एस पांडे बकाया राशि 66 हजार 5 सौ 59 रूपये होने पर भवन पर कुर्की के पोस्टर चस्पा किये गए।

जबलपुर में 21 से 23 फरवरी तक प्रदेश स्तरीय कुश्ती महाकुंभ, टीएंडटी मैदान में जुटेंगे प्रदेशभर के पहलवान

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

संस्कारधानी जबलपुर में आयोजित होने जा रही भव्य प्रदेश स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता को लेकर आयोजकों ने डिजिटल एवं प्रिंट मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रतियोगिता भव्य रूप में आयोजित होगी। कार्यक्रम के आयोजक एवं जिला एमेच्योर कुश्ती संघ, के आयोजक शिवम तिवारी ने बताया कि यह गरिमामयी प्रतियोगिता 21 फरवरी से 23 फरवरी तक टी एंड टी मैदान, जबलपुर में आयोजित की जाएगी। तीन दिवसीय इस आयोजन में प्रदेश के सभी जिलों से प्रतिभाशाली पहलवान सहभागिता करेंगे और अपनी शक्ति, कौशल तथा खेल भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। आयोजक शिवम तिवारी ने कहा कि इस प्रतियोगिता के संयोजन का दायित्व मिलना गर्व और जिम्मेदारी दोनों का विषय है। उन्होंने बताया कि आयोजन की सभी तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं और खिलाड़ियों के लिए आवास, भोजन, सुरक्षा तथा चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रदेश के युवा खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सशक्त मंच प्रदान करना है, ताकि वे आगे चलकर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकें। इस आयोजन से खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा और युवाओं में अनुशासन, समर्पण और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होगी।

औचक निरीक्षण

स्वच्छता अभियान को गति प्रदान करने निगमायुक्त स्वयं कर रहे हैं लगातार निगरानी

दुकानदारों को डस्टबिन रखने और स्वच्छता के प्रति सजग रहने दी समझाईश

जबलपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

शहर को स्वच्छता के शिखर पर ले जाने और कचरा प्रबंधन व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार निरंतर मैदानी स्तर पर डटे हुए हैं। इसी क्रम में आज निगमायुक्त ने वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और निगम स्वामित्व के प्लांट संचालित करने वाले कुंदन ग्रीन एनर्जी कम्पनी के प्रतिनिधियों को 15 दिन के अंदर प्लांट परिसर को साफ-स्वच्छ और सुन्दर बनाने के कड़े निर्देश दिये। इस मौके पर निगमायुक्त श्री अहिरवार ने संबंधित अधिकारियों को भी निर्देशित किया कि अपनी निगरानी में परिसर को साफ-स्वच्छ करवाएॅं और प्रगति की रिपोर्ट दें। निरीक्षण के मौके पर निगमायुक्त द्वारा वेस्ट टू एनर्जी प्लांट के बाद आई.एस.बी.टी. परिसर और वॉशिंग पिट परिसर का भी निरीक्षण किया गया और त्वरित गति से कार्यो को पूर्ण करने तथा परिसर को साफ स्वच्छ रखने निर्देश दिये गए। गौरतलब है, कि स्वच्छता अभियान को गति प्रदान करने निगमायुक्त स्वयं लगातार मापदण्डों पर निगरानी रखे हुए हैं और उन्हीं के अनुरूप वे लगातार जमीनी स्तर पर कार्य कर रहे हैं। आज निरीक्षण के मौके पर निगमायुक्त द्वारा दुकानों में जाकर दुकानदारों से बातचीत की और दुकानों के बाहर डस्टबिन रखने और स्वच्छता के प्रति सजग रहने की समझाईश दी। इस मौके पर निगमायुक्त ने सभी दुकानों एवं प्रतिष्ठानों में ''मेरा कचरा - मेरी जिम्मेदारी'' का स्टीकर्स भी चस्पा किया और स्वच्छता का संदेश दिया। निगमायुक्त ने निरीक्षण के दौरान आई.एस.बी.टी. परिसर में स्वच्छता का महाश्रमदान अभियान चलाया जिसमें सैंकड़ों की संख्या में सफाई मित्रों के साथ स्वच्छता दीदियों और अधिकारियों कर्मचारियों ने भाग लेकर परिसर को साफ-स्वच्छ किया और आगे भी इसी प्रकार स्वच्छता के प्रति सजग रहने का संकल्प लिया। इस मौके पर पॉलीथिन, प्लास्टिक आदि का उपयोग न करने तथा कचरे को अलग अलग डस्टबिन में रखकर निगम की कचरा गाड़ी को देने तथा स्वच्छता के प्रति दूसरों को भी प्रेरित करने का भी संकल्प लिया गया।

जबलपुर के पनागर में राज्य स्तरीय विशाल ईनामी दंगल का आयोजन

पनागर, प्रातःकिरण संवाददाता। प्रदेश महामंत्री कांग्रेस कमेटी ;खेल प्रकोष्ठद्ध मनोज पहलवान पूर्व पार्षद पनागर ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि प्रतिवर्ष के अनुसार इस बर्ष भी पनागर नगर में ष्पनागर कुश्ती संघ एवं जनकल्याण खेल समिति एवं बुद्ध गौड अखाड़ा के संयुक्त तत्वावधान में एक विशाल ईनामी राज्य स्तरीय दंगल का आयोजन 22 फरवरी 26 दिन रविवार को दोपहर 2रू00 बजे से गाँधी वार्ड मंगल भवन के पास सरस्वती विद्यालय पनागर के पीछे आयोजित किया गया है। इस दंगल आयोजन में अतिथि स्वरूप राकेश सिंह केबिनेट मंत्री मण् प्रण् शासनए लखन घनघोरिया विधायक पूर्व केबिनेट मंत्रीए क्षेत्रिय पनागर विधायक सुशील तिवारी इंदू भैया एंव सम्मति सैनी प्रदेश महामंत्री कांग्रेस कमेटए संजय यादव जिला ग्रामीण अध्यक्ष कांग्रेस पूर्व विधायक पंण्राजू चौबे जी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता पंण् सूर्यकान्त शर्माए ऐडण्एसण्पीए पंण्राजा तिवारीए समाजसेवीए प्रदीप पटेल भीम अध्यक्ष नगर पालिका पनागर रहेंगे। इस दंगल कार्य म में ष्हिन्द केशरीष् रामकिशन पहलवान उत्तर प्रदेश मुख्य आकर्षण के केन्द्र रहेंगे। महिला पहलवान के साथ ही दूर दूर के पहलवान अखाड़े में पधार रहे हैं। जिसमें हरियाणा, उत्तर प्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र बिहार,छत्तीसगढ़ आदि के पहलवान पधार रहे हैं। दंगल के निर्णायक राजेन्द्र पटेल रज्जन भैया पनागर केशरी रमेश पहलवान एंव सीओडी केशरी मुन्ना पहलवान रहेंगे। दंगल समिति के सभी सदस्यों ने क्षेत्रिय जनता से उपस्थिति की अपील की है।

संक्षिप्त समाचार

डिजिटल क्लासरूम बनाने में पिछड़ा मध्यप्रदेश

भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता। शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग व्यक्तिगत शिक्षण, बुद्धिमान ट्यूटरिंग सिस्टम, और प्रशासनिक कार्यों के स्वचालन के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया को बेहतर बना रहा है। यह तकनीक छात्रों की जरूरतों के अनुसार सामग्री को अनुकूलित करती है और वास्तविक समय में फीडबैक प्रदान करती है, जिससे शिक्षकों का बोझ कम होता है। इसको देखते हुए केंद्र सरकार ने पिछले पांच साल में प्रदेश को 318.52 करोड़ रुपए दिए, ताकि स्कूलों को डिजिटल बनाया जा सके। लेकिन राज्य इस फंड का 85 प्रतिशत उपयोग नहीं कर पाया है। इसका परिणाम यह देखने को मिल रहा है कि प्रदेश के 62 प्रतिशत सरकारी स्कूल लैब्स और स्मार्ट क्लासरूम नहीं होने के कारण एआई शिक्षा से दूर हैं।

केंद्र से मिले फंड का पांच साल में 85 प्रतिशत उपयोग नहीं

मप्र में सरकार का दावा है कि वह सरकारी स्कूलों में निजी स्कूलों की तरह डिजिटल क्लासरूम बनाकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से बच्चों को शिक्षित करने की कोशिश में लगी हुई है। लेकिन सरकार के दावों की हकीकत यह है कि प्रदेश में 62 प्रतिशत सरकारी स्कूल एआई शिक्षा से बेहद दूर हैं। बिना इंटरनेट और आईसीटी लैब या डिजिटल क्लासरूम के एआई शिक्षा संभव नहीं है और प्रदेश का हाल ये है कि यहां लैब्स और स्मार्ट क्लासरूम बनाने के लिए मिला फंड पांच साल में भी 85 फीसदी खर्च नहीं हो सका है। प्रदेश के जिन सरकारी स्कूलों में इंटरनेट है, वहां भी तस्वीर पूरी नहीं है। इन 12,933 स्कूलों में से केवल 2,610 स्कूल ऐसे हैं, जहां कंप्यूटर लैब या स्मार्ट क्लास सही तरीके से चल रही है। परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 यह भी संकेत देता है कि जहां इंटरनेट पहुंच भी है, वहां डिजिटल पढ़ाई की बुनियादी तैयारी पूरी नहीं है। रिपोर्ट के मुताबिक सर्वे में सिर्फ 34 प्रतिशत छात्रों के पास घर पर लैपटॉप या टैबलेट है। केंद्र सरकार ने पिछले पांच साल में प्रदेश को 318.52 करोड़ रुपए दिए, ताकि स्कूलों को डिजिटल बनाया जा सके। लेकिन राज्य इस फंड का सिर्फ 49.15 करोड़ रुपए यानी 15 प्रतिशत ही खर्च कर पाया। प्रदेश में 8,489 कंप्यूटर लैब और 12,573 स्मार्ट क्लास बनाने की मंजूरी तो मिली, लेकिन ज्यादातर आज भी फाइलों तक सीमित हैं। कक्षा 6वीं और उससे ऊपर वाले 34,152 सरकारी स्कूलों में से सिर्फ 12,933 स्कूलों तक ही इंटरनेट पहुंच पाया है। यानी हर तीन में से करीब दो स्कूल आज भी डिजिटल दुनिया से कटे हुए हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक डिजिटल उपकरण और नियमित उपयोग के बिना एआई जैसी शिक्षा सिर्फ नीति दस्तावेजों तक सिमट कर रह जाती है।

नगरीय निकायों में होंगी नियुक्तियां, एल्डमैन की सूची पहुंची संगठन को

स्थानीय नेताओं को किया जाएगा उपकृत

भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता। मप्र में नगर निगमों और नगर पालिकाओं में एल्डरमैन के पद पर राजनीतिक नियुक्तियों का रास्ता साफ हो गया है। सबसे पहले भोपाल, इंदौर, नर्मदापुरम, रीवा, शहडोल, जबलपुर और उज्जैन संभाग के जिलों में आने वाले निकायों में नियुक्तियां होंगी। सत्ता व संगठन ने इन नियुक्तियों के लिए नाम तय कर लिए हैं। संभावना जताई जा रही है की इस महीने से नगरीय निकायों में राजनीतिक नियुक्तियों का सिलसिला शुरू हो जाएगा। मप्र में निकायों के चुनाव में बमुश्किल एक साल बचा है। उसके पहले सत्ता व संगठन को एल्डरमैन नियुक्त करने की याद आई है। नियुक्ति के पहले ही कई पदाधिकारी इसका विरोध कर रहे हैं। इनका कहना है कि जब नियुक्ति देना ही थी तो दो साल पहले दी जानी थी, लेकिन अब चुनाव का समय नजदीक है, ऐसे में केवल नाम के लिए नियुक्ति दिए जाने की प्रक्रिया की जा रही है। बताया जा रहा है कि

भाजपा कार्यकर्ताओं को पद देने और सरकार व संगठन के बीच समन्वय बनाने प्रदेश के नगरीय निकायों में एल्डमैन की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू हो गई है। भाजपा नेतृत्व ने संभावित नामों की सूची बनाने का जिम्मा जिला प्रभारियों को सौंपा था। प्रदेश के सभी जिला प्रभारियों ने जिलों का दौरा कर एल्डमैन के लिए संभावित नामों की लिस्ट संगठन को सौंप दी है। जल्द ही एल्डरमैन की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। दरअसल भाजपा संगठन और सरकार के बीच हुए समन्वय में यह बात भी स्पष्ट हुई है कि इन नियुक्तियों के माध्यम से भाजपा के स्थानीय नेताओं को उपकृत किया जाएगा, खासकर ऐसे नेताओं को जो संगठन में लगातार सक्रिय रहे हैं, लेकिन प्रदेश कार्यकारिणी और जिला कार्यकारिणी में जगह नहीं पा सके हैं। ऐसे सक्रिय कार्यकर्ताओं को एल्डरमैन का पद देकर जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। भाजपा इस प्रक्रिया को एक राजनीतिक रणनीति के रूप में देख रही है। संगठनात्मक नियुक्तियों में स्थान नहीं मिलने से कार्यकर्ताओं में अंदरूनी नाराजगी को दूर किया जा सके। राजनीतिक रूप से इन नियुक्तियों को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी से भी जोड़कर देखा जा रहा है। पार्टी नेतृत्व चाहता है कि जमीनी स्तर पर सक्रिय हर कार्यकर्ता को संगठन या निकाय स्तर पर भूमिका मिले, जिससे चुनाव के समय मजबूत नेटवर्क तैयार रहे। कुल मिलाकर एल्डरमैन नियुक्तियां भाजपा के लिए केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संगठनात्मक संतुलन, कार्यकर्ता संतुष्टि और चुनावी तैयारी का अहम राजनीतिक कदम मानी जा रही हैं।

समन्वय से बनाई गई सूची

सूत्र बताते हैं कि इस बार सूची तैयार करने में स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद को प्राथमिकता दी गई है। जिन जिलों में संगठनात्मक विवाद रहे हैं, वहां विशेष सावधानी बरती गई है, ताकि नियुक्ति यां संतुलित और स्वीकार्य बन सकें। नियुक्ति यों की दृष्टि से प्रदेश के बड़े नगर निगमों पर खास ध्यान दिया जा रहा है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर जैसे बड़े नगर निगमों में 12-12 एल्डरमैन नियुक्त किए जाएंगे। वहीं मुरैना, सिंगरौली, रीवा, सतना, छिंदवाड़ा, उज्जैन, सागर, बुरहानपुर, खंडवा, देवास, रतलाम और कटनी नगर निगमों में 8-8 एल्डरमैन नियुक्त किए जाने का प्रावधान है। इसके अलावा प्रदेश की लगभग 99 नगर पालिकाओं में से करीब 70 नगर पालिकाओं में 6-6 एल्डरमैन नियुक्त किए जाने हैं, जबकि 264 नगर परिषदों में से लगभग 180 परिषदों में 4-4 एल्डरमैन नियुक्त करने की तैयारी चल रही है। जनसंख्या के आधार पर भी संख्या तय की जाती है। दस लाख से अधिक आबादी वाले नगर निगमों में अधिकतम 12 एल्डरमैन नियुक्त किए जा सकते हैं। भाजपा संगठन के अनुसार नियुक्ति से पहले संभाग स्तर पर बैठकों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें संभाग प्रभारी, जिला प्रभारी और जिला अध्यक्ष संभावित नामों पर चर्चा करेंगे। इसके बाद सूची प्रदेश अध्यक्ष की मंजूरी के लिए भेजी जाएगी। अंतिम स्वीकृति के बाद ही नामों की औपचारिक घोषणा होगी।

नियमों की सरेआम उड़ रहीं धज्जियां, कार्रवाई से कतरा रही पुलिस

मंत्री-सांसद और विधायक का नहीं छूट रहा हूटर मोह

भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता।

राजधानी में आपको हूटर प्रेमी बहुत दिख जाएंगे, जो खुलआम अपने वाहनों में हूटर लगाकर कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश से वीवीआईपी कल्चर खत्म करने को लेकर कई बार अलग-अलग मंचों से कह चुके हैं। इसके साथ ही इस कल्चर को खत्म करने के लिए कई नियमों में बदलाव भी किया गया। इसके बावजूद नेताओं और अधिकारियों का लाल बत्ती के साथ हूटर के लिए जो प्यार है, खत्म होने का नाम नहीं लेता है। मंत्री-विधायक और सांसदों के वाहन सांय-सांय की आवाज करते सड़कों पर दौड़ते नजर आ जाते हैं।

हूटर नियम के बाद नहीं उतर रहे हैं। करीब 8 साल पहले केंद्र सरकार की ओर से मंत्री अफसर समेत सभी जनप्रतिनिधियों के वाहनों पर हूटर लगाने के नियम को बंद कर दिया गया था। इसके बाद से गाड़ियों पर लगे हूटरों को उतारना शुरू भी कर दिया गया था। ज्यादातर गाड़ियों से हूटर और लाल बत्ती को प्रशासन द्वारा उतरावा भी दिया गया था, लेकिन मध्य प्रदेश में जनप्रतिनिधि हों या बड़े अधिकारी अब भी हूटर का उपयोग कर रहे हैं। केंद्र सरकार की मंशा ये थी की हूटर से काफी तेज आवाज निकलती है और ऐसे में सामान्य तौर पर उसका इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

हूटर लगाकर फर्राटा भर रहे नेतागण

वर्तमान में विधायक, नगर पालिका अध्यक्ष, जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष के साथ ही अन्य राजनीतिक दलों के पदाधिकारी बेखौफ होकर हूटर लगाकर अपना जलवा बिखेरने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। यातायात पुलिस की चालानी कार्रवाई 2 पहिया वाहनों, सीट बेल्ट व वाहनों के दस्तावेज चेक करने तक ही सिमट कर रह गई है। अनाधिकृत रूप से हूटर लगाकर शहर और मुख्य मार्गों में दौड़ने वाले वाहनों के विरुद्ध अब तक यातायात पुलिस ने भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है।

इन वाहनों में हूटर लगाने की छूट

अगर कोई इन नियमों के खिलाफ जाकर अपने वाहन पर हूटर लगाता है, तो उस पर 5000 रुपये तक का चालान किया जा सकता है। केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम 1989 के नियम 119(3) के तहत इन वाहनों को हूटर और साइरन के लिए छूट दी गई है, जिसमें एंबुलेंस, फायर बिग्रेड, आपातकालीन सेवा में चलने वाली गाड़ी और परिवहन विभाग के अफसरों की गाड़ियां शामिल हैं।

नियम तोड़ने वालों पर होगी कार्रवाई

इस मामले में पुलिस कमिश्नर संजय सिंह ने कहा कि यातायात पुलिस की ड्यूटी है कि ऐसे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करें। जरूरत पड़ी तो हूटर के खिलाफ अभियान भी चलाया जाएगा। हूटर के अलावा प्रेशर हॉर्न, ब्लैक फिल्म, फ्लैशर लाइट और मॉडिफाइड साइलेंसर लगाना केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम 1989 के खिलाफ है। ऐसा करने पर भी जुर्माना भरना पड़ सकता है। इसीलिए वाहन चलाते वक्त इन नियमों का ध्यान रखना काफी जरूरी है।

वाहनों में प्रेशर हॉर्न लगाने की अनुमति नहीं

केंद्रीय मोटर वाहन नियम 1989 के तहत इस तरह का कोई भी प्रेशर हॉर्न किसी वाहन में इस्तेमाल नहीं किया जा सकता, लेकिन पहले वीआईपी लोगों को इसकी इजाजत थी। केन्द्र सरकार के आदेश के बाद वीआईपी लोगों के वाहनों पर भी हूटर लगाना बंद कर दिया गया था। हूटर लगाने की इजाजत सिर्फ आपातकालीन सेवा में इस्तेमाल होने वाले वाहन जैसे एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड और पुलिस के वाहन शामिल हैं। इन वाहनों के अलावा अगर और कोई हूटर इस्तेमाल करता हुआ पाया जाता है,

उच्च शिक्षा विभाग केंद्र सरकार को भेजेगा प्रस्ताव

तीन कॉलेजों को मिलेगा डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा!

भोपाल, प्रातःकिरण संवाददाता। मप्र के तीन कॉलेजों को डीम्ड डूनिवर्सिटी का दर्जा दिया जाएगा। उच्च शिक्षा विभाग ने इसकी तैयारी तेज कर दी है। बताया जाता है कि राजधानी का एक्सीलेंस कालेज, रीवा का ठाकुर रणमत सिंह (टीआरएस) कालेज और जबलपुर का आदर्श साइंस कालेज डीम्ड यूनिवर्सिटी बनने जा रहे हैं। उच्च शिक्षा विभाग तीनों कालेजों को डीम्ड यूनिवर्सिटी बनाने के लिए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजेगा। केंद्र से स्वीकृति मिलने के बाद उक्त कालेजों को डीम्ड यूनिवर्सिटी करने की शेष प्रक्रिया विभाग करेगा। बता दें कि प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत कालेजों में एनईपी लागू कर दिया है। अब कालजों को आटोनोमी देने का काम चल रहा है। इसी के चलते उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश में तीन बड़े कालेजों को डीम्ड यूनिवर्सिटी बनाने का निर्णय लिया है। राजधानी के एक्सीलेंस कालेज, रीवा के टीआरएस कालेज और जबलपुर के आदर्श साइंस कालेज का रिसर्च वर्क बेहतर है। यहां फैकल्टी और विद्यार्थियों के साथ अधोसंरचना भी मापदंडों के मुताबिक है। सभी मापदंड पूरे होने पर केंद्र सरकार तीनों डीम्ड यूनिवर्सिटी के प्रस्ताव को खारिज नहीं कर पाएगी। इसीलिए कॉलेजों से प्रस्ताव तैयार कराए जा रहे हैं। लोकभवन में होने वाली समन्वय समिति की बैठक में स्वीकृति मिलने के बाद एक्सीलेंस कालेज भोपाल को आवेदन प्रक्रिया यूजीसी के पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन करनी होगी। इसमें विनियामक निकायों से एनओसी भी लेनी होगी।

यह रहेगी सुविधा

डीम्ड यूनिवर्सिटी बनने से तीनों कॉलेज को कई सुविधाएं मिलेंगी। इनको संबंधित पारंपरिक विवि से संबद्धता लेने की जरूरत नहीं होगी। ये अपना सिलेबस स्वयं तैयार कर पाएंगे। आटोनोमस की फीस देने से मुक्ति मिलेगी। आटोनोमस लेने के लिए निरीक्षण नहीं कराना होगा। डीम्ड यूनिवर्सिटी सीधे यूजीसी और शिक्षा मंत्रालय की देखरेख में चलेंगे। राज्य सरकार का सीधा दखल नहीं होता। डीम्ड विवि का दर्जा प्राप्त संस्थान कोर्स, फीस आदि तय करने के लिए स्वतंत्र होते हैं।

छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला : आबकारी विभाग के पूर्व सहायक आयुक्त नवीन कुमार तोमर गिरफ्तार

28 फरवरी तक रहेंगे EOW की रिमांड पर

रायपुर, प्रातःकिरण संवाददाता। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में जांच तेज हो गई है। आबकारी विभाग के पूर्व सहायक आयुक्त (ष्ट) नवीन कुमार तोमर को 27 लाख रुपये के कथित लेन-देन से जुड़े प्रकरण में गिरफ्तार कर आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) की विशेष अदालत में पेश किया गया। अदालत ने उन्हें 28 तारीख तक ईओडब्ल्यू रिमांड पर भेज दिया है। रिमांड अवधि में उनसे नेटवर्क, फंड फ्लो और भूमिका को लेकर गहन पूछताछ की जाएगी। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तोमर के करीबी व्यक्ति को हिरासत में लिया था और प्रारंभिक जांच के बाद मामला आगे की कार्रवाई के लिए ईओडब्ल्यू को सौंप दिया था। ईओडब्ल्यू ने जांच के दौरान आवश्यक साक्ष्य एकत्र करने के बाद नवीन कुमार तोमर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के पश्चात उन्हें ईओडब्ल्यू की विशेष अदालत में पेश किया गया। सुनवाई के बाद विशेष न्यायालय ने तोमर को 28 तारीख तक ईओडब्ल्यू रिमांड पर भेज दिया है। अब रिमांड अवधि के दौरान ईओडब्ल्यू की टीम उनसे कथित लेन-देन, नेटवर्क और अन्य संबंधित पहलुओं को लेकर गहन पूछताछ करेगी। सूत्रों के मुताबिक, जांच एजेंसी पूरे मामले की वित्तीय परतें खंगालने में जुटी है और आने वाले दिनों में इस प्रकरण में और भी खुलासे संभव हैं। राज्य के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में यह कार्रवाई महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि इससे जांच की दिशा और तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।

जानिए क्या है शराब घोटाला

ईडी ने ACB में दर्ज FI में 3200 करोड़ रुपये से अधिक के कथित घोटाले का जि किया है। एजेंसी का दावा है कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में एक कथित सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया। जांच में जिन नामों का उल्लेख है, उनमें दिव्य ભાસ્કર अधिकारी अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के तत्कालीन एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर शामिल बताए गए हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार, कथित घोटाले को ए, बी और सी – तीन श्रेणियों में अंजाम दिया गया।

ए : डिस्टलरी संचालकों से कमीशन वसूली

बताया गया कि 2019 में डिस्टलरी संचालकों से प्रति पेटी 75 रुपये और बाद के वर्षों में 100 रुपये तक कमीशन लिया जाता था। संचालकों को नुकसान न हो, इसके लिए नए टेंडर में शराब की कीमतें बढ़ाई गईं। साथ ही ओवर बिलिंग की कथित छूट देकर लागत समायोजन का रास्ता बनाया गया।

बी : नकली होलोग्राम के जरिए सरकारी दुकानों से बिक्री

जांच में सामने आया कि डिस्टलरी मालिकों से अतिरिक्त शराब बनवाई गई और उस पर नकली होलोग्राम लगाकर सरकारी दुकानों से बि ी कराई गई। आरोप है कि होलोग्राम सप्लायर विधु गुप्ता को तैयार किया गया। खाली बोतलों की आपूर्ति और परिवहन की जिम्मेदारी अरविंद सिंह और उसके भतीजे अमित सिंह को दी गई। प्रदेश के 15 जिलों को शराब खपाने के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया। दुकानदारों को कथित तौर पर निर्देश दिया गया कि बि ी का रिकॉर्ड सरकारी दस्तावेजों में दर्ज न किया जाए। शुरुआत में प्रति पेटी 2880 रुपये की एमआरपी रखी गई, जिसे बाद में 3840 रुपये तक बढ़ाया गया। डिस्टलरी मालिकों को सप्लाई पर शुरुआत में 560 रुपये और बाद में 600 रुपये प्रति पेटी दिए जाने की बात भी सामने आई है। ACB को जांच में 40 लाख पेटी से अधिक शराब की बि ी के साक्ष्य मिलने का दावा किया गया है।

सीः सप्लाई जोन में हेरफेर से अवैध उगाही

देशी शराब की बि ी के लिए ष्टस्स्ष्टरु की दुकानों को 8 जोन में विभाजित किया गया। आरोप है कि टेंडर प्रि या में सप्लाई जोन का निर्धारण कमीशन के आधार पर किया जाने लगा। एपी त्रिपाठी द्वारा जोन-वार विश्लेषण उपलब्ध कराए जाने की बात कही गई, ताकि क्षेत्र कम-ज्यादा कर अवैध धन वसूली की जा सके। ईओडब्ल्यू की जांच में तीन वित्तीय वर्षों में देशी शराब सप्लाई के नाम पर 52 करोड़ रुपये 'पार्ट सी' के तौर पर सिंडिकेट को दिए जाने के साक्ष्य मिलने का दावा है।

सट्टा खाईवाल 'किंग लाला' को बड़ा झटका, कोर्ट ने अग्रिम जमानत याचिका खारिज की

मुंगेली, प्रातःकिरण संवाददाता।

जिला सत्र न्यायालय ने फरार चल रहे सट्टा खाईवाल योगेंद्र शर्मा उर्फ 'किंग लाला' की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। थाना चिल्फी में धारा 6 छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम, 2022 के तहत दर्ज मामले में सुनवाई के बाद न्यायाधीश गिरजा देवी मेरावी ने आरोपी के आपराधिक इतिहास और संगठित अपराध में उसकी कथित संलिप्तता को गंभीर मानते हुए यह आदेश पारित किया है।

बता दें कि मामले में शासन की ओर से लोक अभियोजक रजनीकांत सिंह ठाकुर ने प्रभावी पैरवी की। इससे पूर्व भी आरोपी की जमानत याचिका निरस्त कराने में उनकी अहम भूमिका रही है। अदालत के इस फैसले के बाद पुलिस को आरोपी की गिरफ्तारी के लिए वैधानिक कार्रवाई में पूरी स्वतंत्रता मिल गई है।

2 नवंबर की रेड से खुला नेटवर्क

प्रकरण की शुरुआत 2 नवम्बर 2025 को हुई, जब थाना चिल्फी पुलिस ने ग्राम रैतरा खुर्द स्थित हनुमान मंदिर के पास छापेमारी की। इस दौरान संजय साहू को आम लोगों को रुपये-पैसे का लालच देकर मोबाइल और कागज के माध्यम से सट्टा पट्टी लिखाते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। तलाशी में उसके कब्जे से 75,700 रुपये नकद, सट्टा पट्टी से जुड़े दस्तावेज, एक डॉट पेन और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, व्हाट्सएप के जरिए सट्टा संचालित किया जा रहा था। आरोपी के खिलाफ धारा 6 छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया गया है। पूछताछ में संजय साहू ने खुलासा किया कि वह सट्टा से प्राप्त रकम का 7 प्रतिशत कमीशन योगेंद्र शर्मा को देता था। लगातार अपराध की पुनरावृत्ति और वित्तीय लेन-देन के साक्ष्य मिलने के बाद मामले को संगठित अपराध की श्रेणी में शामिल किया गया।

सामने आए अहम तथ्य

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार योगेंद्र शर्मा आदतन अपराधी है। उसके खिलाफ जुआ अधिनियम समेत अन्य धाराओं में कई प्रकरण दर्ज हैं।

वित्तीय लेन-देन के प्रमाणः आरोपी और उसके सहयोगियों के बैंक खातों में लाखों रुपये के संदिग्ध ट्रांजैक्शन पाए गए हैं।

सराफा व्यापारी से लूट : छत्तीसगढ़ पुलिस ने यूपी से पकड़े पांच आरोपी

बिलासपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

बिलासपुर में सराफा व्यवसाय से हुई लूट के मामले में छत्तीसगढ़ पुलिस ने उत्तर प्रदेश से पांच आरोपियों को पकड़ने में कामयाबी हासिल की है. घटना के मास्टरमाइंड और गिरोह के सरगना विजय लांबा पर 70 से अधिक मामले दर्ज हैं. इस पूरी अभियान में उत्तर प्रदेश की पुलिस ने छत्तीसगढ़ पुलिस की मदद की. आईजी रामगोपाल गर्ग ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि सरकंडा क्षेत्र अंतर्गत राजकिशोर नगर में 17 फरवरी की रात महालक्ष्मी ज्वेलर्स के संचालक संतोष तिवारी के साथ हथियारबंद बदमाशों ने लूट की वारदात की थी. आरोपी करीब 2 किलो सोना, 200 ग्राम सोने के जेवर, 350 ग्राम कच्चा सोना, 100 ग्राम फाइन गोल्ड, ?3,50,000 नगद लेकर भाग निकले थे. पुलिस की जांच में आरोपियों के उत्तर प्रदेश में होने की पुष्टि होने पर छत्तीसगढ़ पुलिस की टीम उत्तर प्रदेश पहुंची, जहां शॉर्ट एनकाउंटर कर आरोपियों को पकड़ा गया. आरोपी के पैर में गोली लगी है. आरोपियों से लूटे गए जेवर, मशरुका और घटना में उपयोग किए गए फायर आर्म्स बरामद कर लिए गए हैं. मामले में मुख्य आरोपी विजय लांबा ओम बिहार उत्तम नगर द्वारका उत्तरी दिल्ली, मोनू उर्फ राहुल उर्फ रोहित सोरखा सेक्टर 113 कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश, विनोद उर्फ बीनू प्रजापति दादाबाड़ी कोटा राजस्थान, करीम खाम, चकमहमूद, सकलेन नगर बरेली उत्तर प्रदेश और ईरफान अली उम्र 32 वर्ष टिकरा पारा बिलासपुर को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस द्वारा आरोपियों के खिलाफ धारा 126(2), 109, 309(6), 311 बीएनएस एवं आर्म्स एक्ट की धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है।

डीएमएफ घोटाला — ACB-EOW की बड़ी कार्रवाई

आरोपी सतपाल सिंह छाबड़ा गिरफ्तार, पुलिस रिमांड पर भेजा

रायपुर, प्रातःकिरण संवाददाता।

छत्तीसगढ़ के चर्चित डीएमएफ (जिला खनिज न्यास) घोटाले मामले म एसीबी-ईओडब्ल्यू ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी सतपाल सिंह छाबड़ा को गिरफ्तार कर जांच एजेंसी ने कोर्ट में पेश किया। अदालत ने आरोपी को पूछताछ के लिए 6 दिन की (25 फरवरी तक) पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

डीएमएफ घोटाले की विवेचना में प्राप्त साक्ष्यों एवं दस्तावेजों के आधार पर पाया गया कि डीएमएफ फंड से संचालित कृषि अनुदान के कार्यों में नियमों का उल्लंघन करते हुए वित्तीय अनियमितताएं की गई, जिससे शासन को गंभीर आर्थिक क्षति हुई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी ने सिंडिकेट के साथ मिलकर, जिसमें शासकीय अधिकारी, कर्मचारी, व्यापारी थे आदि के साथ आपराधिक षड्यंत्र कर कृषि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं निर्धारित प्रक्रिया की अनदेखी की। गिरफ्तार आरोपी ने कई करोड़ की अवैध कमीशन को नगद एवं अपने नातेदारों के बैंक खातों में प्राप्त किया।

जांच के दौरान वित्तीय लेन-देन, डिजिटल साक्ष्य एवं संबंधित दस्तावेजों की गहन जांच की गई, जिसमें आरोपी की संलिप्तता के पर्याप्त प्रमाण प्राप्त हुए। इसी आधार पर विधि सम्मत कार्रवाई करते हुए आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर आज 19 फरवरी को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। ब्यूरो के इस प्रकरण में आरोपी सतपाल छाबड़ा को न्यायालय ने 25 फरवरी तक पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। इस प्रकरण में शामिल अन्य व्यक्तियों एवं संबंधित पहलुओं की भी गहन जांच की जा रही है।

एप्सटीन फाइल्स : यही है शक्तिशाली पुरुष भेड़ियों की हकीकत

निर्मल रानी

इनदिनों एप्सटीन फाइल्स का भूत अमेरिका से लेकर भारत तक सड़कों पर नाच रहा है। अमेरिकी कांग्रेस के कानून के अन्तर्गत और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर हस्ताक्षर के बाद ही अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा यह फाइल्स जारी की गई हैं। इस आदेश के तहत अमेरिकी न्याय विभाग को एपस्टीन से जुड़े सभी अनक्लासिफाइड रिकॉर्ड्स, दस्तावेज, कम्युनिकेशन्स और जांच सामग्री सार्वजनिक करने का निर्देश प्राप्त है। हालाँकि यह कानून 2025 में कांग्रेस के दोनों सदनों (हाउस और सीनेट) से लगभग सर्वसम्मति से पास हुआ था, और राष्ट्रपति ट्रंप ने 19 नवंबर 2025 को इस पर हस्ताक्षर किए थे। इसी कानून के तहत अमेरिकी न्याय विभाग ने समय-समय पर फाइल्स जारी की। परन्तु इन फाइल्स का बड़ा हिस्सा गत 30 जनवरी 2026 को जारी किया गया, जिसमें 3.5 मिलियन से ज्यादा पृष्ठ, 2,000 से अधिक वीडियो और लगभग 1,80,000 फोटो शामिल थे। एप्सटीन फाइल्स के इसी खुलासे के बाद पूरी दुनिया में हड़कंप मच गया। दुनिया के जाने माने लोगों के चेहरे से नकाब हटने लगी। इन फाइल्स के सार्वजनिक होने के बाद एप्सटीन के यौन अपराधों, ट्रैफिकिंग नेटवर्क और शक्तिशाली व्यक्तियों के साथ उनके संबंधों की गहराई उजागर हुई। गौरतलब है कि जेफरी एप्सटीन, एक अमीर फाइनेंसर और दोषी यौन अपराधी है। इसने अनेक नाबालिग लड़कियों और युवा महिलाओं का शोषण किया, और इन फाइल्स में राजनीतिक, व्यापारिक और सामाजिक हस्तियों के कई नाम सामने आए। इन खुलासों के बाद कई प्रमुख व्यक्तियों का भविष्य व जीवन प्रभावित हुआ। कई लोगों को इस्तीफे देने पड़े तो कई के विरुद्ध जांच बिठाई गयी। आपना नाम आने पर कई लोग शर्मिंदगी से जहाँ मुंह छुपाते घूम रहे हैं यहाँ तक कि इस नेटवर्क में नाम आने के बाद कई लोग भूमिगत हो चुके हैं और मीडिया से मुंह छुपाते फिर रहे हैं। वहीं भारत में केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी जैसे विशिष्ट भी हैं जो एप्सटीन फाइल्स के खुलासे के अनुसार तो जेफरी एपस्टीन से 14 बार मिले परन्तु वे स्वयं एपस्टीन से 8 सालों में केवल 3-4 बार की मुलाकात को ही स्वीकार करते हैं। इसके बावजूद वह इस सवाल से बच नहीं पा रहे कि 13 -14 बार या 3-4 बार नहीं बल्कि यदि एक सजायाफ़्ता बदनाम यौन अपराधी से हरदीप पुरी एक बार भी मिले तो उस मुलाकात की वजह क्या थी ? जो व्यक्ति खुद स्वीकार कर चुका है कि वह कम उम्र की बच्चियों से सैक्स करने का आदी था ऐसे भेड़िया मानसिकता वाले व्यक्ति से मुलाकात क्यों की गयी ? किसके कहने पर या किसके लिये की गयी ? बहरहाल उम्मीद की जा रही है कि अभी दुनिया के और भी अनेकानेक सफेदपोश भेड़ियों के नाम सामने आएंगे और इस्तीफों की भी झड़ी लग सकती है। दुनिया में आये दिन घटित होने वाली तमाम घटनाएं ऐसी हैं जो पितृ सत्ता या पुरुष प्रधान समाज का बार बार एहसास कराती हैं। परन्तु इस घटना में तो जेफरी एप्सटीन पर 2019 में न्यूयॉर्क में संघीय अदालत ने उसपर सेक्स ट्रैफिकिंग ऑफ माइनर्स के आरोप लगाए, जिसमें दर्जनों नाबालिग लड़कियों यहाँ तक कि 14 साल से भी कम उम्र की कुछ बच्चियों का यौन शोषण शामिल था। यह उसकी स्वीकारोक्ति थी कि उसने नाबालिग लड़कियों से यौन संबंध बनाये व अवैध काम किए। इसलिये इस विश्वव्यापी नेटवर्क से पर्दा उठने के बाद अब यह सवाल भी उठने लगा है कि दुनिया के धनाढ्य और शक्तिशाली लोगों की नजर में महिलाओं, खासकर छोटी बच्चियों का क्या स्थान है ? महिलाओं को बराबरी का दर्जा देने का ढोंग रचने वाला सफेद पोश पुरुष प्रधान समाज जो कभी महिलाओं को आधी आबादी कहकर खुश करता है तो कभी बच्चियों को कंजक व देवी के रूप में पूजता भी है उन्हीं बच्चियों को अपने पैसे व सत्ता के बल पर अपनी हवस का निशाना बनाने वाले लोग नाबालिग लड़कियों और युवा महिलाओं का शारीरिक शोषण भी करते हैं ? निश्चित रूप से एपस्टीन फाइल्स पितृसत्ता की एक गहरी तस्वीर पेश करती हैं, जहां धनाढ्य पुरुष विश्वव्यापी नेटवर्क बनाते हैं और एक दूसरे से जानकारी साझा करते हैं और महिलाओं को परिधि पर रखते हैं। वास्तव में आधी आबादी को प्रायः सहयोगी,या यौन सुख प्रदान करने वाली के रूप में ही देखा जाता है न कि समान भागीदार के रूप में। खासकर गरीब परिवारों की छोटी बच्चियों को तो कमजोर और आसानी से नियंत्रित करने योग्य माना जाता था। एप्सटीन के नेटवर्क में शामिल कुछ पुरुषों ने कथित तौर पर इन लड़कियों को उपहार के रूप में इस्तेमाल किया, जिससे व्यापारिक या राजनीतिक लाभ मिलते थे। यह दशार्ता है कि शक्तिशाली लोगों की नजर में, महिलाएं और लड़कियां अक्सर सत्ता और प्रभाव बनाए रखने का साधन बन जाती है न कि कोई सम्मानजनक मानव। महिलाओं को केवल प्रजनन उपकरण के रूप में देखना भी पितृसत्ता की ही एक गहरी साजिश है। इसलिये एप्सटीन फाइल्स से प्राप्त हो रहे ब्यौरों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि एप्सटीन जैसे मामलों में जहाँ कुछ शक्तिशाली व्यक्तियों द्वारा छोटी मासूम बच्चियों को मात्र अपनी यौन संतुष्टि के लिये या अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सौदेबाजी के साधन के रूप में अथवा किसी विशिष्ट व्यक्ति को ब्लैकमेल करने की गरज से इस्तेमाल किया गया।यह एक ऐसी व्यवस्थित समस्या है

असम : चुनावी खेल में संविधान तार-तार

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वासरमा मुस्लिम विरोधी अपने बयानों के लिए अक्सर सुर्खियों में आ जाते हैं। भाजपा ने उन्हें असम में मुख्यमंत्री क्यों बनाया है और क्यों वो मोदी-शाह की आंखों के तारे बने हुए हैं, यह समझना कठिन नहीं है। हिमंता बिस्वासरमा का बस चले तो असम को वे देश का पहला हिंदू राज्य घोषित कर दें, क्योंकि बार-बार लगातार उनके बयानों में यही संदेश सामने आता है कि मुसलमानों को राज्य से बाहर किया जाए। अभी कुछ दिनों पहले हिमंता बिस्वासरमा का एक वीडियो भी काफी वायरल हुआ था, जिसमें वो मुसलमान दिख रहे लोगों पर निशाना साध रहे थे। असम की भाजपा ईकाई ने यह वीडियो जारी किया था और इसमें ऊपरी तौर पर घुसपैठियों को बाहर करने का संदेश था, लेकिन असल निशाना अल्पसंख्यक समुदाय पर ही था। और जहां तक घुसपैठियों को बाहर करने या उन पर कार्रवाई करने का सवाल है, तो यह काम भी कानून के दायरे में होना चाहिए। अगर सत्ता पर बैठा शख्स हाथ में बंदूक लेकर इंसाफ करने निकल पड़े तो फिर देश में अदालतों की जरूरत ही क्या होगी। अफसोस इस बात का है कि सुप्रीम कोर्ट की राय इस बारे में अलग है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को हिमंत बिस्वासरमा के खिलाफ वायरल वीडियो पर कार्रवाई की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। देश के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की बेंच ने याचिकाकर्ताओं से गुवाहाटी हाई कोर्ट जाने को कहा। कोर्ट ने यह भी कहा कि चुनावों से पहले ऐसे कई मामले सामने आते हैं। यह एक चलन बनता जा रहा है। असम में आने वाले विधानसभा चुनावों का जिक्र करते हुए कोर्ट ने कहा कि समस्या यह है कि चुनाव का एक हिस्सा उससे पहले लड़ा जाता है। इस बात पर कोई दो राय नहीं है कि चुनावों में विरोधी पर वार करने के लिए कई बार कानूनी लड़ाइयों का सहारा लिया जाता है। बल्कि मोदी के शासनकाल में तो जांच एजेंसियों का भी खुला इस्तेमाल होने लगा है। लेकिन असम का यह मामला कल्पना से उपजा आरोप नहीं है, बल्कि हिमंता बिस्वासरमा ने जिस तरह मुसलमान को बंदूक की नोक पर रखा है, वह बेहद गंभीर मामला है, क्योंकि इसमें न केवल कानून और संवैधानिक पद की मर्यादा का मखौल उड़ाया गया है, बल्कि भारत की धर्मनिरपेक्षता के चिथड़े-चिथड़े करने की मानसिकता झलकती है। गौरतलब है कि 8 फरवरी को कांग्रेस ने दावा किया कि असम भाजपा के एक्स हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया गया जिसमें असम सीएम हिमंत बिस्वासरमा मुसलमानों को गोली मारते दिख रहे हैं। कांग्रेस ने कहा कि ये वीडियो अल्पसंख्यकों की टारगेटेड प्वॉइंट-ब्लैंक हत्या को बढ़ावा देने जैसा है। कांग्रेस का दावा है कि वीडियो डिलीट कर दिया गया है। लेकिन कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत के एक्स हैंडल पर दिख रहे वीडियो में नजर आ रहा है कि असम मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वासरमा कथित तौर पर एक राइफल से निशाना साधते और दो लोगों पर गोली चलाते हुए दिख रहे थे। निशाने में दिख रही तस्वीरों में एक ने टोपी पहनी थी और दूसरे की दाढ़ी थी। इसका कैप्शन प्वॉइंट-ब्लैंक शॉट था। श्रीनेत ने इस वीडियो को शेयर करते हुए पूछा था कि क्या अदालतें और अन्य संस्थाएं सो रही हैं? वहीं कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने कहा था कि यह नरसंहार का आह्वान करने के अलावा और कुछ नहीं है। एक ऐसा सपना जिसे यह फासीवादी शासन दशकों से पाले हुए है।

चीन की नई कूटनीति या पुरानी चाल? भारत के लिए भरोसा या भविष्य का धोखा

दक्षिण-पश्चिमी प्रांतों में पहाड़ों के भीतर बने बड़े-बड़े बंकर, भूमिगत सुरंगें और अत्याधुनिक सुविधाएं इस ओर इशारा करती हैं कि बीजिंग अपनी दीर्घकालिक रणनीति पर चुपचाप काम कर रहा है। ऐसे समय में जब वह भारत के साथ रिश्तों को सामान्य बनाने और सहयोग बढ़ाने की बात करता है, यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या चीन वास्तव में भरोसेमंद साझेदार बनना चाहता है या यह उसकी रणनीतिक नीति का हिस्सा है। इतिहास गवाह है कि भारत और चीन के संबंधों में विश्वास की कमी की जड़ें गहरी हैं। वर्ष 1962 में चीन द्वारा भारत पर किया गया हमला दोनों देशों के रिश्तों में एक स्थायी अविश्वास की दीवार खड़ी कर गया। उसके बाद से सीमा विवाद, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव और समय-समय पर होने वाली झड़पों ने यह स्पष्ट किया कि संबंधों में गर्मजोशी और जमीनी हकीकत के बीच बड़ा अंतर है। चीन ने कई बार शांति और सहयोग की बात की, लेकिन समानांतर रूप से अपनी सैन्य और सामरिक ताकत को भी बढ़ाया। चीन की विदेश नीति को समझने के लिए उसकी दीर्घकालिक रणनीतिक सोच को देखना जरूरी है। वह तात्कालिक भावनाओं के बजाय दशकों आगे की योजना बनाकर चलता है। उसकी प्राथमिकता अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा और विस्तार है। चाहे वह दक्षिण चीन सागर हो, ताइवान का मुद्दा हो या हिमालयी सीमा हर जगह उसकी नीति शक्ति संतुलन को अपने पक्ष में झुकाने की रही है। ऐसे में यदि वह भारत के साथ रिश्ते सुधारने की पहल करता है, तो यह केवल सद्भावना का परिणाम नहीं बल्कि एक सुविचारित रणनीति भी हो सकती है।

कांतिलाल मांडोत

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

हाल के वर्षों में उपग्रह तस्वीरों और अंतरराष्ट्रीय रिपोर्टों में यह संकेत मिले हैं कि चीन अपने सामरिक ढांचे को तेजी से मजबूत कर रहा है। दक्षिण-पश्चिमी प्रांतों में पहाड़ों के भीतर बने बड़े-बड़े बंकर, भूमिगत सुरंगें और अत्याधुनिक सुविधाएं इस ओर इशारा करती हैं कि बीजिंग अपनी दीर्घकालिक रणनीति पर चुपचाप काम कर रहा है। ऐसे समय में जब वह भारत के साथ रिश्तों को सामान्य बनाने और सहयोग बढ़ाने की बात करता है, यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या चीन वास्तव में भरोसेमंद साझेदार बनना चाहता है या यह उसकी रणनीतिक नीति का हिस्सा है। इतिहास गवाह है कि भारत और चीन के संबंधों में विश्वास की कमी की जड़ें गहरी हैं। वर्ष 1962 में चीन द्वारा भारत पर किया गया हमला दोनों देशों के रिश्तों में एक स्थायी अविश्वास की दीवार खड़ी कर गया। उसके बाद से सीमा विवाद, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव और समय-समय पर होने वाली झड़पों ने यह स्पष्ट किया कि संबंधों में गर्मजोशी और जमीनी हकीकत के बीच बड़ा अंतर है। चीन ने कई बार शांति और सहयोग की बात की, लेकिन समानांतर रूप से अपनी सैन्य और सामरिक ताकत को भी बढ़ाया। चीन की विदेश नीति को समझने के लिए उसकी दीर्घकालिक रणनीतिक सोच को देखना जरूरी है। वह तात्कालिक भावनाओं के बजाय दशकों आगे की योजना बनाकर चलता है। उसकी प्राथमिकता अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा और विस्तार है। चाहे वह दक्षिण चीन सागर हो, ताइवान का मुद्दा हो या हिमालयी सीमा हर जगह उसकी नीति शक्ति संतुलन को अपने पक्ष में झुकाने की रही है। ऐसे में यदि वह भारत के साथ रिश्ते सुधारने की पहल करता है, तो यह केवल सद्भावना का परिणाम नहीं बल्कि एक सुविचारित रणनीति भी हो सकती है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में चीन कई मोर्चों पर दबाव झेल रहा है। अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ व्यापारिक तनाव, तकनीकी प्रतिबंध और सामरिक प्रतिस्पर्धा ने उसे नए संतुलन की तलाश में डाल दिया है। भारत एक उभरती हुई आर्थिक और सामरिक शक्ति है। एशिया में स्थिरता और आर्थिक विकास के लिए भारत के साथ टकराव चीन के हित में नहीं है। इसलिए संभव है कि वह सीमित सहयोग और नियंत्रित प्रतिस्पर्धा की नीति अपनाए, ताकि वह एक साथ कई मोर्चों पर संघर्ष से बच सके। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि चीन की नीतियों में पारदर्शिता का अभाव रहा है। उसकी सैन्य तैयारियों और परमाणु ढांचे के विस्तार को लेकर अक्सर बाहरी दुनिया को सीमित जानकारी ही मिलती है। यदि उपग्रह तस्वीरों में दिखाई देने वाले निर्माण सचमुच सामरिक क्षमताओं के विस्तार का संकेत हैं, तो यह भारत सहित पूरे क्षेत्र के लिए चिंता का विषय है। एक ओर संवाद और व्यापार की बातें, दूसरी ओर पहाड़ों के भीतर बनते ठिकान यह दोहरी तस्वीर सहज भरोसा पैदा नहीं करती। भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि वह चीन के इरादों को कैसे परखे। केवल बयानों के आधार पर विश्वास करना रणनीतिक भूल हो सकती है। भारत को अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए संवाद के द्वार खुले रखने होंगे। कूटनीति में संतुलन और सैन्य तैयारी में सतर्कता दोनों समान रूप से जरूरी हैं। चीन के साथ संबंधों को पूरी तरह टकराव की दिशा में ले जाना भी समझदारी नहीं होगी, क्योंकि दोनों देश एशिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं और परस्पर निर्भरता भी बढ़ी है। चीन की नियति को समझने के लिए यह भी देखना होगा कि वह वैश्विक शक्ति बनने की महत्त्वाकांक्षा रखता है। उसकी बेल्ट एंड रोड पहल, तकनीकी निवेश और वैश्विक संस्थाओं में बढ़ती भूमिका इस दिशा का संकेत देती है। ऐसे में वह भारत को प्रतिस्पर्धी भी मानता है और संभावित साझेदार भी। यदि भारत उसकी क्षेत्रीय महत्त्वाकांक्षाओं के लिए चुनौती बनता है, तो प्रतिस्पर्धा तीखी हो सकती है। लेकिन यदि भारत संतुलित और आत्मविश्वासी नीति अपनाता है, तो सहयोग के अवसर भी बन सकते हैं। भरोसे का निर्माण केवल शब्दों से नहीं, बल्कि व्यवहार से होता है। सीमा पर शांति, समझौतों का पालन और पारदर्शिता ये वे कसौटियां हैं जिन पर चीन को परखा जाएगा। यदि वह सचमुच स्थिर और सकारात्मक संबंध चाहता है, तो उसे ठोस कदम उठाने होंगे। अन्यथा, इतिहास का अनुभव यही बताता है कि रणनीतिक मित्रता के पीछे छिपी चालों को समझने में देर नहीं लगती। भारत को भावनात्मक प्रतिक्रिया के बजाय यथार्थवादी दृष्टिकोण अपनाना होगा। चीन न तो पूरी तरह भरोसेमंद मित्र है और न ही अनिवार्य शत्रु। वह एक महाशक्ति बनने की राह पर अग्रसर राष्ट्र है, जिसकी प्राथमिकता उसके अपने हित हैं। भारत के साथ उसके संबंध भी इन्हीं हितों की कसौटी पर तय होंगे। आने वाले वर्षों में यह स्पष्ट होगा कि चीन सहयोग की राह चुनता है या प्रतिस्पर्धा और दबाव की नीति पर कायम रहता है। भारत के लिए जरूरी है कि वह सतर्कता, आत्मनिर्भरता और संतुलित कूटनीति के सहारे हर संभावित परिस्थिति के

विकास का संकल्प : ट्रिपल इंजन से बदलेगी दिल्ली की तस्वीर

सड़क, रेल परिवहन, मेट्रो विस्तार, जल आपूर्ति, स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रदूषण नियंत्रण और पुलिस व्यवस्था जैसे बुनियादी क्षेत्रों पर विशेष ध्यान यह संकेत देता है कि केंद्र सरकार दिल्ली को एक सुव्यवस्थित, आधुनिक और आदर्श महानगर के रूप में विकसित करना चाहती है। ऐसे समय में जब दिल्ली की भाजपा सरकार अपना एक वर्ष पूर्ण कर रही है, यह स्वाभाविक है कि बीते वर्ष के कामकाज का मूल्यांकन किया जाए और देखा जाए कि तथाकथित ह्नट्रिपल इंजन सरकारह्न का लाभ दिल्लीवासियों को कितना और कैसे मिला है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने कार्यकाल के एक वर्ष पूर्ण होने पर सरकार की उपलब्धियों और आगामी संकल्पों का उल्लेख करते हुए दावा किया कि उनकी सरकार ने न केवल नई योजनाओं की शुरूआत की, बल्कि पूर्ववर्ती सरकारों की लंबित और अधूरी परियोजनाओं को भी गति दी है। ह्नदिल्ली लखपति बिटिया योजनाह्न, मुफ्त एलपीजी सिलेंडर, अधूरी पड़ी आधारभूत परियोजनाओं को पूरा करने की पहल, तथा महिलाओं और छात्रों के लिए नई राहतकारी योजनाओं का खाका-ये सब उनके पहले वर्ष के प्रमुख बिंदु रहे।

ललित गर्ग

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

हर वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट में दिल्ली के लिए 70 हजार करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि का प्रावधान केवल एक आर्थिक घोषणा नहीं, बल्कि राजधानी के भविष्य की रूपरेखा है। सड़क, रेल परिवहन, मेट्रो विस्तार, जल आपूर्ति, स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रदूषण नियंत्रण और पुलिस व्यवस्था जैसे बुनियादी क्षेत्रों पर विशेष ध्यान यह संकेत देता है कि केंद्र सरकार दिल्ली को एक सुव्यवस्थित, आधुनिक और आदर्श महानगर के रूप में विकसित करना चाहती है। ऐसे समय में जब दिल्ली की भाजपा सरकार अपना एक वर्ष पूर्ण कर रही है, यह स्वाभाविक है कि बीते वर्ष के कामकाज का मूल्यांकन किया जाए और देखा जाए कि तथाकथित ह्नट्रिपल इंजन सरकारह्न का लाभ दिल्लीवासियों को कितना और कैसे मिला है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने कार्यकाल के एक वर्ष पूर्ण होने पर सरकार की उपलब्धियों और आगामी संकल्पों का उल्लेख करते हुए दावा किया कि उनकी सरकार ने न केवल नई योजनाओं की शुरूआत की, बल्कि पूर्ववर्ती सरकारों की लंबित और अधूरी परियोजनाओं को भी गति दी है। ह्नदिल्ली लखपति बिटिया योजनाह्न, मुफ्त एलपीजी सिलेंडर, अधूरी पड़ी आधारभूत परियोजनाओं को पूरा करने की पहल, तथा महिलाओं और छात्रों के लिए नई राहतकारी योजनाओं का खाका-ये सब उनके पहले वर्ष के प्रमुख बिंदु रहे। उनका यह भी कहना है कि ट्रिपल इंजन की व्यवस्था-अर्थात केंद्र, राज्य और नगर निकाय में एक ही राजनीतिक नेतृत्व के कारण विकास कार्यों में समन्वय और गति दोनों आई है। ट्रिपल इंजन सरकार की अवधारणा का सबसे बड़ा लाभ वित्तीय समन्वय के रूप में सामने आया है। दिल्ली सरकार को अब पूंजीगत व्यय के लिए ऋण अपेक्षाकृत कम ब्याज दर पर उपलब्ध हो रहा है। पहले जहां ब्याज दर 13-14 प्रतिशत तक पहुंच जाती थी, वहीं अब लगभग सात प्रतिशत पर ऋण मिलना संभव हुआ है। केंद्र सरकार द्वारा 21 हजार करोड़ रुपये तक की ऋण सीमा निर्धारित किए जाने से आधारभूत ढांचे के विकास में धनाभाव की आशंका कम हुई है। यही नहीं, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन तथा पीएम भीम योजना जैसी केंद्रीय योजनाओं की समयावधि बढ़वाने में भी दिल्ली सरकार को सफलता मिली है। आयुष्मान भारत जैसी जनकल्याणकारी योजना का लाभ अब राजधानी के अधिक से अधिक नागरिकों तक पहुंच रहा है, जिससे गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा की ठोस गारंटी मिल रही है। स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार के संकेत अवश्य दिखाई दिए हैं। मोहल्ला क्लीनिक मॉडल पर उठे प्रश्नों और अधूरी स्वास्थ्य परियोजनाओं के बीच नई सरकार ने अस्पतालों के आधुनिकीकरण, बेड क्षमता बढ़ाने और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। यदि यह प्रयास निरंतरता से जारी रहा तो दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी के अनुरूप विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकती हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी पारदर्शिता और गुणवत्ता सुधार का दावा किया गया है। पिछले वर्षों में शिक्षा मॉडल को लेकर जहां एक ओर प्रशंसा हुई, वहीं भवनों की गुणवत्ता, संसाधनों के उपयोग और परिणामों पर सवाल भी उठे। नई सरकार के लिए यह चुनौती है कि वह शिक्षा को राजनीतिक विमर्श से ऊपर उठाकर वास्तविक गुणवत्ता सुधार की दिशा में कार्य करे। परिवहन और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में भी गति लाने का प्रयास हुआ है। मेट्रो नेटवर्क के विस्तार, बस बेड़े के आधुनिकीकरण और सड़कों के सुधार की योजनाएं केंद्र और राज्य के समन्वय से आगे बढ़ रही हैं। दिल्ली मेट्रो पहले से ही राजधानी की जीवनरेखा रही है, अब किराए में राहत या छात्रों के लिए विशेष प्रावधान जैसे कदम यदि लागू होते हैं तो इससे आम जनता को सीधा लाभ मिलेगा। यातायात जाम की समस्या के समाधान के लिए फ्लाईओवर, अंडरपास और स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन प्रणाली पर ध्यान देना आवश्यक है। एक वर्ष में कुछ परियोजनाओं को गति मिली है, किंतु राजधानी जैसे विशाल महानगर में ठोस परिणामों के लिए निरंतर प्रयास अपेक्षित हैं। सबसे बड़ी चुनौती पर्यावरण और वायु प्रदूषण की है। बीते दशक में दिल्ली विश्व के सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में गिनी जाने लगी। यह केवल आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य का संकट है। मुख्यमंत्री ने वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए ठोस योजनाओं का उल्लेख किया है-जैसे हरित आवरण बढ़ाना, निर्माण कार्यों पर निगरानी, सार्वजनिक परिवहन को प्रोत्साहन और पड़ोसी राज्यों के साथ समन्वय। परंतु यह भी सत्य है कि प्रदूषण जैसी जटिल समस्या का समाधान केवल घोषणाओं से संभव नहीं, इसके लिए कठोर क्रियान्वयन, क्षेत्रीय सहयोग और जनसहभागिता की आवश्यकता होगी। यमुना की सफाई भी दिल्ली की अस्मिता से जुड़ा प्रश्न है। वर्षों से यमुना शुद्धिकरण के नाम पर योजनाएं बनती रहीं, बजट खर्च होता रहा, पर परिणाम संतोषजनक नहीं रहे। वर्तमान सरकार ने यमुना को स्वच्छ और पर्यटन योग्य बनाने का संकल्प दोहराया है। यदि सीवेज प्रबंधन, औद्योगिक अपशिष्ट नियंत्रण और नदी तट के पुनर्विकास की योजनाएं समयबद्ध तरीके से लागू होती हैं, तो यह दिल्ली की छवि को नया आयाम दे सकती हैं। यमुना का पुनर्जीवन केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आर्थिक पुनरुत्थान का भी अवसर है।

विवेकवान क्रांति की दहलीज पर मानवता

जब क्रांति औजार नहीं, चेतना बन जाए

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

मानव सभ्यता का इतिहास क्रांतियों का इतिहास है। पत्थर के औजारों से लेकर अग्नि की खोज, कृषि क्रांति से औद्योगिक क्रांति और फिर सूचना क्रांति तक, हर चरण में मनुष्य ने प्रकृति को समझा, साधा और अपने अस्तित्व को सुरक्षित किया। इन सभी क्रांतियों में एक बात समान रही रही है वह है कि मनुष्य निर्णायक था और तकनीक साधन। लेकिन पिछले दो दशकों में जिस क्रांति ने आकार लेना शुरू किया है, वह इस ऐतिहासिक प्रवृत्ति से भिन्न है। यह केवल औजार नहीं है, यह विवेकवान, निर्णयक्षम और आत्म-अध्ययनशील है। यह न केवल मानव की सहायता कर रही है, बल्कि मानव निर्णय प्रक्रिया में हस्तक्षेप भी कर रही है। यही वह बिंदु है जहाँ आशा और भय एक-दूसरे में विलीन हो जाता है। प्रारंभिक मानव ने जब पत्थर को धार दी, तब उसने प्रकृति पर पहला सचेत हस्तक्षेप किया। यह क्रांति शारीरिक क्षमता का विस्तार थी, न कि बौद्धिक प्रतिस्थापन। कृषि क्रांति ने मानव को खानाबदोश से नागरिक बनाया। समाज, संस्कृति, परंपरा, सबका जन्म यहीं से हुआ। लेकिन निर्णय फिर भी मानव मस्तिष्क के अधीन था। भाप, मशीन और कारखानों ने उत्पादन बढ़ाया, लेकिन मशीनें निर्देशों का पालन करती थीं, निर्णय नहीं लेती थीं। कंप्यूटर और इंटरनेट ने सूचना को लोकतांत्रिक बनाया, परंतु अब भी कंप्यूटर निर्जीव गणनाकार ही था। यह पहली बार है जब मानव ने ऐसी प्रणाली बनाई है जो स्वयं सीख सकती है। पैटर्न पहचान सकती है। भविष्य का अनुमान लगा सकती है और विकल्पों में से निर्णय सुझा सकती है, यहीं से यह क्रांति अप्रत्याशित बन जाती है। आज एल्गोरिद्म यह बता सकता है कि क्या खरीदेंगे। किस विचारधारा की ओर झुकेंगे। किससे प्रेम करेंगे और किससे भयभीत होंगे, यह केवल डेटा नहीं पढ़ता है बल्कि मानवीय व्यवहार पढ़ते हैं। जब कोई प्रणाली भावनात्मक प्रतिक्रियाओं को समझने लगे, तब वह केवल तकनीक नहीं रहती है बल्कि वह मनोवैज्ञानिक शक्ति बन जाती है। आज न्यायालयों में सजा की अवधि तय करने से लेकर युद्ध में लक्ष्य चयन तक, एल्गोरिद्म सुझाव दे रहे हैं। प्रश्न यह नहीं कि वे सही हैं या गलत। प्रश्न यह है कि अंतिम निर्णय कौन ले रहा है? यदि मनुष्य केवल ह्नस्वीकृति बटनह्न बन जाए, तो क्या वह अभी भी निर्णयकर्ता है? मानव इतिहास गवाह है कि शक्ति जब भी केंद्रीकृत हुई है, उसका दुरुपयोग हुआ है। यदि विवेकवान प्रणाली सत्ता का संरक्षण करने लगे। असहमति को जोखिम माने और नैतिकता को बाधा समझे, तो परिणाम केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सभ्यतागत होंगे। मानव की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संवेदना है। परंतु कोई भी कृत्रिम विवेक दर्द नहीं महसूस करताहै वह केवल उसका विश्लेषण करता है। फिर भी मनुष्य होना निराश होना नहीं सिखाता है। इतिहास यह भी बताता है कि हर नई शक्ति के साथ नई जिम्मेदारी आई है। हर संकट के साथ नया विवेक विकसित हुआ है। यह क्रांति भी विनाश नहीं, रूपांतरण का अवसर हो सकती है। यह क्रांति केवल तेज उत्पादन, अधिक सूचना तक सीमित नहीं है। यह शिक्षा को वैयक्तिक। चिकित्सा को सटीक और संसाधनों को न्यायपूर्ण बना सकती है। मानव संस्कृति स्थिर नहीं रही है। भाषा, कला, नैतिकता, सब समय के साथ बदले हैं। अब पहली बार परिवर्तन का प्रेरक मानव के बाहर से आ रहा है। यदि संतुलन साधा गया, तो यह प्रकृति संरक्षण, संसाधन संतुलन और वैश्विक सहयोग का माध्यम बन सकता है। सबसे बड़ा भय यह नहीं है कि तकनीक शक्तिशाली हो जाएगी। सबसे बड़ा भय यह है कि मनुष्य आलसी, आश्रित और वैचारिक रूप से निष्क्रिय हो जाएगा। जिस दिन मानव ने प्रश्न पूछना छोड़ दिया। असहमति से डरने लगा और निर्णय टालने लगा, उस दिन विकल्प बनने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। समाधान तकनीक को रोकना नहीं है। समाधान है नैतिक सीमाएँ, मानवीय निगरानी और उत्तरदायित्व आधारित विकास, इसलिए तकनीक को सहचर बनाया जाए, स्वामी नहीं। यह क्रांति द्वार पर नहीं, भीतर प्रवेश कर रही है। यह सोचने, चुनने और मूल्यांकन करने के तरीके को बदल रही है। यदि विवेक को जीवित रखें। करुणा को प्राथमिकता दें और उत्तरदायित्व से पीछे न हटें, तो यह क्रांति मानवता की सबसे महान उपलब्धि बन सकती है। अन्यथा इतिहास में पहली बार मनुष्य स्वयं अपने द्वारा निर्मित व्यवस्था में अप्रासंगिक हो सकता है।

सफर के दौरान गायब हुए मुसाफिर की नदी में मिली लाश

प्रातः किरण, सतना।

मुंबई से प्रयागराज जाते वक्त गायब हुए मुसाफिर की लाश संदिग्ध परिस्थिति में नदी से मिली है। उसके सिर में चोट के निशान मिले हैं। मृतक की शिनाख्त धीरज पाण्डेय निवासी प्रतापपुर कला प्रयागराज के तौर पर होने पर शव को पोस्ट मार्टम कराने के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। शव का पोस्टमार्टम जिला अस्पताल के डाक्टर शरद दुबे ने किया है।

कटनी के बाद नहीं हुआ संपर्क

16 फरवरी को पवन पांडेय ने जीआरपी को सूचना दी कि उनके बड़े भाई धीरज पांडेय ट्रेन संख्या 22183 साकेत एक्सप्रेस से मुंबई से प्रयागराज जा रहे थे,जो रास्ते में कहीं लापता हो गए हैं। उनकी भाई से अंतिम बार मोबाइल पर जब बात हुई थी तब उन्होंने अपनी लोकेशन कटनी स्टेशन के पास बताई थी, इसके बाद से उनका मोबाइल बंद हो गया।

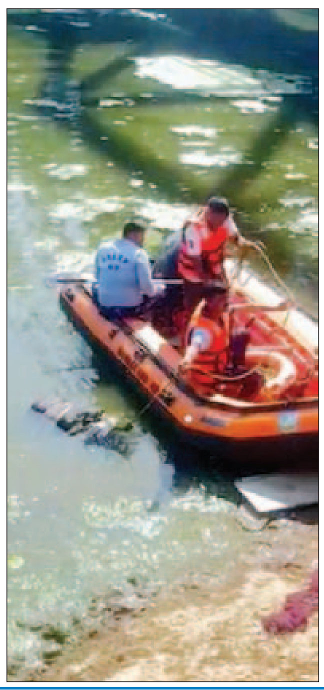

जीआरपी ने शुरु की थी तलाश

पवन पाण्डेय की सूचना पर जीआरपी ने गुम इंसान क्रमांक 02/2026 दर्ज कर जांच प्रारंभ की और पुलिस अधीक्षक रेल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को घटना की सूचना दी। जांच के दौरान आरपीएफ पोस्ट सतना के सहायक उप निरीक्षक अनिल राय व अन्य स्टाफ से संपर्क करने पर ज्ञात हुआ कि ट्रेन संख्या 22183 के यात्रियों ने सूचना दी थी कि एक व्यक्ति कटनी से सतना के बीच कहीं खंभे से टकराकर ट्रेन से नीचे गिर गया है। इस सूचना के आधार पर कटनी से सतना के मध्य पड़ने वाले समस्त स्टेशन मास्टरों को व्यक्तिगत रूप से फोन कर जानकारी ली गई। साथ ही जीआरपी कटनी, जिला पुलिस कंट्रोल रूम सतना व कटनी को सूचित कर प्रत्येक संभावित स्थान से जानकारी एकत्रित की गई। काफी प्रयास के बाद भी जब कोई स्पष्ट सुराग नहीं मिला, तो पुलिस बल व उपलब्ध कर्मचारियों को रेलवे ट्रैक के किनारे पैदल सर्चिंग हेतु रवाना किया गया। टीम द्वारा रेलवे ट्रैक के दोनों ओर स्थित गहरी झाड़ियों, गड्ढों और दुर्गम स्थानों के अंदर घुसकर सघन तलाश की गई। जांच के दौरान जब अन्य कोई सुराग प्राप्त नहीं हो रहा था, तब तकनीकी साक्ष्यों और यात्रियों द्वारा बताए गए संभावित स्थान का सूक्ष्म विश्लेषण किया गया। इसमें यह संभावना दृष्टिगत हुई कि उक्त व्यक्ति सतना नदी रेलवे पुल के पास गिरा हो सकता है। इसी प्रबल संभावना के आधार पर, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी को पत्र लिखकर तत्काल कुशल गोताखोरों की टीम बुलाई गई। 17 फरवरी को गोताखोरों व एसडीईआरएफ टीम द्वारा सतना नदी में मोटर बोट के माध्यम से सघन तलाशी अभियान चलाया गया, जिसके परिणामस्वरूप सफलता प्राप्त हुई और गुमशुदा धीरज पांडेय का शव नदी से बरामद कर लिया गया।

सिटी कोतवाली को केस ट्रांसफर

घटनास्थल थाना सिटी कोतवाली के क्षेत्राधिकार में आता था लेकिन आपातकालीन स्थिति और मानवीय दृष्टिकोण को प्राथमिकता देते हुए जीआरपी द्वारा तत्काल मौके पर ही मर्ग क्रमांक 12/26 धारा 174 जा.फौ. की देहाती नालिसी लेख की गई। साक्षियों की उपस्थिति में शव पंचायतनामा की कार्यवाही की गई, जिसमें पाया गया कि शव चित्त अवस्था में था, शरीर पानी के कारण फूल चुका था और सिर के पीछे गंभीर चोट के निशान थे। मृतक के पास से मिले एक सोने की चैन व एक सोने की अंगूठी को मौके पर ही साक्षियों के समक्ष उनके भाई पवन पांडेय को सुपुर्द कर पावती प्राप्त की गई। इसके पश्चात, मृतक के शव को पोस्टमार्टम हेतु जिला चिकित्सालय सतना भेजा गया, जहाँ डॉ. शरद दुबे द्वारा पोस्टमार्टम किया गया। कार्यवाही उपरांत मृतक के शव को अंतिम संस्कार हेतु परिजनों के सुपुर्द किया गया और संवेदनशीलता पूर्वक प्राइवेट एंबुलेंस की व्यवस्था कर शव को उनके गृह ग्राम हेतु रवाना किया गया। जीआरपी सतना प्रभारी राजेश राज ने बताया कि मामले की संपूर्ण जांच व साक्ष्यों के आधार पर घटनास्थल थाना सिटी कोतवाली का होने के कारण अग्रिम वैधानिक कार्यवाही हेतु विस्तृत केस डायरी तैयार कर असल मर्ग डायरी हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

अटरा हत्याकांड का एक और फरार आरोपी गिरफ्तार

सतना। जिले के नागौद थाना क्षेत्र अंतर्गत अटरा में हुए हत्याकांड का एक और फरार आरोपी गिरफ्तार हो गया है। उल्लेखनीय है कि 26 दिसंबर 2025 को ग्राम अटरा के महुहा हार खेत में मारपीट की घटना हुई थी जिसमें पंकज सिंह द्वारा अपने परिवार के लोगों के साथ मिलकर किए गए हमले में द्वारिका सिंह की मौत हो गई थी। प्रहलाद सिंह ,बीरेन्द्र सिह, अंशू सिंह , राहुल सिंह घायल हुए थे। द्वारिका सिंह की मृत्यु होने से मर्ग / अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था । विवेचना के दौरान 8 आरोपियों को 29 दिसंबर को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। घटना के तीन आरोपी फरार हो गए थे जिनकी गिरफ्तारी पर 10 हजार रूपये इनाम की उद्घोषणा की गई थी । प्रकरण में तीन फरार आरोपीगणों में दो आरोपियों को 12 एवं 13 फरवरी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। शेष एक फरार आरोपी अंकित सिंह उर्फ प्रमोद सिंह पिता महिपाल सिंह उम्र 21 वर्ष निवासी ग्राम अटरा थाना नागौद जिला सतना को 19 फरवरी को गिरफ्तार कर न्यायालय में किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया ।कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक पाण्डेय, उनिरी. राजेन्द्र प्रसाद वर्मा , प्रआर. आर.के. कुशवाहा एवं प्रआर. राजेन्द्र पाण्डेय शामिल रहे।

कांग्रेस की बैठक आज

सतना। आज जयस्तंभ चौक स्थित जिला कांग्रेस शहर कार्यालय में एक आवश्यक बैठक आयोजित की गयी है।जिसमें मोदी सरकार द्वारा की गई ट्रेड डील के विरोध में एवं प्रदेश के तीन मंत्रियों के इस्तीफे की मांग एवं प्रदेश में व्याप्त आर्थिक बदहाली और अराजकता के विरोध में 24 फरवरी को मध्य प्रदेश विधानसभा सभा के घेराव को लेकर चर्चा की जाएगी। जिसमें जिले की सभी समन्वय समिति सदस्य एवं समस्त ब्लॉक अध्यक्ष और सभी वरिष्ठ नेता उपस्थित रहेंगे। उक्त आशय की जानकारी जिला कांग्रेस शहर अध्यक्ष आरिफ इक़बाल सिद्दीकी ने दी है।

खाद की समस्या दूर करने एसडीएम को ज्ञापन

सतना। खाद की समस्या को लेकर यूथ कांग्रेस अध्यक्ष वरुण गूजर एवं कांग्रेसियों ने एसडीएम नागौद को ज्ञापन सौंपा। मांग की गई है कि जल्द से जल्द खाद वितरण कराया जाए एवं ई टोकन प्रणाली का समय निर्धारित किया जाए। चेतावनी दी गई है कि किसानों को 24 घंटे के अंदर खाद नहीं मिलती तो धरना-प्रदर्शन होगा।

हटाने के लिए मुख्यमंत्री को लिखा गया पत्र

नगर निगम नेताओं के आंख की किरकिरी बने आयुक्त शेर सिंह मीना

प्रातः किरण, सतना।

शहर की बदहाली के लिए दोष का ठीकरा नगर निगम आयुक्त के सिर फोड़ते हुए शेर सिंह मीना को सतना नगर निगम से हटाए जाने की मांग स्पीकर सहित पार्षदों ने प्रदेश के मुख्य मंत्री डा. मोहन यादव से की है। इस संबंध में मेयर योगेश कुमार ताम्रकार और स्पीकर राजेश चतुर्वेदी पालन ने पार्षदों के साथ कलेक्टर डा. सतीश कुमार एस को पत्र भी दिया है।

नगर निगम आयुक्त शेर सिंह को हटाए जाने संबंधित जो पत्र सीएम को लिखा गया है उसकी प्रतिलिपि जिले के प्रभारी मंत्री, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री सहित प्रशासनिक अधिकारियों को भी प्रेषित की गई है। पत्र में कहा गया है कि विकास कार्यों की फाइलें 6 महीने से कमिश्नर कार्यालय में लंबित हैं, विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। जनता त्रस्त और शहर अस्त व्यस्त है। आयुक्त शेर सिंह पार्षदों का फोन भी नहीं उठाते। इनकी उदासीनता से जनप्रतिनिधि और जनमानस दोनों प्रभावित हो रहे हैं। नगर निगम आयुक्त के खिलाफ निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का इस प्रकार खुलकर सामने आना सतना नगर निगम के इतिहास में शायद पहले कभी नहीं हुआ। स्पीकर राजेश चतुर्वेदी सहित पार्षदों में अभिषेक तिवारी अंशु,प्रवीण जैन पीके,सुमन बाल्मीक, अर्चना अनिल गुप्ता,मनीष टेकवानी,डोली बाल्मीक, अच्छेलाल कोल,शहनाज बेगम,कपसा देवी,रानी बालकृष्ण शुक्ला,मीना माधव,मंजू गणेश यादव, राजेश सूर्यवंशी,गोपी गेलानी,कुसुम कली शुक्ला,सुषमा सिंह लोधी,मनीषा सिंह, सुनीता कुशवाहा,सूर्यपाल सिंह दाऊ,वंदना सिंह तोमर, रमेश शुक्ला,ऊषा गंगा कुशवाहा,माया देवी, कुसुम मल्लाह, गोल्डी, ममता सोनी, महेंद्र पाण्डेय के हस्ताक्षर उस पत्र पर हैं जो मुख्यमंत्री के लिए लिखा गया है। साफ जाहिर है कि यहां ननि के नेताओं की अब आयुक्त शेर सिंह से बिल्कुल नहीं बन रही।

आयुक्त शेर सिंह अचानक से निगम के नेताओं के आंख की किरकिरी कैसे बन गए, यह अलग खोज का विषय है क्योंकि इस बारे में चर्चाएं तमाम हैं। कहने वाले तो यहां तक कहते हैं कि आयुक्त शेर सिंह का नियम कायदे के तहत काम करना कतिपय नेताओं को रास नहीं आ रहा है इसलिए उन्हें हटाने की मांग हो रही है। सही वजह चाहे जो हो, नेताओं और अधिकारी के बीच शहर पिस रहा है। शहर की हालत बद से बदतर होती जा रही है। अधूरे काम शहर को प्रभावित कर रहे हैं। सड़कों पर कहीं धूल का गुबार, तो कहीं कीचड़ है। सीवर लाइन के काम से शहर त्रस्त है। सड़क पर कहीं गाड़ी फंस रही है,कहीं सड़क ही धंस रही है। गड्ढे दुर्घटना का कारण बन रहे हैं। यातायात प्रभावित हो रहा है। सड़कों को मोटरेबल बनाने आधा अधूरा डामरीकरण कार्य किया गया है। तमाम कामों के नाम पैसा पानी की तरह खर्च किया जा रहा है लेकिन शहर त्रस्त ही है।

श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन

शकुंतलम पार्क में सात दिवसीय कथा का शुभारंभ

प्रातः किरण, सतना।

धर्म, भक्ति और ज्ञान की त्रिवेणी के संगम स्वरूप श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन बैंक कॉलोनी शकुंतलम पार्क भरहुत नगर में श्रद्धा और उल्लास के साथ प्रारंभ हुआ। यह पावन अवसर समस्त नगरवासियों के लिए अत्यंत सौभाग्य का विषय बना, जहाँ सात दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा की अमृतधारा प्रवाहित हो रही है। यह आयोजन कमलेश चंद्र वर्मा,श्रीमती गीता देवी, श्रीमती मधुरिमा सिंह, डॉ. अमित वर्मा एवं डॉ. स्वप्ना वर्मा के सानिध्य से संपन्न हो रहा है। कथा वाचन का पुण्य दायित्व डॉ. मनमोहन दास जी महाराज शरणागत आश्रम चित्रकूट द्वारा निभाया जा रहा है।

महाराज जी ने प्रथम दिवस परीक्षित जन्म एवं गौकर्ण कथा का अत्यंत सरस, भावपूर्ण एवं विस्तृत वर्णन करते हुए श्रोताओं को धर्म, भक्ति और वैराग्य के गूढ़ रहस्यों से परिचित कराया। उनके ओजस्वी वचनों ने श्रोताओं के हृदय में भक्ति का दीप प्रज्वलित कर दिया।उन्होंने श्रीमद्भागवत के माध्यम से जीवन में सत्य, करुणा, सेवा और सदाचार के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि भागवत कथा मानव जीवन को दिशा देने वाली अमूल्य धरोहर है।

मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम सम्पन्न

प्रातः किरण, सतना।

रामेश्वर सेवा समिति के तत्वावधान में 15 से 21 फरवरी तक आयोजित सात दिवसीय भव्य मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ।

गुरुवार को विधि-विधान, वैदिक मंत्रोच्चार एवं यज्ञ-अनुष्ठानों के मध्य मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का मुख्य कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। पूरे आयोजन के दौरान वातावरण पूर्णतः भक्तिमय बना रहा तथा श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति देखने को मिली। 21 फरवरी को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। समस्त मातृशक्तियों एवं श्रद्धालुजनों से आग्रह किया गया है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्म ध्वजा को ऊँचा करें एवं प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त करें। आयोजन में मुख्य यजमान छोटेलाल गुप्ता एवं सारंगी देवी गुप्ता की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में राजेंद्र गुप्ता, मधु गुप्ता, महेंद्र गुप्ता, चंचल गुप्ता, विजय गुप्ता, रीना गुप्ता, राजकुमारी गुप्ता, ज्योति गुप्ता, सत्यनारायण गुप्ता, रामावतार गुप्ता, मनोज गुप्ता, रेखा गुप्ता, रवि गुप्ता, महेश कुमार गुप्ता, सुरेश कुमार गुप्ता, सहित अन्य सामाजिक बंधु एवं भक्तगण उपस्थित रहे।

खुले में लग रहे कांउटर कट रही सट्टा पर्ची

सिंधी कैंप के सुलभ कांप्लेक्स में सटोरियों का कब्जा

प्रातः किरण, सतना।

शहर में सट्टे का अवैध धंधा एक बार फिर खुलेआम होने लगा है। कांउटर लगा कर सट्टा पर्ची काटी जा रही है। कोलगंवा थाना क्षेत्र अंतर्गत सिंधी कैंप में सब्जी मंडी के पास स्थित सुलभ काम्प्लेक्स में तो सटोरियों का कब्जा हो गया है। यहां सुबह से रात तक सट्टा खेलने और खिलाने वालों की भीड़ रहती है। सट्टे का यह कांउटर अग्गा और राजेश का बताया जाता है। लोग बताते हैं कि सिंधी कैंप के इस ठिकाने के अलावा सेमरिया चौक चौपाटी के अंदर भी इनका सट्टा कांउटर चल रहा है। खास बात यह है कि इन पर पहले भी कार्रवाई हो चुकी है, लेकिन इनकी सेहत पर फर्क ही नहीं पड़ता है। सूत्रों की मानें तो अग्गा के खिलाफ तो पूर्व में जिला बदर की कार्रवाई भी प्रस्तावित की जा चुकी है। अभी कुछ समय पहले ही कोलगंवा थाना पुलिस ने अग्गा सहित अन्य के खिलाफ सट्टा खिलाने पर कार्रवाई की गई थी। लेकिन ऐसा लगता है कि इन सटोरियों ने पुलिस को चुनौती देने की ठान रखी है या इन्होंने बेशरमी की ऐसी चादर ओढ ली है कि इन्हें अब कार्रवाई को लेकर कोई परवाह नहीं है।

अलग अलग जगह हो रहा सट्टा

सूत्रों के मुताबिक अग्गा और राजेश अकेले नहीं हैं, इनके जैसे कई सटोरियों की दुकान चल रही है। कोलगंवा थाना क्षेत्र में बढईया टोला दुर्गा माता जी मंदिर के सामने से बांधवगढ कालोनी के मार्ग में पुरस्वानी मोहल्ला मोड़ के पहले सीमेंट कंपनी के आफिस के बगल में राहुल, झल्लू और आशिक मिलकर सट्टा खिला रहे हैं। इनका भी एक दुकान के अंदर कांउटर चल रहा है। बताते हैं पहले इस जगह कालू सट्टा खिलाता था।बहरहाल, पुलिस की साख पर बट्टा लगाने वाला सट्टा यहां क्या कभी बंद होगा, यह एक सवाल इसलिए है क्यों कि तत्कालीन पुलिस अधीक्षक रियाज इकबाल ने दो नंबर के इस धंधे को जड़ से उखाड़ दिया था। उनके कार्यकाल में सट्टा पर्ची काटने वाले से लेकर छोटे बड़े हर किस्म के सटोरियों पर शिकंजा कसा गया था, इनमें से कुछ तो सेंट्रल जेल भी पहुंचे थे और कुछ ने धंधा ही बदल लिया था। लेकिन सूत्र बताते हैं कि शहर बाजार के जिन कुख्यात सटोरियों के दिल में पुलिस का खौफ बैठ गया था, वो भी सक्रिय हो गए हैं। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को सिटी कोतवाली पुलिस ने शहर में एक ठिकाने पर दबिश दी। कोतवाल जहां पहुंचे वह ठिकाना जुआ और सट्टा के लिए कुख्यात व्यक्ति पंजू का बताया जा रहा है।

खनिज का अवैध परिवहन करते पकड़े गए 4 बड़े वाहन

प्रातः किरण, सतना।

खनिज विभाग के अधिकारियों द्वारा ग्राम नादन में खनिज परिवहन कर रहे वाहनों की जांच की गई। जांच के दौरान गिट्टी परिवहन कर रहे वाहन एमपी 17 एचएच 3990, एमपी 17 एचएच 3991, एमपी 17 एच एच 3993 तथा रेत परिवहन कर रहे वाहन एमपी 19 जेडआर 5808 की जांच किए जाने पर वाहन के चालकों द्वारा विधि सम्मत कागजात प्रस्तुत नहीं किए गए। अवैध खनिज परिवहन करते पाए जाने पर सभी वाहनों को जप्त कर थाना देहात में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया।

इनका कहना है

सभी वाहनों में खनिज नियमों के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर अग्रिम कार्यवाही के लिए कलेक्टर मैहर के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

सतीश मिश्रा
खनिज अधिकारी मैहर

घोटाला

कालाबाजारी से मुनाफाखोरों की चांदी

नए रेट पर बिक रहा पुरानी एमआरपी का गुटखा

प्रातः किरण, सतना।

गुटका और पान मसाला में एमआरपी से ज्यादा दाम की वसूली उपभोक्ताओं के लिए एक बड़ी समस्या और विक्रेताओं के लिए अवैध कमाई का जरिया बनी हुई है, विशेषकर जब सरकार ने 1 फरवरी 2026 से इन पर टैक्स बढ़ा दिया है। हालिया खबरों के अनुसार, 1 फरवरी 2026 से पान मसाला और तंबाकू उत्पादों पर 40 प्रतिशत जीएसटी लागू हो गया है, जिससे कीमतें काफी बढ़ गई हैं। इसका फायदा उठाकर दुकानदार पुरानी कीमत का स्टाक बढ़ी कीमत में बेचकर जबरदस्त मुनाफा कमा रहे हैं। इनके द्वारा प्रिंट रेट से अधिक पर भी प्रोडक्ट की बिक्री की जा रही है, क्यों कि प्रशासन स्तर से अब तक कोई विशेष जांच अभियान नहीं चलाया गया है। जीएसटी और बिक्री मूल्य नियंत्रण संबंधित प्रभावी कार्रवाई न होने से गुटका पान मसाला के थोक और फुटकर व्यापारी हर दिन हजारों से लाखों तक वारा न्यारा कर रहे हैं।

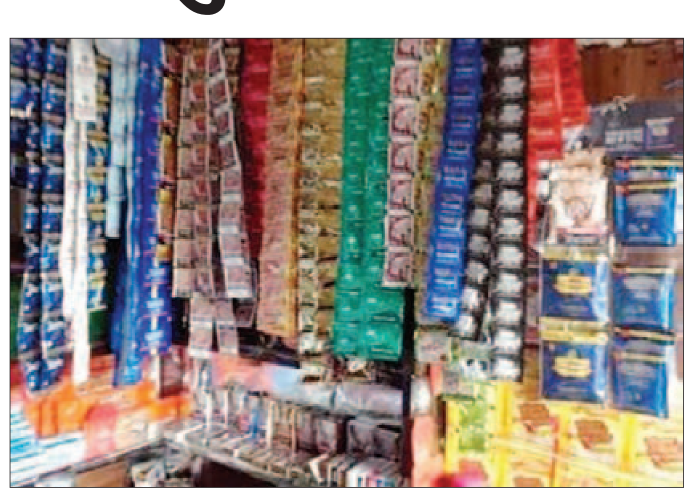

जांच की जरूरत

टैक्स सिस्टम में बदलाव के बाद गुटखा, सिगरेट और पान मसाले की कीमतें 2 से 3 गुना तक महंगी हो गई हैं। दुकानदार बढ़ी हुई टैक्स दर का हवाला देकर पुरानी स्टॉक या नई स्टॉक पर मनमाना दाम वसूल रहे हैं, जिससे ओवर रेटिंग की शिकायतें बढ़ रही हैं।सरकार ने अब 10 ग्राम या उससे कम के छोटे पान मसाला पैकेटों पर भी रिटेल सेल प्राइस लिखना अनिवार्य कर दिया है। जांच का विषय है कि शहर में तंबाकू उत्पादों का थोक भंडारण कहां कहां है, और एक फरवरी से इन्होंने कब कितना माल किस कीमत पर बेचा है, जो बेचा है उसके बिल कटे हैं या नहीं।

संक्षिप्त समाचार

250 रुपये में मिल सकेगा संध्या और शयन आरती में प्रवेश का मौका

उज्जैन एजेंसी। ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में श्रद्धालु अब भस्म आरती की तरह संध्या व शयन आरती दर्शन की बुकिंग भी कर सकेंगे। दर्शनार्थियों को इसके लिए प्रति

व्यक्ति 250 का शुल्क चुकाना होगा। दोनों आरती के लिए बुकिंग का अलग-अलग समय रहेगा। मंदिर प्रशासन ने बुधवार देर रात नई व्यवस्था शुरू करने की जानकारी दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार देशभर के श्रद्धालु संध्या तथा शयन आरती दर्शन के लिए मंदिर की वेबसाइट पर बुकिंग कर सकते हैं। संध्या आरती की बुकिंग का समय दोपहर 12 बजे से रहेगा। वहीं शयन आरती की बुकिंग शाम 4 बजे से कराई जा सकेगी। दोनों ही आरतियों में अनुमति धारी दर्शनार्थियों को मंदिर के गेट नंबर 1 से प्रवेश दिया जाएगा। संध्या आरती दर्शन के लिए दर्शनार्थियों को शाम 6 बजे मंदिर पहुंचना होगा। वहीं शयन आरती दर्शन के लिए दर्शनार्थियों को रात 10 बजे मंदिर पहुंचना अनिवार्य है। इन दोनों आरतियों में भी सामान्य दर्शनार्थियों को कार्तिकेय मंडपम से चलायमान दर्शन होंगे। दोनों आरती की अग्रिम बुकिंग पहले आओ पहले पाओ के आधार पर की जाएगी।

खौफनाक मंजर: धमतरी के सरकारी स्कूल में 35 बच्चों ने ब्लेड से काटी कलाई

धमतरी, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में धमतरी जिले के एक मिडिल स्कूल के 35 विद्यार्थियों द्वारा अपनी कलाई काटने का मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक दहदहा स्थित

मिडिल स्कूल के विद्यार्थियों ने लगभग 20 दिन पूर्व अपनी कलाई काट ली थी। पता चलने पर स्कूल प्रबंधन, पंचायत प्रतिनिधि और अभिभावकों ने बैठक कर स्थिति पर विचार किया। जिला प्रशासन को जब घटना की जानकारी मिली, तो तहसीलदार, शिक्षा विभाग और मेडिकल टीम ने स्कूल पहुंचकर विद्यार्थियों से पूछताछ की। मेडिकल टीम में शामिल डॉक्टरों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में नशे को कारण बताया जा रहा है। वहीं, स्कूल प्रबंधन और पंचायत प्रतिनिधियों का मानना है कि विद्यार्थियों ने एक-दूसरे को देखकर ऐसा किया। बीईओ चंद्रकुमार साहू ने बताया कि सभी विद्यार्थियों की काउंसिलिंग की गई है। स्कूल में लड़के और लड़कियां दोनों अध्ययनरत हैं।

संतान प्राप्ति के नाम पर तांत्रिक ने किया महिला से दुष्कर्म

उदयपुर, एजेंसी। राजस्थान के भीलवाड़ा में एक तांत्रिक ने संतान प्राप्ति के इलाज के बहाने एक महिला के साथ दुष्कर्म किया और मतांतरण का दबाव बनाया। आरोपित ने तंत्र-मंत्र और जादू-टोने का भय दिखाकर महिला को जाल में फंसाया और लगभग छह महीने तक उसका शारीरिक शोषण करता रहा। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता पिछले एक वर्ष से संतान न होने के कारण परेशान थी। आरोपित ने तंत्र-मंत्र से बच्चा होने का दावा किया और ताबीज देने के बहाने पीड़िता के घर में अपनी जगह बना ली। करीब छह महीने पहले आरोपित ने महिला को अकेला पाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और अपनी कथित तांत्रिक शक्तियों से डराकर लगातार शारीरिक संबंध बनाता रहा।

वंदे मातरम पर बोले शशि थरूर- गाने के लिए मजबूर मत कीजिए, देशभक्ति दिल से होती है

जारी की गाइडलाइंस की आलेचना करते हुए कहा कि देशभक्ति दिल से निभाई जाती है

तिरूवंतपुरम एजेंसी। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने 'वंदे मातरम' को लेकर चल रही बहस पर अपने विचार रखते हुए कहा है कि किसी भी नागरिक को इसे गाने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। थरूर ने सरकार द्वारा जारी की गई हालिया गाइडलाइंस की आलेचना करते हुए कहा कि देशभक्ति दिल से निभाई जाती है और कानून बनाकर देशभक्ति को जबरन जुबान पर नहीं लाया जा सकता। बता दें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बीते दिनों एक औपचारिक दिशानिर्देश जारी कर आदेश दिए हैं कि अब से राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम सभी आधिकारिक कार्यक्रमों में अनिवार्य रूप से पूरा गाना होगा।

कांग्रेस सांसद ने इंडियन एक्सप्रेस के लिए लिखे गए अपने एक लेख में 'वंदे मातरम' के इतिहास का जिक्र करते हुए बताया कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय का यह गीत आजादी के आंदोलन में जोश भरने वाला नारा था। सत्याग्रहियों को लाठीचार्ज झेलने का साहस इसी गीत से मिला और फांसी पर चढ़ने वाले क्रांतिकारियों के दिलों में भी यही गूंजता था। लेकिन आज एक धर्मनिरपेक्ष गणराज्य के तौर पर हमें राज्य के प्रतीकों और व्यक्तिगत अंतरात्मा के बीच संतुलन बनाना होगा। शशि थरूर ने याद दिलाया कि आजादी के समय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 'वंदे मातरम' गाती थी, लेकिन देश की धार्मिक विविधता को देखते हुए 'जन गण मन' को राष्ट्रगान चुना गया। संविधान सभा ने 'वंदे मातरम' को राष्ट्रीय गीत का समान दर्जा दिया, ताकि स्वतंत्रता संग्राम में उसकी भूमिका का सम्मान हो सके और किसी समुदाय को अलग-थलग भी ना किया जाए। यह एक सोच-समझकर किया गया समझौता था।

शशि थरूर ने रवींद्रनाथ टैगोर की भूमिका का भी जिक्र किया। टैगोर ने 1896 में इस गीत को संगीतबद्ध किया था, लेकिन 1937 में उन्होंने सुझाव दिया कि सार्वजनिक मंचों पर सिर्फ पहले दो अंतरे गाए जाएं। उनका तर्क था कि शुरुआती पंक्तियां मातृभूमि की प्राकृतिक सुंदरता का प्रतीकात्मक वर्णन करती हैं, जिसे सभी स्वीकार कर सकते हैं। लेकिन बाद के अंतरों में दुर्गा और लक्ष्मी जैसी देवी-देवताओं का उल्लेख है, जिसे कुछ धर्मों के लोग धार्मिक कारणों से नहीं गा सकते।

थरूर ने कहा कि कई मुस्लिम नागरिकों की आपत्ति इसी बिंदु पर है। इस्लाम में तौहीद यानी एक ईश्वर की अवधारणा है, जिसमें किसी और के आगे झुकना या पूजा जैसा भाव दिखाना स्वीकार नहीं है। ऐसे में यदि सरकार बाद के अंतरे अनिवार्य कर दे, तो कुछ नागरिकों के सामने आस्था और राज्य के बीच चुनाव की स्थिति बन जाती है। एक धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र को ऐसी स्थिति से बचना चाहिए। शशि थरूर ने सरकार के हालिया आदेश पर सवाल भी उठाए। उन्होंने कहा कि जो लोग पूरा गीत अनिवार्य करने की मांग करते हैं, वे इसे राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बताते हैं। लेकिन किसी भी प्रतीक की ताकत उसकी स्वैच्छिक श्रद्धा में होती है, ना कि जबरदस्ती पालन में। जब राज्य वफादारी की मौखिक अभिव्यक्ति थोपता है, तो वह भावना खोखली हो सकती है।

अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया

अतिक्रमण के खिलाफ जीएनआईडीए का अभियान जारी, मुक्त कराई 60 करोड़ रुपए की जमीन

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। ग्रेटर नोएडा में अतिक्रमण के खिलाफ ग्रेनो औद्योगिक विकास प्राधिकरण का अभियान लगातार जारी है। इसी दौरान प्राधिकरण ने बुधवार को ग्राम भनौता में बुलडोजर कार्रवाई करते हुए लगभग 30 हजार वर्ग मीटर जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराया और वहां बने अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। जिस जमीन को मुक्त कराया गया है, उसकी अनुमानित कीमत लगभग 60 करोड़ रुपए बताई जा रही है। भूलेख और परियोजना विभाग की वर्क सर्किल-2 की टीम ने इस पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया। इस बारे में जानकारी देने के लिए लहद्बुष्ठ ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की और बताया कि कॉलोनाइजर भनौता के खसरा नंबर 238 और 239 की जमीन पर घर व बाउंड्री बनाकर प्लॉटिंग की कोशिश कर रहे थे। इस जमीन में प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहित और कब्जा प्राप्त वह 8 हजार वर्ग मीटर की वह जमीन भी शामिल है, जिसका मुआवजा दिया जा चुका था, लेकिन इसके बावजूद उसे कॉलोनाइजर कब्जाने की कोशिश कर रहे थे। प्राधिकरण ने बताया कि ये कॉलोनाइजर इस जमीन को भी अनधिकृत खसरा नंबर की जमीन बताकर बेच रहे थे। प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देश पर प्राधिकरण के वर्क सर्किल दो के वरिष्ठ प्रबंधक नरोत्तम सिंह और प्रबंधक रोहित गुप्ता व अन्य की टीम ने यह कार्रवाई की, इस दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति को रोकने के लिए प्राधिकरण के सुरक्षाकर्मी भी वहां मौजूद थे। दोबारा निर्माण करने पर कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी है। उधर ग्रेनो प्राधिकरण के एसीइओ सुमित यादव ने चेतावनी देते हुए कहा है कि अधिसूचित एरिया में बगैर अनुमति के या फिर नक्शा पास कराए बिना अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही एसीइओ ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि वो ग्रेटर नोएडा में कहीं भी जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण के भूलेख विभाग से संपर्क कर पूरी जानकारी जरूर प्राप्त कर लें।

शिवनेरी किले में शिवाजी जयंती पर बेकाबू भीड़, श्रद्धालु का पैर फिसलने से भगदड़ जैसे हालात

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र के पुणे में छत्रपति शिवाजी जयंती के मौके पर छत्रपति शिवाजी महाराज के जन्मस्थान शिवनेरी किले में भारी भीड़ जमा होने पर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। इस हादसे में 3 लोग घायल हो गए हैं।

भक्त, शिव ज्योति (औपचारिक आग) लेकर युवाओं के ग्रुप और पूरे महाराष्ट्र से अलग-अलग संगठनों के सदस्य देर रात किले में जमा हो गए थे। इस वजह से, मुख्य समारोह से काफी पहले ही किला परिसर खचाखच भर गया था। बढ़ती भीड़ को संभालने के लिए पुलिस की कमी के कारण, कुछ समय के लिए स्थिति तनावपूर्ण हो गई।

इसके बाद अंबरखाना इलाके के नीचे संकरी जगहों, खासकर हाथी दरवाज़ा और गणेश दरवाजे के एंट्रेंस के आसपास भारी भीड़ की खबर मिली। बड़ी संख्या में लोगों के एक साथ आगे बढ़ने की कोशिश करने से रास्ते बहुत भीड़भाड़ वाले हो गए, जिससे अफरा-तफरी मच गई और भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

इस भगदड़ में महिलाओं और छोटे बच्चों समेत कई लोग घायल हो गए। घायलों को तुरंत जुन्नार के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। पुणे ग्रामीण स्कसंदीप सिंह गिल ने कहा, अगर आप यहां जुन्नार में शिवनेरी किले के ऊपर शिवाजी के जन्मस्थान को देखें, तो कल सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग दर्शन के लिए आ रहे हैं और रात भर दर्शन होते रहे...एक भक्त फिसल गया और इस वजह से और लोग सीढ़ियों पर गिर गए और उनमें से तीन घायल हो गए। कोई भगदड़ नहीं हुई।

बंगाल में मतदाता सूची में वोटर का नाम शेख राजेश अली और पिता भुवनचंद्र बेरा, सुपर चेकिंग के दौरान मिली यह गड़बड़ी

कोलकाता एजेंसी। बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआइआर) के दौरान एक अजीबोगरीब मामला सामने आया है, जिसने चुनावी प्रक्रिया की शुचिता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पूर्व मेदिनीपुर के पांशकुड़ा पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में सुपर-चेकिंग के दौरान पर्यवेक्षकों ने पाया कि एक मतदाता, शेख राजेश अली के पिता का नाम भुवनचंद्र बेरा दर्ज किया गया है।

मालूम हो कि राज्य में एसआइआर की सुनवाई के दौरान आयोग ने करीब 1.5 करोड़ नोटिस जारी किए थे, जिनमें 32 लाख अनमैप्ड मतदाता और 1.2 करोड़ लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी (तार्किक विसंगतियों) वाले मतदाता शामिल थे।

अब जबकि 28 फरवरी को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होनी है, इस तरह की त्रुटियों ने प्रशासन की नींद उड़ा दी है। हैरानी की बात यह है कि रिकार्ड के अनुसार,

भुवनचंद्र बेरा असल में विजयकृष्ण बेरा नामक एक अन्य मतदाता के पिता हैं।

पर्यवेक्षकों ने नाराजगी जताते हुए सवाल उठाया है कि बिना किसी दस्तावेजी साक्ष्य के सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) ने इस तरह की जानकारी पोर्टल पर कैसे अपलोड कर दी? आयोग के अधिकारियों का मानना है कि यह केवल मानवीय भूल नहीं बल्कि प्रक्रियात्मक चूक हो सकती है। इस विसंगति को देखते हुए पर्यवेक्षकों ने दिल्ली स्थित भारत निर्वाचन आयोग को अपनी विस्तृत रिपोर्ट भेज दी है। लाखों दस्तावेज अभी भी पेंडिंग : सूत्रों के मुताबिक, 28 फरवरी को प्रस्तावित अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन तकनीकी कारणों से आगे बढ़ सकता है। मुख्य समस्या यह है कि सुनवाई प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद लाखों आवेदकों के दस्तावेज अब भी ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड नहीं किए जा सके हैं। आंकड़ों के अनुसार, दो दिन पहले तक राज्य भर में कुल 1,14,772 दस्तावेज सिस्टम में दर्ज होने बाकी हैं। आयोग ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि जिन 35,000 लोगों के दस्तावेज स्वीकार्य नहीं थे, उन्हें अयोग्य घोषित कर सूची से बाहर कर दिया गया है।

ईरान पर सैन्य कार्रवाई से पहले कूटनीति ही विकल्प, समझौता करना समझदारी होगी

अमेरिका की तेहरान को चेतावनी

वॉशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने बुधवार को कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास ईरान के साथ परमाणु समझौते को लेकर सैन्य कार्रवाई करने से पहले कूटनीति ही पहला विकल्प है। लेविट ने मीडिया से बातचीत में ईरान को चेताया और कहा कि ईरान के लिए ट्रंप के साथ समझौता करना समझदारी होगी।

ईरान पर सैन्य कार्रवाई करेगा अमेरिका?: जब उनसे ईरान पर संभावित सैन्य कार्रवाई के बारे में पूछा गया, तो लिविट ने कहा, ईरान पर हमला करने के लिए कुछ तर्क दिए सकते हैं। राष्ट्रपति ने ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के तहत एक सफल अभियान चलाया था, जिसमें ईरान की परमाणु सुविधाओं को पूरी तरह नष्ट किया गया। राष्ट्रपति हमेशा स्पष्ट रहे हैं कि ईरान या किसी अन्य देश के साथ कूटनीति पहला विकल्प है और ईरान के लिए राष्ट्रपति ट्रंप के साथ समझौता करना समझदारी होगी। लिविट ने कहा, राष्ट्रपति ने कई लोगों, खासतौर से अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम से बातचीत कर रहे हैं। यह निर्णय अमेरिका और उसके लोगों के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखते हुए लिया जाएगा। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अमेरिकी सेना इस्राइल के साथ बातचीत में हैं, लेकिन किसी भी सैन्य कार्रवाई की पुष्टि नहीं की गई है। प्रेस सचिव ने कहा कि जिनेवा में ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत में प्रगति हुई है, लेकिन दोनों देशों के बीच कुछ मुद्दों पर अभी भी काफी दूरियां हैं। उन्होंने कहा, थोड़ी प्रगति हुई है, लेकिन कुछ मुद्दों पर हम अभी भी दूर हैं। हम उम्मीद करते हैं कि ईरान अगले दो हफ्तों में विस्तृत प्रस्ताव लेकर आएगा। राष्ट्रपति इस प्रक्रिया को लगातार देखेंगे। मंगलवार को अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुश्नर ने जिनेवा में ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत की। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि ईरान अगले दो हफ्तों में अपनी विस्तृत योजना के साथ आएगा, ताकि मुद्दों को सुलझाया जा सके। इस बीच, ट्रंप ने जिनेवा में होने वाली महत्वपूर्ण कूटनीतिक बातचीत से पहले ईरान को चेतावनी दी कि अगर समझौता नहीं हुआ तो गंभीर परिणाम होंगे।

● शांति और ऊर्जा पर जोर

भारत ने बंद नहीं किया रूसी तेल खरीदना, अमेरिका के दावे पर रूस ने दिया जवाब

मॉस्को , एजेंसी। रूस की विदेश मंत्रालय ने बुधवार को स्पष्ट किया कि भारत के रूसी तेल खरीदने के रुख में कोई बदलाव नहीं हुआ है। मंत्रालय ने कहा कि भारत द्वारा रूसी हाइड्रोकार्बन की खरीद दोनों देशों के लिए लाभकारी है और वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता बनाए रखती है।

विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने अपने साप्ताहिक ब्रिफिंग में कहा हमें कोई कारण नहीं है यह मानने का कि भारत ने रूसी हाइड्रोकार्बन की खरीद पर अपनी नीति बदली है। यह कदम दोनों देशों के लिए फायदेमंद है और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार को स्थिर बनाए रखता है।

अमेरिकी अधिकारियों के दावों को किया खारिज: जखारोवा ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और विदेश मंत्री मार्को रुबियो द्वारा उठाए गए दावों को भी खारिज किया। उन्होंने कहा अमेरिका स्वतंत्र देशों को अपने अनुसार निर्णय लेने से रोकने का प्रयास कर रहा है। इसमें टैरिफ, प्रतिबंध और अन्य दबाव शामिल हैं। पिछले हफ्ते रुबियो ने दावा किया था कि भारत ने रूसी तेल की खरीद बंद करने का वचन दिया है। जबकि भारत ने अभी तक इस दावे की पुष्टि या खंडन नहीं किया है। इसके पहले भी रूस ने अमेरिका पर आरोप लगाया था कि वह भारत और अन्य देशों को रूसी तेल खरीदने से रोकने के लिए दबाव बना रहा है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हुई फोन वार्ता के बाद दोनों देशों ने भारत पर अमेरिकी टैरिफ को 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने की घोषणा की। इसमें अगस्त 2025 में भारत के रूसी तेल खरीदने पर लगाया गया 25 प्रतिशत शुल्क भी हटाया गया। जखारोवा ने यूरोपीय देशों की आलोचना भी की, जिन पर उन्होंने कहा कि वे शांति समाधान नहीं चाहते। रूस और भारत के बीच ऊर्जा सहयोग लंबे समय से मजबूत रहा है और दोनों देश इसे वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए अहम मानते हैं।

चीन का कार बाजार फिर सिकुड़ने जा रहा है? दुनिया भर के कार निर्माताओं पर पड़ेगा असर

बीजिंग, एजेंसी। साल 2018 में, जब वैश्विक व्यापार व्यवस्था पर पहली बार डोनाल्ड ट्रंप के सख्त रुख का असर दिखने लगा था, तब दुनिया का सबसे बड़ा कार बाजार, चीन अचानक सुस्त पड़ गया था। दशकों तक लगातार बढ़त के बाद चीन में कार बिक्री गिरने लगी, क्योंकि अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी हो गई। उस समय विदेशी कार कंपनियां, जिनकी बाजार हिस्सेदारी करीब 60 प्रतिशत थी, सबसे ज्यादा प्रभावित हुईं।

अब एक बार फिर आशंका जताई जा रही है कि चीन का कार बाजार पीछे जा सकता है। फर्क बस इतना है कि इस बार चोट ज्यादा स्थानीय कार निर्माताओं को लग सकती है, जो इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के दम पर आज बाजार पर हावी हैं। हालांकि, विदेशी कंपनियां भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं रहेंगी, क्योंकि चीनी ब्रांड आक्रामक तरीके से विदेशों में विस्तार कर रहे हैं।

चीन में मौजूदा गिरावट का पैमाना अभी पूरी तरह साफ नहीं है, लेकिन चेतावनी के संकेत साफ दिख रहे हैं। 2021 में दोबारा ग्रोथ की राह पर लौटने के बाद, पिछले साल चीन में कारों की सालाना बिक्री 2.38 करोड़ यूनिट्स तक पहुंची, जो 2024 के मुकाबले करीब 4 प्रतिशत ज्यादा थी। यह आंकड़े चाइना पैसेंजर कार एसोसिएशन के हैं।

लेकिन साल की आखिरी तिमाही में हर महीने बिक्री पिछले साल से कम रही। उम्मीद है कि इस साल बिक्री स्थिर रहेगी, मगर सभी इतने आशावादी नहीं हैं। ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन का अनुमान है कि बिक्री में 5 से 9 प्रतिशत तक गिरावट हो सकती है।

पिछले महीने चीन ऑटोमोबाइल निर्माता संघ ने अपना साप्ताहिक बिक्री डेटा जारी करने में देरी की, जिसे जानकार कमजोर आंकड़ों को लेकर बढ़ती बेचैनी का संकेत मान रहे हैं।

इसके अलावा, रिसर्च फर्म गावेकल का

मानना है कि कई साल की तेज बढ़त के बाद इस साल ईवी की बिक्री में भी गिरावट देखी जा सकती है।

इस गिरावट के पीछे कई वजहें हैं। गावेकल के मुताबिक, 2024 के आखिर में पुराने वाहनों को स्क्रैप करने पर दी गई सब्सिडी के चलते ईवी की खरीद में तेज उछाल आया था। खासकर कंपनियों और सरकारी संस्थानों की तरफ से। लेकिन इस साल सब्सिडी कम होने से मांग पर दबाव पड़ेगा।

इसके अलावा, ईवी पर 5-10 प्रतिशत का नया खरीद टैक्स लगाया गया है। वहीं, डीलरों पर यह पाबंदी भी सख्त की गई है कि वे सिर्फ बिक्री आंकड़े बढ़ाने के लिए खुद गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन कर उन्हें +जीरो-माइल+ सेकेंड-हैंड कार बताकर निर्यात न करें। इन सभी वजहों से बिक्री के आंकड़े प्रभावित हो रहे हैं। जैसे-जैसे चीन का घरेलू बाजार सिकुड़ता है, वहां लंबे समय से चल रही प्राइस वॉर (कीमत की जंग) और तेज होने की आशंका है। अतिरिक्त उत्पादन क्षमता के चलते कंपनियां पहले से ही भारी छूट दे रही हैं। इसी को देखते हुए सरकार ने हाल ही में डिस्काउंट पर लगाम लगाने की कोशिश की है। 12 फरवरी को चीन की एंटीट्रस्ट अथॉरिटी ने नियम जारी कर कहा कि कंपनियां अब गाड़ियां निर्माण लागत से कम कीमत पर नहीं बेच सकेंगी। हालांकि, यह साफ नहीं है कि इन नियमों को कितनी सख्ती से लागू किया जाएगा। विदेशी कार कंपनियों को उम्मीद है कि यह पहल सफल होगी, क्योंकि वे चीनी ब्रांड्स से कीमत के मोर्चे पर मुकाबला नहीं कर पा रही हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, चीन में मांग कमजोर होने का मतलब है कि वहां से वाहनों का निर्यात और बढ़ेगा। साइनो ऑटो इनसाइट्स के तू ली का कहना है कि चीनी कंपनियां पहले ही विदेशों में ज्यादा मुनाफे वाले बाजार तलाश रही हैं।

बर्नस्टीन का अनुमान है कि 2026 में चीन से वाहन निर्यात 10-15 प्रतिशत और बढ़कर 65-70 लाख यूनिट्स तक पहुंच सकता है। जबकि 2018 में यह आंकड़ा सिर्फ 7.5 लाख यूनिट्स था। इससे बाकी देशों की कार कंपनियों पर दबाव और बढ़ेगा। खासकर उन पर जिन्होंने चीनी ईवी निर्माताओं से मुकाबले के लिए भारी निवेश किए हैं। यह अभी साफ नहीं है कि चीन का कार बाजार कितने समय तक सुस्त रहेगा।

लेकिन इतना तय है कि दुनिया की ऑटो इंडस्ट्री के लिए चीन की चाल बेहद अहम है। वहां होने वाला हर उतार-चढ़ाव वैश्विक कार उद्योग की दिशा तय करता है। और यह गिरावट भी उसी सच्चाई की एक और याद दिलाती है।

इंदौर के एडीशनल डीसीपी क्राइम राजेश दंडोतिया को वस्त्र बुक ने किया सम्मानित

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता।

ग्वालियर के एडीशनल एसपी रहे व अब इंदौर के एडीशनल डीसीपी क्राइम राजेश दंडोतिया का नाम इन दिनों पूरे देश में सायबर विशेषज्ञोंमें सबसे टाप पर है। पहले लोग इन्हें गुंडों, बदमाशों व डकैतों के लिए सिंघम अवतार के रूप में जानते थे, लेकिन अब बदलते युग में सायबर ठगों के बढते सायबर अपराधों के बीच उन्हें सायबर जगत का भी सिंघम माना जाने लगा है। उनके तेज तर्रार शैली व नालेज से सायबर अपराधों में जहां कमी आई है, वहीं सायबर अपराधी भी धडल्ले से पकडे जा रहे है। उन्होंने 1100 से अधिक सायबर जागरूकता सेशन कर रिकार्ड भी बनाया है। वर्ल्ड बुक रिकार्डस लंदन ने उन्हें इस उपलब्धि के लिए सम्मानित किया है।

इंदौर एडीशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने डयूटी पर रहते हुये 1100 साइबर अवेयरनेस सेशन पूरे कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। जानकारी के अनुसार इतनी बडी संख्या में साइबर जागरूकता सेशन पूरे करने वाले वे देश के एकमात्र पुलिस अधिकारी बन गए है। स्कूल कालेज सरकारी-निजी संस्थान, पब्लिक कार्यक्रम, पाडकास्ट इंटरव्यू और वन टू वन सेशन के जरिए उन्होंने हजारो लोगों को साइबर अपराध से बचने के तरीके बताए। राजेश दंडोतिया की अब साइबर अपराधों में इतनी अधिक विशेषज्ञता हासिल है कि अब दूर दराज से लोग व अन्य जिलों की पुलिस भी उन्हें साइबर

क्राइम पर व्याख्यान के लिये आमंत्रित करने लगी है। देशभर में साइबर क्राइम से संबंधित व्याख्यान के लिए उन्हें बुलाया भी जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने अभी हाल ही में 1100 साइबर अवेयरनेस सेशन भी पूरे कर एक रिकार्ड बनाया है।

मुख्यमंत्री, डीजीपीभी कर चुके है सराहना

राजेश दंडोतिया द्वारा साइबर क्षेत्र में साइबर क्राइम रोकने के लिये की जा रही पहल, नवाचार पर मुख्यमंत्री डा मोहन यादव, डीजीपी मध्यप्रदेश कैलाश मकवाना व इंदौर पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह भी उनकी सराहना कर चुके है। एडीशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया को विभिन्न अवार्डभी मिले है। इनमें प्रमुख रूप से अशोक अवार्ड दिल्ली सेन्ट्रल, डीजीडीआईएससी अवार्ड, कर्मवीर अवार्ड, ईटीवी के सितारे, एफ्सीआरएफ्के साथ ही मेरीलैंड यूनीवर्सिटी अमेरिका से मानसेवी डाक्टरेट की उपाधि भी मिली है। एडीशनल डीसीपी क्राइम राजेश दंडोतिया ने साइबर सेफ्टी पुलिसिंगऔर पब्लिक अवेयरनेस, कंट्रीब्यूटिंग सिग्नी फिकेंटली टू डिजीटल लिटरेसी एंडरिस्पोंसिबल आन लाइन विहेवियर इन इंडिया जैसे प्रमुख मुददों पर चार से अधिकपुस्तकें लिखी है।

संक्षिप्त समाचार

कायस्थ छात्रावास में चित्रगुप्त चालीसा पाठ 22 को

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता। कायस्थ छात्रावास दौलतगंज स्थित चित्रगुप्त धाम में भगवान श्री चित्रगुप्त के परिवार एवं समस्त देवी देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा को दो वर्ष पूर्ण हो रहे हैं। इस अवसर पर विधि मंत्रोच्चारण के साथ कई धार्मिक आयोजन किए जाएंगे। संस्था के अध्यक्ष अभय चौधरी, सचिव अरुण कुलश्रेष्ठ ने बताया कि नव प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ के अवसर पर रविवार 22 फरवरी को विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें रविवार 22 फरवरी को दोपहर 2 बजे से सुंदर कांड पाठ, हनुमान चालीसा, चित्रगुप्त चालीसा पाठ कर हवन व महाआरती एवं स्तुति के साथ ही भंडारा प्रसादी होंगे। इसी के साथ एक नई पहल करते हुए वरिष्ठ जन के मार्गदर्शन से वर्षगांठ, वैवाहिक वर्षगांठ मनाने के विचार को भी प्रतिमाह वाले धार्मिक आयोजन में शामिल कर लिया है। इसी श्रंखला में इस माह (फरबरी) के अंतर्गत 1 फरवरी से लेकर 28 फरवरी तक के बीच पडने वाले जन के वर्षगांठ एवं वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर उन्हीं से पूजा पथ कराकर हवन पूजन का सौभाग्य प्राप्त होगा। यह सारी पूजा पाठ पूर्णतः निःशुल्क है। जिनकी भी वर्षगांठ वैवाहिक वर्षगांठ इस अवसर पर पड़ती हो तो वह चित्रगुप्त मंदिर दौलतगंज आकर वर्षा श्रीवास्तव से मिलकर अपना नाम लिखवा सकते है।

दुकानों के सौंदर्यीकरण व चौपाटी विकास का सुझाव

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता। गुरुकुल ड्रीम फाउंडेशन द्वारा नगर निगमायुक्त संघप्रिय जी को रूप सिंह स्टेडियम के पीछे स्थित दुकानों के रखरखाव, सौंदर्यीकरण एवं उक्त क्षेत्र को चौपाटी के रूप में विकसित करने संबंधी सुझाव पत्र सौंपा गया। फाउंडेशन के यश कुशवाह ने बताया कि वर्तमान में उक्त क्षेत्र में साफसफाई एवं समुचित प्रबंधन के अभाव में अव्यवस्था बनी रहती है। जिससे आसपास का वातावरण प्रभावित हो रहा है। साथ ही, असामाजिक तत्वों द्वारा वहां बैठकर नशा आदि करने की घटनाएँ भी देखी जा रही हैं, जिससे क्षेत्र की छवि एवं सुरक्षा दोनों प्रभावित हो रही हैं। यदि इस स्थान को व्यवस्थित रूप से विकसित कर एक चौपाटी के रूप में तैयार किया जाए, तो यह शहरवासियों के लिए आकर्षक स्थल बन सकता है। साथ ही स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्राप्त होंगे और नगर निगम की आय में भी वृद्धि होगी। सुझाव पत्र में नियमित स्वच्छता, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, बैठने की सुविधा, हरियाली एवं सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का प्रस्ताव भी रखा गया है। नगर निगम कमिश्नर ने सुझावों पर सकारात्मक विचार का आश्वासन दिया। इस अवसर पर गुरुकुल ड्रीम फाउंडेशन के संस्थापक आकाश बरूआ, विकास राठौड़ उपस्थिति रहे।

प्रतिदिन 1.20 लाख का अतिरिक्त मुनाफा, जिम्मेदार विभाग मौन

तेल की पालिश से चमकदार 'कालीमिर्च' का काला खेल

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता।

यदि आप बाजार में मसाले खरीदते समय कालीमिर्च की चमक देखकर उसकी गुणवत्ता का अनुमान लगाते हैं, तो सावधान हो जाइए। शहर के दाल बाजार में कालीमिर्च की चमक अब उसकी असली पहचान नहीं रही, बल्कि अधिक मुनाफा कमाने का एक सुनियोजित तरीका बन चुकी है। बाजार सूत्रों के अनुसार, मैना वाली गली में स्थित एक बड़े कारोबारी द्वारा कम गुणवत्ता और सस्ती कालीमिर्च पर तेल की पालिश कर उसे कृत्रिम रूप से चमकदार बनाया जा रहा है और ऊँचे दामों पर बेचकर मोटा मुनाफा कमाया जा रहा है।

बाजार सूत्रों का कहना है कि सामान्य गुणवत्ता की कालीमिर्च, जो स्वाभाविक रूप से हल्की और कम चमकदार होती है, उसे तेल की पालिश के जरिए प्रीमियम क्वालिटी जैसा रूप दे दिया जाता है। तेल की पतली परत से कालीमिर्च न केवल चमकदार दिखाई देती है, बल्कि उपभोक्ता इसे बेहतर गुणवत्ता का समझकर अधिक कीमत चुकाने को मजबूर हो जाते हैं। इस प्रक्रिया से कारोबारी यदि प्रति किलो लगभग 20 रुपए तक अतिरिक्त मुनाफा कमाता हैं तो यह मुनाफा लाखो मे होता है!

पानी का छिड़काव कर बढ़ाया जा रहा वज़न

सूत्रों का यह भी दावा है कि मुनाफे की लालच में कालीमिर्च पर पानी का छिड़काव कर उसका वजन कृत्रिम रूप से बढ़ाया जा रहा है। पानी सोख लेने के बाद कालीमिर्च का वजन बढ़ जाता है, जिससे कम मात्रा में खरीदे गए माल को अधिक वजन में बेचकर अतिरिक्त लाभ अर्जित किया जाता है। यह सीधे तौर पर उपभोक्ताओं के साथ आर्थिक धोखाधड़ी है।

रोज़ाना सैकड़ों बोरियों का कारोबार

जानकारी के अनुसार, शहर में कालीमिर्च की प्रतिदिन खपत लगभग 200 बोरी है, जिसमें प्रत्येक बोरी का वजन 30 किलो होता है। इस हिसाब से केवल रिटेल बिक्री में ही प्रतिदिन लगभग 6 हजार किलो कालीमिर्च बाजार में खप रही है। यदि प्रति किलो 20 रुपए का अतिरिक्त मुनाफा जोड़ा जाए, तो केवल रिटेल स्तर पर ही प्रतिदिन लगभग 1 लाख 20 हजार रुपए का अतिरिक्त लाभ कमाया जा सकता है। इसके अलावा तेजी-मंदी के हिसाब से प्रतिदिन 1000 से 2000 बोरी तक का थोक कारोबार अलग से किया जा रहा है, जिससे अवैध कमाई का आंकड़ा और भी बड़ा हो जाता है।

ट्रांसपोर्ट नगर में भी बताया ज़ा रहा गोदाम

सूत्रों के अनुसार, उक्त कारोबारी का एक बड़ा गोदाम ट्रांसपोर्ट नगर स्थित 6 नंबर पार्किंग, आरा मिल के पास भी है, जहां बड़ी मात्रा में कालीमिर्च और जीरे का भंडारण किया जाता है। इसी गोदाम में माल की प्रोसेसिंग और पालिश का काम होने की आशंका जताई जा रही है।

स्वास्थ्य और विश्वास दोनों से खिलवाड़

विशेषज्ञों का मानना है कि मसालों पर इस तरह तेल की पालिश करना न केवल खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन है, बल्कि लंबे समय तक ऐसे मसालों के सेवन से स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसके अलावा, पानी का छिड़काव करने से मसालों में फफूंदी और बैक्टीरिया पनपने का खतरा भी बढ़ जाता है।

विभाग की निष्क्रियता से बढ़ रहे हौसले

सबसे गंभीर बात यह है कि इतने बड़े पैमाने पर कथित रूप से चल रहे इस खेल के बावजूद खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। विभाग की निष्क्रियता के कारण कारोबारी बेखौफहोकर इस अवैध कारोबार को अंजाम दे रहे हैं। यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो उपभोक्ताओं की सेहत और जेब दोनों पर इसका दुष्प्रभाव जारी रहेगा।

गरीब, किसान और युवा हितैषी बजट-राजौरिया

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता। भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया ने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री के विकसित भारत 2047 के संकल्प के अनुरूप है। वहीं उन्होंने इसे विकासोन्मुख, सर्वसमावेशी एवं जनकल्याणकारी बजट बताया है। उन्होंने कहा कि यह बजट प्रदेश को आत्मनिर्भर और विकसित राज्य बनाने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार का लक्ष्य समृद्ध, संपन्न और विकसित मध्य प्रदेश का निर्माण करना है और यह बजट उसी संकल्प को आगे बढ़ाता है। भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजोरिया ने कहा कि यह बजट गांव, गरीब, किसान और मध्यमवर्ग के हितों की रक्षा करता है तथा प्रदेश में निवेश, रोजगार और आधारभूत संरचना के विस्तार को नई दिशा देगा।

सरकार बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध-धर्मेंद्र कुशवाह

भाजपा नेता पूर्व जिला मंत्री एवं पूर्व पार्षद धर्मेंद्र सिंह कुशवाह ने 8वीं तक के छात्रों को टेट्रा पैक में दूध उपलब्ध कराने के बजट प्रावधान का स्वागत करते हुए इसे बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा, हमारी सरकार बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। 8वीं तक के विद्यार्थियों को टेट्रा पैक में दूध उपलब्ध कराने का निर्णय यह सुनिश्चित करेगा कि उन्हें स्वच्छ, सुरक्षित और पौष्टिक आहार मिले। बेहतर पोषण से बच्चों की शारीरिक और मानसिक क्षमता दोनों का विकास होगा। यह पहल न केवल कुपोषण को कम करने में सहायक होगी, बल्कि स्कूलों में उपस्थिति बढ़ाने और शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण बनाने में भी मददगार साबित होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि पारदर्शी और प्रभावी ि यान्वयन से इस योजना का लाभ प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों तक पहुंचेगा।

माशिमं के द्वारा बढ़ाई शुल्क को वापिस लिया जाए-एआईडीएसओ

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता। छात्र संगठन एआईडीएसओ के राज्य कॉउंसिल सचिव नारायण चन्देल ने बयान जारी करते हुए बताया कि अनुसार शैक्षणिक सत्र 2026-27 से हाई स्कूल और हायर सेकंडरी की परीक्षा व संबद्धता शुल्क में माशिमं ने बढ़ोतरी कर दी है। अब नियमित विद्यार्थियों को 1500 और स्वाध्यायी को 1600 रुपए जमा करवाना होंगे। माशिमं ने नामांकन शुल्क भी बढ़ाकर 500 रुपए करने का आदेश दिया है।

हाईस्कूल और हायर सेकंडरी की संबद्धता शुल्क, डीएलएड की परीक्षा शुल्क भी बढ़ा दी गई है। नियमित विद्यार्थी को सारे विषयों के लिए सात हजार रुपए देना होंगे।

संगठित हिंदू समाज ही पूरे विश्व को दिशा दे सकता है-डॉ. कृष्ण गोपाल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रमुखजन गोष्ठी आयोजित

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता। एकत्व की भावना ही हिंदुत्व है। सर्वत्र ईश्वर का दर्शन ही सनातन भारत का दर्शन है। हिंदू सर्वे भवंतु सुखिन की कामना करता है, जबकि अन्य देश सिर्फ अपनी ही भलाई चाहते हैं। इसलिए संगठित हिंदू समाज ही पूरे विश्व को दिशा दे सकता है। यह बात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार में आयोजित प्रमुखजन गोष्ठी में मुख्य वक्ता की आसंदी से कही। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ग्वालियर विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विभाग संघचालक प्रहलाद सबनानी भी मंचासीन रहे। मुख्य वक्ता डॉ.कृष्ण गोपाल ने संघ की 100 वर्ष की यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए

कहा कि किसी भी संगठन के लिए शताब्दी वर्ष महत्वपूर्ण बात है। आज संघ की समाज में स्वीकार्यता बढ़ी है, लेकिन संगठन को सभी लोग निकटता और गहराई से समझें इसलिए शताब्दी वर्ष में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। संघ की व्यक्ति निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की कार्य कार्यप्रणाली पर आज जर्मनी, रूस सहित 50 देश शोध कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भारत प्राचीनकाल से ही विश्व का समृद्ध देश रहा है, जो दुनियाभर में ज्ञान के अलावा वस्तुओं का निर्यात करता था। इसका उल्लेख विदेशी लेखकों ने भी किया है। फिर भी हमारे देश को पराधीन होना पड़ा। समाज को संगठित करने के लिए उन्होंने 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। प्रारंभिक दौर में उपेक्षा और तीन बार प्रतिबंध लगाकर लाखों स्वयंसेवकों को जेल में डाल दिया गया। महात्मा गांधी की हत्या कराने का आरोप लगाकर संगठन की छवि धूमिल करने का कुत्सित प्रयास किया गया। इसके बाद भी संगठन और मजबूती से आगे बढ़ा।

मेले में नशा मुक्त भारत, स्वच्छता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजित

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता। ग्वालियर व्यापार मेले में रंगमंच पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा नशा मुक्त भारत, स्वच्छ ग्वालियर एवं सांस्कृतिक एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे बीके ज्योति बहन, बीके डॉ गुरचरण सिंह, बीके प्रहलाद भाई, बीके जीतू, बीके पवन, बीके सुरभि, बीके रोशनी एवं बीके हर्षित शर्मा उपस्थित थीं।

इसके साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए संस्थान के कलाकारों में हंसिका, नंदिनी, रिया, शारदा, हिमांशी, छाया, रचना, पवन, लक्ष्मी, सुरभि, रोशनी, ध्रुव, भजन गायक अखिलेश द्विवेदी, तवला वादक निलक्ष्य सेलमकर आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को रोकना, स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता फैलाना तथा युवाओं व परिवारों को सकारात्मक जीवन मूल्यों की ओर प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में संस्था की बहनों द्वारा उपस्थित जनसमूह को राजयोग ध्यान का संक्षिप्त अनुभव कराया गया, जिससे वातावरण में शांति, सकारात्मकता एवं आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव हुआ। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज के बाल कलाकारों एवं युवाओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं।

ध्रुपद के साथ धमार के भी प्रवर्तक थे बैजू, यूं ही नहीं मिली उन्हें नायक की उपाधि-विशाल जैन

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता। राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय में प्रयास शिक्षा, साहित्य, कला व संगीत पीठ समिति के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे तीन दिवसीय बैजू बावरा महोत्सव बैजू की धमार शैली के नाम रहा। दूसरे दिन के प्रयागराज से आए विषय विशेषज्ञ डॉ विशाल जैन ने कहा कि बैजू बावरा महज एक नाम नहीं है। उनका ध्रुपद के साथ धमार शैली में भी उनका योगदान अहम रहा है। खास बात है कि ध्रुपद के साथ ख्याल की भी गंगोत्री का उद्गम संगीत की नगरी ग्वालियर से हुआ है। उस काल में नायक की उपाधि मिलना आसान काम नहीं था यह उसी को मिलती थी जिसे रस, भाव, लोकाचार आदि का पूरा ज्ञान हो। सबसे पहले नायक शब्द बैजू के साथ ही सुनने को मिलता है। डॉ विशाल जैन ने बैजू के कई पदों की संगीतमय प्रस्तुति भी मंच से दी।

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ ग्वालियर की कार्यकारिणी बैठक संपन्न

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता। मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की 2026 वर्ष की पहली कार्यकारिणी बैठक माधव मंगलम गार्डन नदी गेट पर आयोजित की गई यह बैठक जिलाध्यक्ष शाहनवाज खान के नेतृत्व में आयोजित की गई बैठक में नवीन सदस्यों व पदाधिकारियों का स्वागत पूर्व जिला अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार संजय शर्मा एवं अन्य पत्रकार साथियों द्वारा कर उन्हें प्रदेशाध्यक्ष शलभ भदौरिया के निर्देश पर परिचय पत्र वितरित किए गए। बैठक में उपस्थित मंचासीन वरिष्ठ पदाधिकारियों ने अपने विचार रखते हुए कहा कि सरकार को पत्रकार कानून जल्द लागू करना चाहिए पत्रकारों के हित में सरकारों को महत्पूर्ण निर्णय लेना चाहिए पूर्व में टोल पर अधिमान्य पत्रकारों के लिए छूट होती थी वह भी कोरोना काल के बाद समाप्त कर दी गई है रेलवे पास भी नहीं दिए जा रहे जबकि पत्रकार देश का चौथा स्तंभ कहा जाता है। बैठक में पत्रकार एकता को लेकर भी पाठ पढ़ाया गया वही जिला महासचिव देवेंद्र प्रताप ने कहा सोशल मीडिया के दौर में पत्रकारिता कैसे करना है इस पर भी नए युवा पत्रकारों को मार्गदर्शित किया।

बैठक में मंच से अपने उद्बोधन में अनुशासन समिति के प्रदेश संयोजक प्रहलाद भदौरिया ने कहा कि आज के दौर में पत्रकारिता करना बहुत ही चुनौती बन चुका है सरकारें नए नए नियम बना रही है जिसका पालन करने के लिए अखबरों के मालिकों को बाध्य किया गया जिसके कारण आज अखबार चलाने में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वही संभागीय अध्यक्ष गजेंद्र इंगले ने कहा पत्रकारों के सामने आर्थिक संकट आ खड़ा हुआ है इस स्थिति में हमें क्या करना है यह हम पर ही निर्भर करता है इसलिए एकता बनाए रखें बैठक में जिलाध्यक्ष शाहनवाज खान ने बताया कि मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ एक ऐसा संगठन है जो हमेशा से पत्रकारों के साथ खड़ा रहा है उनके हित की बात करता है आज जरूरी हो गया है कि हम सब एक साथ मिलकर पत्रकार कानून जल्द लागू करने व पत्रकारों को शासन स्तर पर दी जाने वाले सुविधाएं जल्द से जल्द देने का आदेश सरकार द्वारा दिया जाए। जिलाध्यक्ष ने बताया कि आगामी मजदूर दिवस पर संगठन के सभी पत्रकारों द्वारा विशाल बाइक रैली निकाली जाएगी जिसकी रूपरेखा जल्द तैयार कर सभी को सूचित किया जाएगा वही कार्यकारी अध्यक्ष विनोद गुप्ता का जन्म दिवस बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार रामेंद्र भदोरिया महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती कविता मांढरे, संभागीय महासचिव अशोक पाल, जिला महासचिव देवेंद्र प्रताप, सचिव हरीश पवार, कपिल गोयल आलोक सक्सेना जिला उपाध्यक्ष, राघव अग्रवाल जिला सचिव, सोमेश शर्मा जिला सचिव, राजेंद्र झा कार्यकारिणी सदस्य, अनूप पांडे, कोषाध्यक्ष यश सूर्यवंशी, संदीप ओझा, इजराइल खान, सहित अनेक पत्रकार साथी उपस्थित थे।

आह्वान | जनविरोधी भाजपा सरकार के खिलाफ कांग्रेस का बिगुल

भोपाल विस घेराव में ग्वालियर से कांग्रेस जनों की भागीदारी होगी:सुरेन्द्र यादव

आज शाम 4 बजे प्रत्येक ब्लॉक में भाजपा सरकार का पुतला दहन होगा

ग्वालियर, प्रातःकिरण संवाददाता। कांग्रेस भवन शिंदे की छावनी पर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र यादव की अध्यक्षता में ब्लॉक अध्यक्षों एवं ब्लॉक प्रभारियों की रणनीतिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी ब्लॉक अध्यक्षों नें नवनियुक्त संगठन महामंत्री इब्राहिम पठान का हार फूल माला से स्वागत किया। बैठक में आगामी 24 फरवरी को भोपाल में प्रस्तावित विधानसभा घेराव तथा 20 फरवरी को ब्लॉक स्तर पर पुतला दहन कार्यक्रम को लेकर चर्चा कर अंतिम रूप दिया गया।

24 फरवरी को विधानसभा घेराव में कांग्रेस जनो की ऐतिहासिक भागीदारी के लिए विधानसभा प्रभारी बनाए गए है। जिसमें 15 ग्वालियर विधानसभा में राजू भदौरिया, 16 ग्वालियर पूर्व विधानसभा में राकेश अग्रवाल एवं 17 ग्वालियर दक्षिण विधानसभा में विजय कुशवाह को प्रभारी बनाया गया है।

बैठक जिला में अध्यक्ष सुरेंद्र यादव ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकारें लगातार किसान, मजदूर, युवा और गरीब विरोधी फैसले लेकर जनता की कमर तोड़ने में लगी हैं। भारत-अमेरिका ट्रेड डील और गरीब, मजदूर वर्ग को रोजगार की गांरटी देने वाली रोजरान्मुखी योजना मनरेगा का नाम बदलने एवं अधिकारों में कटौती जैसे फैसले गरीबों के हक पर सीधा डाका हैं, जिसे कांग्रेस पार्टी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। भाजपा सरकार द्वारा कफसिरप कांड में जिम्मेदार मंत्री राजेन्द्र शुक्ला, सेना अधिकारी एवं महिलांओ पर अभद्र टिप्पणी करने वाले मंत्री विजय शाह एवं इंदोर के भागीरथपुरा में दूषित जलप्रदाय से हुई मौतों के लिए दोषि मंत्री कैलाष विजयवर्गीय आदि पर कोई कार्यवाही नहीं की गई।

जिला अध्यक्ष सुरेंद्र यादव ने आगे कहा कि आज 20 फरवरी शुक्रवार को ब्लॉक स्तर पर शाम 4 बजे पुतला दहन कर भाजपा सरकार के खिलाफविरोध प्रदर्शन किया जाएगा। तथा 24 फरवरी को प्रातः 11 बजे भोपाल में होने वाले विधानसभा घेराव में ग्वालियर से ऐतिहासिक संख्या में कांग्रेसजन पहुंचकर सरकार को जनता की ताकत का अहसास कराएंगे।

सुपर 8 से पहले टीम इंडिया की चिंता

स्पिनरों के खिलाफ अपने खेल में बड़े सुधार की जरूरत

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय टीम के सहायक कोच रयान टेन डोएशे ने इस बात पर सहमति जताई कि बाएं हाथ के बल्लेबाजों वाले शीर्ष क्रम के लिए विपक्षी टीमों का सही रणनीति बनाना और फिंगर (उंगलियों के) स्पिनरों के खिलाफ बल्लेबाजों का संघर्ष टी20 विश्व कप के सुपर आठ में भारत के सामने दो अहम मुद्दे होंगे। डोएशे ने नीदरलैंड के खिलाफ अंतिम लीग मैच में भारत की जीत के बाद पत्रकारों से कहा कि खिताब के प्रबल दावेदार ने अभी तक एक भी मैच ऐसा नहीं खेला है जिसमें उसका पूरी तरह से दबदबा रहा हो।

भारत के शीर्ष तीन बल्लेबाजों में अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और तिलक वर्मा शामिल हैं। यह तीनों बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और डोएशे ने स्वीकार किया कि इससे विपक्षी टीमों के लिए उनके खिलाफ रणनीति बनाना आसान हो गया है। प्रतिद्वंद्वी टीमें अभिषेक शर्मा सहित शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने के लिए पावरप्ले में ऑफ स्पिनरों का इस्तेमाल कर रही हैं। अभिषेक इस टूर्नामेंट में तीन मैच में खाता भी नहीं खोल पाए हैं जबकि कुछ समय पहले तक वह अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में थे।

नीदरलैंड के ऑफ स्पिनर आर्यन दत्त ने बुधवार को पावरप्ले में तीन ओवर फेंके और अभिषेक और किशन को आउट किया। डोएशे का मानना ??है कि भारत को उंगलियों से गेंदबाजी करने वाले स्पिनरों के खिलाफ अपने खेल में बड़े सुधार की जरूरत है। घरेलू टीम को दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर आठ मैचों में उंगलियों से गेंदबाजी करने वाले स्पिनरों से निपटने का तरीका ढूंढना होगा।

उन्होंने कहा, इससे टीमों को भारत के खिलाफ रणनीति बनाने में आसानी हुई है। हमारे पास शीर्ष तीन में ज्यादा विकल्प नहीं हैं। हमारे पास संजू सैमसन बेंच पर बैठे हैं और आगामी मैचों को देखते हुए अगर हम उंगलियों के स्पिनरों को देखें तो इस मामले में हमारा सामना न्यूजीलैंड से होगा। डोएशे ने कहा, हमारे पास कुछ ऐसे गेंदबाज हैं जो उंगलियों से स्पिन गेंदबाजी करते हैं। वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के पास भी अगर हम मार्करम को शामिल करें, तो इस तरह के गेंदबाज हैं। लेकिन कुल मिलाकर हमें लगता है कि ये हमारे सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं और हम टीम में बाएं हाथ के अधिक बल्लेबाजों से काम चला लेंगे।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम का सामना ऑस्ट्रेलियाई क्लबों से होगा

पर्थ (एजेंसी)। भारतीय महिला नेशनल फुटबॉल टीम एएफसी महिला एशियन कप ऑस्ट्रेलिया 2026 की अपनी तैयारियों के तहत 19 और 23 फरवरी को ऑस्ट्रेलियाई क्लब टीमों पर्थ रेडस्टार एफसी और पर्थ अजुरी के खिलाफ दो फ्रेंडली मैच खेलेगी।

ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन की रिलीज के मुताबिक, ब्लू टाइग्रेसेस 11 फरवरी को तुर्किये में अपना ट्रेनिंग कैंप खत्म करने के बाद वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया पहुंचीं, जहां उन्होंने यूक्रेन, रूस, स्विट्जरलैंड, जर्मनी और रोमानिया की क्लब टीमों के खिलाफ छह फ्रेंडली मैच खेले।

भारत ने तुर्किये में अपने एक्सपोजर टूर के दौरान तीन जीत, एक ड्रॉ और दो हार दर्ज कीं। पर्थ रेडस्टार एफसी के खिलाफ पहला मैच डालमटिनैक पार्क में भारतीय समयानुसार 14=30 पर खेला जाएगा जबकि पर्थ अजुरी के खिलाफ दूसरा मैच मैसेडोनिया पार्क में 16=00 पर खेला जाएगा। दोनों मैच दर्शकों के बिना खेले जाएंगे।

000

होप के कमाल से वेस्टइंडीज की इटली पर आसान जीत

कोलकाता (एजेंसी)। कप्तान शाई होप के आकर्षक अर्धशतक तथा तेज गेंदबाज शामार जोसेफ के चार विकेट और चार कैच की मदद से वेस्टइंडीज ने गुरुवार को यहां इटली को 42 रन से हराकर टी20 विश्व कप के ग्रुप सी में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज अनुकूल दिख रही पिच पर इटली के स्पिनरों के सामने खुलकर नहीं खेल पाए लेकिन उसने होप (46 गेंद पर 75 रन) के अर्धशतक की बदौलत छह विकेट पर 165 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। इसके जवाब में इटली की टीम 18 ओवर में 123 रन पर आउट हो गई। उसका कोई भी बल्लेबाज 30 रन की संख्या तक नहीं पहुंच पाया।

वेस्टइंडीज की तरफ से जोसेफ ने 30 रन देकर 4 विकेट लिए। उन्होंने चार कैच भी लपके और इस तरह से वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक मैच में चार विकेट और चार कैच लेने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। वेस्टइंडीज ने इस तरह से अपना अजय अभियान जारी रखा और ग्रुप सी में शीर्ष पर रहते हुए सुपर आठ में जगह बनाई जहां उसका सामना भारत, दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे से होगा। इटली ने चार मैच में एक जीत के साथ अपने अभियान का समापन किया। ग्रुप सी से सुपर आठ में जगह बनाने वाली दूसरी टीम इंग्लैंड है। होप की पारी में छह चौके और चार छक्के शामिल हैं। उनके अलावा रोस्टन चेज (25 गेंद पर 24), शेरफेन रदरफोर्ड (15 गेंद पर नाबाद 24) और मैथ्यू फोर्डे (आठ गेंद पर नाबाद 16) ही कुछ उपयोगी योगदान दे पाए।

पिच बल्लेबाजी के लिए अनुकूल थी लेकिन इटली के स्पिनरों ने अनुशासित गेंदबाजी करते हुए दो बार के चैंपियन वेस्टइंडीज को बड़ा स्कोर नहीं बनाने दिया। इटली की तरफ से बेन मनेंटी (37 रन देकर दो) और कृशान कालुगामगे (25 रन देकर दो) ने दो दो विकेट लेकर वेस्टइंडीज को अंतिम ओवरों में अपेक्षित तेजी से रन नहीं बनाने दिए। अगर ग्रांट स्टीवर्ट ने 19वें ओवर में 19 रन नहीं लुटाए होते तो वेस्टइंडीज की स्थिति और भी खराब हो सकती थी।

इटली की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पावर प्ले में तीन विकेट पर 37 रन बनाए। एंथनी मोस्का (19) ने अकील हुसैन की गेंद पर चौका लगाकर अपना खाता खोला लेकिन मैथ्यू फोर्डे (19 रन देकर तीन विकेट) ने अपने पहले ओवर में ही जस्टिन मोस्का (02) को आउट कर दिया। एंथनी मोस्का ने हुसैन पर दो छक्के लगाए लेकिन इस स्पिनर ने इसी ओवर में उन्हें पवेलियन भेज दिया। फोर्डे ने इसके बाद सैयद नकवी (06) को आउट करके इटली को संकट में डाल दिया। जेजे स्मट्स (27 गेंद पर 24) ने क्रीज पर बने रहने को प्राथमिकता दी लेकिन कप्तान हैरी मैनेंटी (08) के आउट होने से उन पर दबाव बन गया।

स्मट्स ने जोसेफ पर लगातार दो चौके लगाने के बाद गुडाकेश मोती (24 रन देकर दो विकेट) की गेंद पर स्वीप करके बैकवर्ड स्क्वायर लेग पर आसान कैच दिया। इससे इटली का स्कोर पांच विकेट पर 78 रन हो गया। बेन मैनेंटी ने जोसेफ पर दो चौके लगाकर इटली का स्कोर तिहरे अंक में पहुंचाया लेकिन इस तेज गेंदबाज ने इसी ओवर में ग्रांट स्टीवर्ट (12) को आउट करके साझेदारी नहीं बनने दी। बेन मैनेंटी ने मोती पर छक्का लगाया लेकिन अगली गेंद पर उनके आउट हो जाने से इटली की संभावना समाप्त हो गई।इससे पहले होप ने सहजता से बल्लेबाजी करते हुए 28 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, लेकिन रोस्टन चेज़ की धीमी पारी ने उनकी लय को बिगाड़ दिया। इसका वेस्टइंडीज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। होप ने भले ही कुछ अच्छे शॉट खेले लेकिन चेज स्ट्राइक रोटेट करने के लिए संघर्ष करते हुए दिखे और डीप स्क्वायर लेग में कैच देकर पवेलियन लौटे। इसके बाद रोवमैन पॉवेल (09) भी जल्दी आउट हो गए। इस तरह से अनुभवी ऑफ स्पिनर मैनेंटी और श्रीलंका मूल के लेग स्पिनर कालुगामगे ने इटली के पक्ष में पासा पलट दिया। मैनेंटी ने लगातार ओवरों में विकेट लिए जिसमें पॉवेल का अहम विकेट भी शामिल था।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने रचा इतिहास

सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली खिलाड़ी बनीं

कैनबरा (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने इतिहास रच दिया है क्योंकि वह अब महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। भारत की इस अनुभवी क्रिकेटर ने गुरुवार को यह उपलब्धि हासिल की, जब वह ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के दूसरे टी-20 के लिए टीम की कप्तानी करने उतरीं।

हरमनप्रीत ने 19 फरवरी को अपने 356वें ??इंटरनेशनल मैच में पर उतरकर न्यूजीलैंड की दिग्गज सूजी बेट्स को पीछे छोड़कर महिला इंटरनेशनल खेल के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली खिलाड़ी बन गईं। हरमनप्रीत और सूजी बेट्स के बाद एलिस पेरी (349 मैच, ऑस्ट्रेलिया) सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली महिला क्रिकेटरों की लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं। भारत की पूर्व क्रिकेटर मिताली राज ने 333 मैच खेले हैं जबकि शार्लेट एडवर्ड्स ने इंग्लैंड के लिए 309 मैच खेले हैं। सोफी डिवाइन (305, न्यूजीलैंड), हीथर नाइट (303, इंग्लैंड), और डैनी वायट-हॉज (302, इंग्लैंड) भी महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली खिलाड़ियों में शामिल हैं।

मैच में बने ढेर सारे रिकॉर्ड्स, अभिषेक-हार्दिक सुर्खियों में

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अपने आखिरी ग्रुप ए मैच में नीदरलैंड को 17 रन से हराकर सुपर एट्स में बिना हारे रिकॉर्ड के साथ जा रहा है। अपने आखिरी ग्रुप मैच में भारत ने अहमदाबाद में पहले बल्लेबाजी करने के बाद नीदरलैंड्स के खिलाफ खराब शुरुआत से उबरते हुए 193/6 का स्कोर बनाया। नीदरलैंड ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरुआत की। लेकिन 16 ओवर के बाद 125/6 पर सिमटने के बाद वे मुश्किल में पड़ गए थे, इससे पहले जैक लायन-कैशेट और नोआ क्रोस ने बड़े हिट्स की झड़ी लगाकर अंतर कम किया।

क्रोस ने चार गेंदों पर तीन बाउंड्री लगाईं, वाशिंगटन सुंदर के स्पेल की आखिरी दो गेंदों पर दो और अर्शदीप सिंह की गेंद पर एक इससे पहले लायन-कैशेट ने भी एक बाउंड्री और एक छक्का लगाकर अपनी जगह पक्की कर ली। हार्दिक पांड्या की गेंद पर क्रोस के दो और बाउंड्री ने आखिरी ओवर में स्कोर 28 कर दिया। लेकिन शिवम दुबे ने आखिरी ओवर में हिम्मत नहीं हारी, ज्यादा रन नहीं दिए और लायन-कैशे को आउट करके 17 रन से जीत पक्की कर ली जिससे भारत ग्रुप स्टेज में बिना हारे रहा।

भारत की जीत में यह रिकॉर्ड्स बने

भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 7 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया। यह पांचवां मौका था जब भारत ने टी20 विश्व कप मैच की एक पारी में सात या उससे ज्यादा गेंदबाजों का इस्तेमाल किया।

आज तक भारत ने विश्व कप के मौजूदा एडिशन में 12 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया है जो टी20 विश्व कप के एक एडिशन में सबसे ज्यादा है। भारत ने 2009 में 11 गेंदबाजों का इस्तेमाल किया था।

हार्दिक ने टी20 फॉर्मेट में 6000+ से ज्यादा रन और 200+ विकेट का डबल धमाका

13 = हार्दिक पांड्या टी20 फॉर्मेट में 6000+ से ज्यादा रन और 200+ विकेट का डबल पूरा करने वाले 13वें ऑलराउंडर और भारत के पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

टी20 में तीन बार डक पर आउट होने वाले तीसरे ओपनर बन अभिषेक

ओपनर अभिषेक शर्मा, जो मौजूदा टी20 विश्व कप में एक भी रन नहीं बना पाए, अब टी20 वर्ल्ड कप में तीन बार डक पर आउट होने वाले तीसरे ओपनर बन गए हैं। इससे पहले 2009 में वेस्टइंडीज के एंड्रयू फ्लेचर और 2024 में बांग्लादेश के तंज़ीद हसन के नाम यह अजीब रिकॉर्ड था।

टी20 विश्व कप में 12वीं जीत दर्ज की

भारत ने टी20 विश्व कप में लगातार 12वीं जीत दर्ज की, जो एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है। उन्होंने अपना जीत का अभियान 5 जून 2024 से शुरू किया था और यह आज भी जारी है।

शिवम दुबे ने 65 रन को पीछे छोड़ा

यह शिवम दुबे का टी-20 में सबसे ज्यादा स्कोर है जिसने 28 जनवरी 2026 को विजाग में न्यूजीलैंड के खिलाफ उनके पिछले सबसे अच्छे 65 रन को पीछे छोड़ दिया। कुल मिलाकर यह उनके 59वें मैच में उनका छठा 50 से ज्यादा का स्कोर था।

नीदरलैंड का बिना किसी एक फिफ्टी के सबसे बड़ा स्कोर

176/7 = यह नीदरलैंड का बिना किसी एक फिफ्टी के सबसे बड़ा टीम टोटल है, जो 2018 में लॉर्ड्स में नेपाल के खिलाफ बनाए गए 174/4 के स्कोर से ज्यादा है।

भारत का परचम, 43 मेडल के साथ पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में बना नंबर 1

दुबई (एजेंसी)। भारत ने दुबई 2026 ग्रां प्री - 17वीं फाज़ा इंटरनेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए 43 पदकों के साथ पदक तालिका में पहला स्थान हासिल किया। भारत ने कुल 16 स्वर्ण, 13 रजत और 14 कांस्य पदक अपने नाम किए।

कोलंबिया और केन्या ने 20-20 पदक जीते, जिनमें क्रमशः 11 और 6 स्वर्ण पदक शामिल रहे। मेज़बान यूएई 31 पदकों (6 स्वर्ण) के साथ चौथे स्थान पर रहा। यह सीजन का पहला वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री था।

भारत के लिए यह प्रदर्शन खास रहा क्योंकि अगला डब्ल्यूपीए ग्रां प्री नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित होना है। ऐसे में भारतीय एथलीटों ने दुबई क्लब फॉर पीपल ऑफ डिटरमिनेशन ग्राउंड पर आत्मविश्वास से भरी शुरुआत की।

दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल ने पुरुषों की जेवलिन एफ64 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार वापसी की। वहीं पेरिस 2024 के स्वर्ण पदक विजेता नवदीप (जेवलिन एफ41) और धर्मबीर नैन (क्लब थ्रो एफ 51) ने भी गोल्ड जीतकर सीजन की बेहतरीन शुरुआत की।

पेरिस 2024 पैरालंपिक्स की डबल ब्रॉन्ज़ मेडलिस्ट प्रीति पाल ने महिलाओं की 100 मीटर टी35 में स्वर्ण और 200 मीटर एफ35 में कांस्य पदक जीता। उन्होंने कहा, मेरा लक्ष्य अपना पर्सनल बेस्ट सुधारना और भारत के लिए ज्यादा से ज्यादा गोल्ड जीतना है। यह तो बस शुरुआत है।

भाग्यश्री एम. जाधव ने महिलाओं की शॉट पुट और जेवलिन एफ 34 में भावनात्मक जीत दर्ज कर शानदार वापसी की। अन्य स्वर्ण पदक विजेताओं में रिंकू हुड्डा (जेवलिन एफ 46), वरुण सिंह भाटी (हाई जंप टी42), दिलीप महादू गावित (400 मीटर टी46) और साहिल सलीम सैय्यद (डिस्कस एफ 54/55) शामिल रहे।

रजत पदक विजेताओं में सुनील कुमार, प्रणव सूरमा और गुरुभास्कर सक्कप्पन शामिल रहे, जबकि कांस्य पदक रंजीत चंदा, पूनम राम, फातिमा खातून, दीपेश कुमार सहित अन्य खिलाड़ियों ने जीते।

फाज़ा चैंपियनशिप लंबे समय से वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स सर्किट का अहम हिस्सा रही है। दुबई में शीर्ष स्थान हासिल कर भारत ने आने वाली वैश्विक प्रतियोगिताओं से पहले मजबूत संदेश दे दिया है।

कोको गॉफ क्वार्टर फाइनल में पहुँची

दुबई (एजेंसी)। कोको गॉफ ने बुधवार रात को तीन मैच पॉइंट बचाए और एलिस मर्टेंस को 2-6, 7-6 (9), 6-3 से हराकर दुबई क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। 2 घंटे और 18 मिनट में मिली इस जीत ने 2021 के बाद पहली बार यह दिखाया कि गॉफ ने टूर-लेवल की जीत में मैच पॉइंट बचाए और बेल्जियम की खिलाड़ी के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 5-0 कर लिया।

गॉफ ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में कहा, पूरा मैच ऐसा लगा जैसे मेरे हिसाब से नहीं जा रहा है।यह सबसे अच्छा नहीं था, लेकिन मैंने बस इसमें बने रहने की कोशिश की, और मैंने हर पॉइंट के लिए लड़ाई की। मुझे खुशी है कि मैं आज रिजल्ट ला पाई।

गॉफ 2001 में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप में चार क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई। वह 2009 में इस फॉर्मेट के शुरू होने के बाद से 100 डब्ल्यूटीए 1000 मेन-ड्रॉ जीत हासिल करने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी हैं। गॉफ का अगला मुकाबला एलेक्जेंड्रा एला से होगा ताकि वह नंबर 101 जीत हासिल कर सकें और अपने दूसरे दुबई सेमीफाइनल में पहुंच सकें।

टी20 विश्व कप में भारत का खामोश योद्धा है शिवम दुबे

अहमदाबाद (एजेंसी)। शिवम दुबे के शानदार खेल को देखकर उनकी जितनी चर्चा होनी चाहिए थी उतनी नहीं होती लेकिन यह भारतीय ऑलराउंडर खामोश योद्धा की तरह मौजूदा टी20 विश्व कप में प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए एक प्रमुख पावर-हिटर के रूप में अपनी साख बना रहा है।

नामीबिया और पाकिस्तान के खिलाफ मुश्किल पिचों पर छोटी लेकिन महत्वपूर्ण पारियां खेलने के बाद दुबे ने बुधवार को नीदरलैंड के खिलाफ बीच के ओवरों में भारतीय पारी को जरूरी गति प्रदान की। दुबे ने शुरू में परिस्थितियों को परखा और अपनी पहली 11 गेंद पर छह रन बनाने के बाद तेजी दिखाई। उन्होंने 31 गेंद पर 66 रन बनाकर भारत की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी इस पारी में छह छक्के शामिल हैं।

अपने दूसरे टी20 विश्व कप में खेल रहे दुबे स्पिनरों के खिलाफ अपनी सटीक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते थे, लेकिन अब उन्होंने तेज गेंदबाजों के खिलाफ भी खुद को उतना ही प्रभावी साबित कर दिया है। तेज गेंदबाजों के खिलाफ उनके बेहतर प्रदर्शन का नमूना नीदरलैंड के खिलाफ देखने को मिला, जब उन्होंने लोगन वैन बीन की गेंदों की गति में होने वाले बदलावों को अच्छी तरह से समझा और उन्हें तीन छक्के जड़े।

शॉर्ट बॉल के खिलाफ दुबे के खेल में कुछ सुधार आया है और इसका श्रेय वह आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में शामिल होने के बाद की गई कड़ी मेहनत को देते हैं। उनका दृढ़ विश्वास ऐसा है कि कुछ डॉट गेंदों से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि वे जानते हैं कि बड़े शॉट आखिरकार लगेंगे ही।

दुबे ने मैच के बाद कहा, टी20 में जब आप डॉट बॉल खेलते हैं, तो आप पर दबाव आता है। लेकिन एक खिलाड़ी के रूप में, एक बल्लेबाज के रूप में मैं जानता हूं कि अगर मैं 10 गेंदों में दो रन बनाने के बावजूद अगर मैं अगली पांच गेंद में से दो गेंद पर छक्का लगा देता हूं तो हिसाब बराबर हो जाएगा। उन्होंने कहा, यह बात हमेशा मेरे दिमाग में रहती है। यह जरूर है कि विकेट गिरने पर साझेदारी निभाना महत्वपूर्ण होता है इसलिए अगर दो-चार गेंद खाली भी चली जाती हैं तो बहुत फर्क नहीं पड़ता क्योंकि बाद में उसका हिसाब बराबर हो जाता है। दुबे ने अपनी सफलता का श्रेय दबाव वाली परिस्थितियों में खेलने के अधिक मौके मिलने को भी दिया। उन्होंने कहा, मुझे उस तरह की परिस्थितियों में खेलने के मौके मिले हैं। इसलिए जब भी आपको खेलने का मौका मिलता है तो आप उससे कुछ न कुछ सीखते हैं। इसलिए मैंने अपना स्वाभाविक खेल खेला है और उस परिस्थिति में मैं थोड़ा समझदार हो गया हूं। इसलिए मैं जानता हूं कि गेंदबाज मुझे किस तरह की गेंद कर सकता है।दुबे का आत्मविश्वास चरम पर है और यह उनके टी20 विश्व कप में पहले अर्धशतक के बारे में उनके बोलने के तरीके में स्पष्ट रूप से झलका। उन्होंने कहा, आज मुझे लगा कि आज मेरा दिन है और मुझे थोड़ा समझदारी से काम लेना होगा, खुद को आगे बढ़ाना होगा और अंत तक टिके रहना होगा।

व्यापार

सेंसेक्स
82498.14 पर बंद
निफ्टी
25454.35 पर बंद

सोना
151,150
चांदी
270,000

वैश्विक पैनल ने ग्लोबल साउथ में एआई के क्षेत्र में महिला उद्यमशीलता की ओर दृष्टिकोण बदलने का आह्वान किया

नई दिल्ली, एजेंसी। यहां भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई इंपैक्ट समिट 2026 में ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की महिला सशक्तिकरण इकाई ब्रिक्स सीसीआई डब्लूई द्वारा आयोजित एक वैश्विक पैनल में यह महत्वपूर्ण निष्कर्ष निकला कि नवप्रवर्तन और उद्यमशीलता के माध्यम से लैंगिक समानता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता को लोकतांत्रिक बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रेरक है। क्रियान्वयन करने वालों से नवप्रवर्तकों तकः एआई में महिला उद्यमशीलता की दिशा में दृष्टिकोण बदलने का आह्वान विषय पर चर्चा के दौरान उपक्रम लगाने और पारिस्थितिकी नेतृत्व में महिलाओं को केंद्र में रखा गया। इस सत्र में वैश्विक नेता, उद्यमी, निवेशक और पारितंत्र निर्माताओं ने इस बात पर चर्चा की कि कैसे एआई को समावेशी प्रतिभाग और महिलाओं के नेतृत्व में नवप्रवर्तन के जरिए लोकतांत्रिक बनाया जा सकता है। सीसीआई के वाइस चेयरमैन श्री समीप शास्त्री ने एआई में भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका और समावेशी नवप्रवर्तन पर जोर दिया। उन्होंने कहा, आज भारत वैश्विक एआई पारितंत्र में एक मजबूत आवाज के तौर पर उभर रहा है। एआई को महज शक्तिशाली ही नहीं, बल्कि समावेशी भी होना आवश्यक है। जैसा कि भारत 2026 में ब्रिक्स की अध्यक्षता करने जा रहा है,। मारा लक्ष्य टेक्नोलॉजी, डिजिटल नवप्रवर्तन, उद्यमशीलता और जिम्मेदार एआई विकास में सहयोग मजबूत करना है। का दृष्टिकोश पेश करते हुए एआई रेगुलेशन एंड इंटरनेशनल कोऑपरेशन, बरबैंक की कार्यकारी निदेशक सुश्री एलविरा शाचे ने कहा, लिंग असमानता दूर करने के लिए यह जरूरी है कि महिलाएं ना केवल उद्यमशीलता के स्तर पर बल्कि विधायी स्तर पर भी मौजूद रहें। ग्लोबल साउस के देशों को महिला नवप्रवर्तकों के लिए समुदायों का गठन करने की जरूरत है ताकि वे डेटा सहित संसाधन साझा कर सकें। हम एआई में महिला उद्यमशीलता की दिशा में धीरे धीरे बदलाव होते देख रहे हैं। उद्योग निकाय और संस्थान अब नवप्रवर्तकों को अनुदान और शुरुआती पूंजी उपलब्ध करा रहे हैं।

चेक करें पेट्रोल-डीजल के रेट

ईरान पर हमले की आहट, 70 डॉलर के पार पहुंचा ब्रेंट क्रूड

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका द्वारा ईरान पर संभावित सैन्य कार्रवाई की खबरों के बाद तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। पिछले सत्र में 4.6 प्रतिशत की बढ़त के बाद वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चा तेल 65 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर कारोबार कर रहा है। वहीं, ब्रेंट कच्चा तेल दो सप्ताह से अधिक समय में पहली बार 70 डॉलर के स्तर को पार कर गया। हालांकि, राहत की बात यह है कि भारत में पेट्रोल-डीजल के रेट में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इंडियन ऑयल के पंपों पर पेट्रोल की आज रिटेल कीमत 94.77 प्रति लीटर है। इसी तरह, डीजल का खुदरा मूल्य 87.67 प्रति लीटर है। तेल कंपनियों द्वारा तय बेस प्राइस और एक्साइज ड्यूटी के साथ 74.97 है। डीलर कमीशन 4.40 जुड़ता है। सबसे ऊपर, दिल्ली सरकार का वेट 15.40 लगाया जाता है, जिसके योग से यह कीमत 94.77 बनती है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक इसी तरह, डीजल का खुदरा मूल्य 87.67 प्रति लीटर है, जो 71.81 के बेस प्राइस प्लस एक्साइज ड्यूटी और 3.03 के डीलर कमीशन और 12.83 के वेट को जोड़ने के बाद बनता है। ब्लूमबर्ग ने एक न्यूज वेबसाइट एक्सियोस की एक रिपोर्ट के हवाले से बताया है कि अमेरिकी सैन्य अभियान की संभावना पहले की अपेक्षा कहीं अधिक नजदीक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह अभियान कई हफ्तों तक चल सकता है और इजरायल सरकार ईरान में शासन परिवर्तन के लक्ष्य वाली स्थिति पर जोर दे रही है।

बीएल कश्यप एंड संस को ग्रेटर नोएडा में मिला 300 करोड़ का ऑर्डर

B L KASHYAP
WE BUILD YOUR WORLD

नई दिल्ली, एजेंसी। बीएल कश्यप एंड संस लिमिटेड के शेयरों में गुरुवार, 19 फरवरी को 9 प्रतिशत तक की उछाल देखी गई। कंपनी ने यह जानकारी दी कि उसे सीआरसी ग्रीन्स से 300 करोड़ रुपये का एक नया ऑर्डर मिला है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी गई जानकारी में बताया कि इस परियोजना को पूरा होने में लगभग 42 महीने का समय लगने की उम्मीद है। यह ऑर्डर ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में स्थित एक ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट के लिए सिविल और स्ट्रक्चरल कार्यों के निर्माण और निगरानी से संबंधित है। इस विकास से कंपनी के ऑर्डर बुक में इजाफा होगा और आवासीय निर्माण क्षेत्र में उसकी उपस्थिति मजबूत होगी। कंपनी के शेयर सुबह 52.90 रुपये पर खुले और 54.59 रुपये के डे हाई को टच किए। सुबह 10 बजे के करीब 4.59 पर्सेंट ऊपर 52.39 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे। पिछले 5 दिन में यह स्टॉक 3 पर्सेंट का रिटर्न दिया है। जबकि, पिछले एक महीने में 8 फीसद से अधिक की उछाल दर्ज किया है। अगर पिछले छह महीने के इसके प्रदर्शन की बात करें तो यह 26 पर्सेंट से अधिक टूटा है। दूसरी ओर, इस साल अब तक इसमें 1 पर्सेंट की कमी आई है। पिछले 5 साल में यह स्टॉक 300 पर्सेंट का शानदार रिटर्न दिया है। बीएल कश्यप एंड संस लिमिटेड का मार्केट कैप 1179 करोड़ रुपये है। इसका 52 हफ्ते का हाई 80.10 रुपये और लो 42.70 रुपये है। बीएल कश्यप एंड संस ने पिछले फिस्कल ईयर की इसी तिमाही के मुकाबले क्यू3 एफवाय26 में 965.8 प्रतिशत की शानदार कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट बढ़ोतरी दर्ज की, जो 11.83 करोड़ तक पहुंच गई। यह शानदार ग्रोथ ऑपरेशन से रेवेन्यू में 33.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ हुई, जो क्यू3 एफवाय25 के मुकाबले क्यू3 एफवाय26 में बढ़कर 323.87 करोड़ हो गई। भारत का कंस्ट्रक्शन एंड रियल एस्टेट सेक्टर फिलहाल एक जटिल दौर से गुजर रहा है। साल 2026 के लिए अनुमान है कि कंस्ट्रक्शन इंडस्ट्रीज 7 से 8 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा, जिसकी मुख्य वजह सरकार की इंफ्रा स्ट्रक्चर इनिशिएटिव और खासकर महानगरों में लगातार बनी हुई आवासीय मांग है। हालांकि, इस क्षेत्र के सामने कुछ पुरानी चुनौतियां भी हैं, जैसे निर्माण सामग्री की बढ़ती कीमतें और ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव, जो मुनाफे पर दबाव बना सकते हैं। बीएल कश्यप का क्/श अनुपात (मूल्य-आय अनुपात) लगभग 283 है, जो मझोली कंपनियों (मिड-कैप) के लिए सामान्य मूल्यांकन सीमा में आता है। यह पीएनसी इन्फाटेक जैसी समान कंपनियों के बराबर है, लेकिन लार्सन एंड टुब्रो (लगभग 223) या हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी (लगभग 183) जैसी बड़ी कंपनियों से ऊंचे भाव पर कारोबार कर रहा है। इस मूल्यांकन से संकेत मिलता है कि बाजार को कंपनी को लगातार ऑर्डर मिलते रहने की उम्मीद है।

एक अप्रैल से बड़ा बदलाव

क्रेडिट कार्ड से हुए लेनदेन की जानकारी पेन में दिखेगी

बड़े क्रेडिट कार्ड बिल की जानकारी देनी होगी, पैन आवेदन में काम आएगा क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में एक अप्रैल 2026 से क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में बड़े बदलाव लागू हो सकते हैं। इसके तहत कार्ड के जरिए हुए सभी बड़े लेनदेन और भुगतान की जानकारी देना अनिवार्य हो सकता है। इसका मतलब यह है कि कोई व्यक्ति लेनदेन के लिए क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करता हैं, तो उसके पैन रिकॉर्ड में उसकी जानकारी दर्ज हो जाएगी।

ये सभी बदलाव नए आयकर नियम-2026 के तहत होंगे, जिसका मसौदा हाल ही में सरकार ने जारी किया है। इन नियमों पर अलग-अलग पक्षों से सुझाव लिए जाएंगे और अंतिम मंजूरी के बाद उन्हें किया जा सकता है। इसके बाद पुराने आयकर नियम-1962 की जगह नए नियम लागू होंगे। मसौदा नियमों के मुताबिक, बड़ी रकम वाले क्रेडिट कार्ड बिल भुगतान की जानकारी आयकर विभाग को दी जाएगी। अगर कोई व्यक्ति एक वित्त वर्ष में 10 लाख से ज्यादा का क्रेडिट कार्ड बिल नकद के अलावा किसी भी तरीके से (जैसे यूपीआई, बैंक ट्रांसफर, चेक आदि) चुकाता है, तो बैंक या क्रेडिट कार्ड कंपनी को इसकी जानकारी आयकर विभाग को देनी होगी। इसके अलावा, अगर 1 लाख या उससे ज्यादा का क्रेडिट कार्ड बिल कैश में चुकाया जाता है, तो उसकी जानकारी भी रिपोर्ट होगी। हालांकि यह पूरी तरह नया नियम नहीं है, क्योंकि ऐसा प्रावधान पहले से इनकम टैक्स रूल्स 1962 में मौजूद है। नियमों के अनुसार, पिछले तीन महीनों के क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट को पैन कार्ड बनवाते समय पते के सबूत के रूप में मान्य होगा। यह बदलाव उन लोगों के लिए काफी मददगार होगा जिनके पास तुरंत कोई और दस्तावेज उपलब्ध नहीं होता। इससे पैन आवेदन प्रक्रिया आसान और सुविधाजनक बन जाएगी।

अब टैक्स का भुगतान ऑनलाइन करते समय क्रेडिट कार्ड का उपयोग भी किया जा सकेगा। पहले केवल डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग जैसे माध्यम मान्य थे। अब क्रेडिट कार्ड को भी अधिकृत इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट मोड में शामिल कर लिया गया है। इससे करदाताओं को भुगतान के समय एक अतिरिक्त विकल्प मिलेगा और वे अपनी सुविधा के हिसाब से भुगतान कर सकेंगे। हालांकि, इसका इस्तेमाल करते समय यह जानना जरूरी होगा कि प्रोसेसिंग फीस या अतिरिक्त चार्जेज किस तरह लागू होंगे, ताकि किसी अतिरिक्त खर्च का अंदाजा पहले से रहे।

अगर किसी कर्मचारी को कंपनी की तरफ से क्रेडिट कार्ड दिया गया है और उस पर किए गए खर्च (जैसे मेंबरशिप फीस या सालाना शुल्क) का भुगतान या रीइम्बर्समेंट कंपनी ही करती है, तो उस पर कर लगेगा। हालांकि टैक्स की गणना करते समय उस लाभ की कुल कीमत में से वह रकम घटा दी जाएगी, जो कर्मचारी ने खुद पहले ही चुका दी हो। अगर खर्च पूरी तरह आधिकारिक काम के लिए किया गया है, तो उस पर टैक्स नहीं लगेगा। लेकिन इसके लिए कुछ शर्तें पूरी करनी होंगी। कंपनी को उस खर्च का पूरा रिकॉर्ड रखना होगा।

एआई भले ही काम में बहुत तेज हो

- इंसानी दिमाग से बेहतर कोई नहीं: नारायण मूर्ति

मुंबई, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भले ही काम में बहुत तेज हो, लेकिन इंसानी दिमाग से बेहतर कोई नहीं। ये बातें डीयू में आयोजित 'लीडर्स टॉक' में इंफोसिस के संस्थापक एन.आर. नारायण मूर्ति ने कही। युवा पीढ़ी को सीख देते हुए इंफोसिस के संस्थापक ने कहा कि वे थिंक विद एआई, बिल्ड विद एआई, एआई को सहयोगी बनाएं। प्रसिद्ध वैज्ञानिक, गणितज्ञ और कंप्यूटर प्रोग्रामर स्टीफेन वुलफ्राम का हवाला देते हुए नारायण मूर्ति ने कहा कि एआई एक सहयोगी टूल हो सकता है।

यह उच्च स्तरीय काम कर सकता है। जैसे रिमोट सर्जरी, सही नाप-तौल के साथ उत्पाद तैयार करना, कोड जेरनेट करना और सॉफ्टवेयर बनाना। मगर इसके लिए एआई को बार-बार प्रशिक्षित करना पड़ेगा। इस कारण मानव मस्तिष्क हमेशा बॉस की भूमिका में रहेगा। वह इसे बेहतर करने के लिए नए प्रयोग करता रहेगा। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि एआई के आने से मनुष्य की रचनात्मकता रुक जाएगी।

नारायण मूर्ति ने कहा कि व्यापार में कमाई और मुनाफा दूसरे नंबर पर आते हैं। असली पहचान और भरोसा लोगों के साथ आपसी सम्मान से बनता है। उनका लक्ष्य सबसे बड़ा उद्यमी बनना नहीं, बल्कि सम्मान कमाना रहा है। ड्रोन आधारित डिलीवरी सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी स्काई एयर मोबिलिटी ने बुधवार को एआई

समिट में एंड-टू-एंड ऑटोनॉमस कॉमर्स डिलीवरी सिस्टम का प्रदर्शन किया। कंपनी ने बताया कि यह पूरी तरह से स्वचालित व्यवस्था है, जो बिना किसी मानवीय मदद के ड्रोन के माध्यम से ग्राहकों के घर तक सामान पहुंचाती है।

इस पहल के तहत स्काई एयर मोबिलिटी ने अराइव एआई और ओटोनॉमी के साथ साझेदारी की है। कंपनी के अनुसार, पिछले दो वर्षों में 36 लाख से अधिक सामान की डिलीवरी की जा चुकी है।

गोल्ड-सिल्वर फ्यूचर पर मार्जिन हटाकर एमसीएक्स ने ट्रेडर्स को दिया तोहफा

एनएसई क्लियरिंग ने भी जारी किया सर्कुलर

नई दिल्ली, एजेंसी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया के शेयर की कीमत में गुरुवार को कारोबार के दौरान 3.32 प्रतिशत तक का उछाल देखने को मिला। कंपनी ने बुधवार शाम को एक सर्कुलर जारी कर गोल्ड और सिल्वर फ्यूचर पर लगाए गए अतिरिक्त मार्जिन को हटाने की घोषणा की थी।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया के शेयर की कीमत में गुरुवार को कारोबार के दौरान 3.32 प्रतिशत तक का उछाल देखने को मिला। कंपनी ने बुधवार शाम को एक सर्कुलर जारी कर गोल्ड और सिल्वर फ्यूचर पर लगाए गए अतिरिक्त मार्जिन को हटाने की घोषणा की थी। इस खबर के बाद एमसीएक्स के शेयर आज एनएसई पर 2,400 रुपये पर खुले। बुधवार के शेयर 2,341 रुपये पर बंद हुए थे।

एमसीएक्स ने बुधवार शाम जारी सर्कुलर में कहा कि वह गोल्ड फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट पर लगा 3 प्रतिशत का अतिरिक्त मार्जिन और सिल्वर फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट पर लगा 7 प्रतिशत का अतिरिक्त मार्जिन वापस ले रहा है। मार्जिन हटाने का यह फैसला गुरुवार, 19 फरवरी से प्रभावी हो गया है। सर्कुलर के अनुसार, गोल्ड फ्यूचर के सभी वेरिएंट और सिल्वर फ्यूचर के सभी वेरिएंट से ये अतिरिक्त मार्जिन हटा लिए गए हैं। वहीं दूसरी ओर, एनएसई

क्लियरिंग ने भी एक सर्कुलर जारी कर गोल्ड और सिल्वर फ्यूचर पर मार्जिन वापस लिए जाने की पुष्टि की है, जो आज से प्रभावी हो गया है। एनएसई ने अपने सदस्यों को सलाह दी है कि वे अपनी पोजीशन को उसी के अनुसार एडजस्ट करें। इस फैसले से गोल्ड और सिल्वर कॉन्ट्रैक्ट में कारोबार करने वाले ट्रेडर्स के लिए मार्जिन की आवश्यकता कम हो जाएगी। अतिरिक्त मार्जिन हटने का मतलब है कि ट्रेडर्स को अब ट्रेड करने के लिए कम पूंजी की जरूरत होगी। आमतौर पर, मार्जिन की आवश्यकता कम होने से बाजार में सट्टेबाजी (सट्टा) बढ़ती है और इंट्राडे ट्रेडिंग गतिविधि में तेजी आती है। बता दें कि ये अतिरिक्त मार्जिन सोने-चांदी की कीमतों में आई तेज उतार-चढ़ाव (अस्थिरता) पर लगाम लगाने के लिए लगाए गए थे। यह मल्टीबैगर स्टॉक बाजार की उतार-चढ़ाव भरी स्थितियों के बावजूद ज्यादातर हरे निशान में बना हुआ है। पिछले पांच सत्रों में स्टॉक ने 2 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दिया है। एमसीएक्स के शेयरों ने पिछले छह महीनों में निवेशकों को 45 प्रतिशत का शानदार रिटर्न दिया है और पिछले एक साल में 113 प्रतिशत रिटर्न के साथ निवेशकों के पैसे दोगुने कर दिए हैं।

एमसीएक्स के तीसरी तिमाही के नतीजे

कंपनी ने दिसंबर 2026 को समाप्त तिमाही के लिए अपने नतीजे भी जारी किए हैं। एमसीएक्स का कंसोलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 151 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी के साथ 401 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले साल की समान तिमाही में 160 करोड़ रुपये था। वहीं, क्यू3 एफवाय26 में रेवेन्यू ऑपरेशन 121 प्रतिशत उछलकर 666 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 301 करोड़ रुपये था। मुकाबले भी कंपनी का नेट प्रॉफिट 103 प्रतिशत और राजस्व 78 प्रतिशत बढ़ा है। समीक्षाधीन तिमाही में कंपनी का ईबीआईटीडीए भी 144 प्रतिशत बढ़कर 527 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी के बुलियन सेगमेंट का एवरेज डेली टर्नओवर में योगदान तिमाही दर तिमाही बढ़कर 69 प्रतिशत हो गया, जिसका श्रेय गोल्ड मिनी और गोल्ड टेन फ्यूचर जैसे नए वेरिएंट को दिया जा रहा है।

टीवीएस मोटर, कोचीन शिपयार्ड समेत 10 शेयरों में हलचल की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। सेबी-रजिस्टर्ड रिसर्च एनालिस्ट और लिवलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक हरिप्रसाद का मानना है कि भारतीय इक्विटी बाजार आज सपाट से लेकर थोड़ा सकारात्मक रुख के साथ खुल सकता है। यह रुझान निफ्टी के संकेतों से समर्थित है, जो अमेरिकी शेयरों में कल हुई तेजी खासकर टेक्नोलॉजी शेयरों में आई मजबूती और एशियाई बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों को दर्शाता है।

निफ्टी 50 और सेंसेक्स के निकट भविष्य के परिदृश्य पर बात करते हुए, कोटक सिक्योरिटीज में हेड इक्विटी रिसर्च, श्रीकांत चौहान ने कहा, हमारा मानना है कि अल्पकालिक सपोर्ट 25500/83000 से बढ़कर 25600/83300 हो गया है। जब तक बाजार इस स्तर से ऊपर बना रहता है, तब तक तेजी जारी रहने की संभावना है। ऊपर की ओर, 25950-26000/84700-85000 का स्तर तुरंत रेजिस्टेंस जोन के रूप में काम कर सकता है। दूसरी ओर, 25600/83300 के नीचे आने पर रुझान बदल सकता है; इस स्तर से नीचे आने पर कारोबारी अपने ट्रेडिंग लॉन्ग पोजीशन से बाहर निकलना पसंद कर सकते हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को सूचित किया कि उसकी प्रमुख सहायक कंपनी, लाइनएज पावर प्राइवेट लिमिटेड, को सऊदी अरब स्थित याकिन केम से 1.35 मिलियन डॉलर का ऑर्डर मिला है। भारत फोर्ज ने ऐलान किया है कि उसने वीवीडीएन टेक्नोलॉजीज के साथ एक समझौता किया है। इसके तहत ऑटोमोटिव और रक्षा सहित कई प्रौद्योगिकी-केंद्रित क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी की संभावना

तलाशी जाएगी।

डॉ. रेड्डीज: फार्मा कंपनी डॉ. रेड्डीज ने घोषणा की कि उसने मर्क्यूरी फार्मा ग्रुप लिमिटेड से भारत में प्रोगाइनोवा और साइक्लोप्रोगाइनोवा ट्रेडमार्क और संबंधित संपत्तियों का अधिग्रहण कर लिया है।

एनसीसी: राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने एनसीसी पर नए ऑर्डर लेने पर रोक लगा दी है।

जिंदल सॉ: अमेरिकन पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट द्वारा किए गए ऑडिट के दौरान कुछ मुद्दे पाए जाने के बाद कंपनी का सीमलेस पाइप के लिए एपीआई लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है।

गो डिजिट: गोडिजिट जनरल इंश्योरेंस ने कहा कि उसने अपने पॉलिसीधारकों को रियायती दरों पर सीनियर केयर सेवाएं देने के लिए अन्वया किन केयर के साथ साझेदारी की है। बीमा कंपनियां पारंपरिक कवरेज से आगे बढ़कर ग्राहक जुड़ाव बढ़ाने पर जोर दे रही हैं। हिंदुस्तान यूनिलीवर अगले दो वर्षों में 2,000 करोड़ रुपये तक का निवेश करने की योजना बना रहा है। यह निवेश अपने ब्यूटी एंड वेलबीइंग और होम केयर लिक्विड्स पोर्टफोलियो के तहत तेजी से बढ़ रही प्रीमियम श्रेणियों में विनिर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए किया जाएगा।

टीवीएस मोटर: कंपनी ने बताया कि उसने इंडोनेशिया में वर्ष 2006 में परिचालन शुरू करने के बाद से अब तक कुल मिलाकर 10 लाख वाहनों का निर्माण कर लिया है।

कोचीन शिपयार्ड: कोचीन शिपयार्ड को फ्रांस की सीएमए सीजीएम समूह से छह एलएनजी-चालित जहाजों के निर्माण और डिलीवरी के लिए लगभग 360 मिलियन डॉलर का नया जहाज निर्माण अनुबंध मिला है।

जायडस लाइफसाइंसेज: फार्मा कंपनी जायडस को अपनी बोसेंटन टैबलेट्स फॉर ओरल सस्पेंशन, 32 मिलीग्राम के लिए अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन से अंतिम मंजूरी मिल गई है।

संक्षिप्त समाचार

आरक्षक के घर का ताला तोड़कर गहने और नकदी ले उड़े चोर

जबलपुर। संस्कारधानी में बेखौफ चोरों ने अब पुलिसकर्मियों के घरों को भी निशाना बनाना शुरू कर दिया है। ताजा मामला बरेला थाना क्षेत्र की गौर चौकी अंतर्गत सालीवाड़ा स्थित सिग्मा कान्हा कॉलोनी का है, जहां ग्वारीघाट थाने में पदस्थ आरक्षक मनोज कुमार झारिया के घर में अज्ञात चोरों ने सेंधमारी कर लाखों के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। जानकारी के अनुसार आरक्षक मनोज कुमार झारिया अपने परिवार के साथ मंडला में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। इसी दौरान चोरों ने उनके मकान नंबर ई-22 का मुख्य दरवाजा और अलमारी के ताले तोड़ दिए। जब परिवार वापस लौटा तो घर के ताले टूटे मिले और अंदर का सारा सामान बिखरा हुआ था। चोरों द्वारा करीब 20 ग्राम के सोने के कंगन, 6 सोने के हार, मंगलसूत्र, लॉकेट, सोने की लौंग सहित चांदी के भारी जेवरात जैसे पायल, चूड़ियां, चेन और ब्रेसलेट चोरी कर लिए गए। इसके अलावा घर में रखी करीब 25 हजार रुपए की नकदी भी गायब पाई गई। पीड़ित आरक्षक की शिकायत पर बरेला पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस कॉलोनी और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। साथ ही संदिग्धों की तलाश में टीम गठित कर संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। इस घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। पुलिस ने जल्द ही चोरों को पकड़ने का दावा किया है।

मांडवा बस्ती में बदमाशों ने घर पर फायरिंग कर की तोड़फोड़, तलाश में जुटी पुलिस

जबलपुर। बुधवार तड़के लगभग 3:50 बजे मांडवा बस्ती में 8 से 10 हथियारबंद युवकों ने एक घर पर हमला कर जमकर तोड़फोड़ की और फायरिंग की। इस घटना से क्षेत्र में दहशत फैल गई। स्थानीय लोगों ने सुबह रामपुर चौकी पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई और सीसीटीवी फुटेज पुलिस को सौंपा। पीड़ित इब्राहिम शाह ने बताया कि घटना से एक दिन पहले उनके छोटे भाई मोनू का बाइक हादसा हुआ था। रास्ते में करन के पिता से टक्क र होने से उनका चेहरा घायल हो गया था। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच मारपीट हुई, जिसे आसपास के लोगों ने शांत कराया। रात को करन अपने पिता के साथ रामपुर चौकी पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। इब्राहिम और मोनू अपने पड़ोस में रहने वाली एक महिला के साथ जोगनी मंदिर गए थे, तभी करन और उसके साथियों ने उन पर हमला कर दिया। इस हमले में दोनों भाई और महिला घायल हुए। रात करीब 3:45 बजे आरोपित युवक बेसबॉल बैट और अन्य हथियार लेकर इब्राहिम के घर पहुंचे। उन्होंने लगभग 10 मिनट तक घर के दरवाजे तोड़े और बिल्डिंग की लाइट बंद कर दी। शोर सुनकर लोग बाहर निकले, तो हमलावर फायरिंग करते हुए फरार हो गए। घटनास्थल से खाली कारतूस बरामद किए गए हैं। स्थानीय लोगों ने सीसीटीवी फुटेज पुलिस को सौंपा। सीएमपी भगत सिंह गठोरिया ने बताया कि गोरखपुर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और फायरिंग करने वालों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश जारी है।

महिला से 7 लाख का सोने का हार लूटने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। माढोताल थाना क्षेत्र में महिला से सोने का रानी हार लूटने की वारदात का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 5 तोला वजनी सोने का रानी हार, जिसकी कीमत लगभग 7 लाख रुपये बताई जा रही है, तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त की है। माढोताल थाना में दर्ज अपराध क्रमांक 196/26 के अनुसार यादव कॉलोनी लार्डगंज निवासी मीना सोनी (53) ने 9 फरवरी 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि भोपाल में पारिवारिक शादी समारोह से लौटने के बाद वह बस से जबलपुर पहुंचीं और अपने परिजनों के साथ बजरंग नगर कटंगी रोड स्थित घर की ओर जा रही थीं। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार दो युवकों ने उनके गले से करीब 5 तोला वजनी सोने का रानी हार झपट लिया और मौके से फरार हो गए। घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आयुष गुप्ता एवं नगर पुलिस अधीक्षक भगत सिंह गोठरिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी वीरेन्द्र सिंह पवार के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और मुखबिर तंत्र सक्रिय किया। तलाश के दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दीनदयाल बस स्टैंड के पास दबिश देकर प्रिंस हल्दकार (21) निवासी न्यू कंचनपुर अधारताल एवं तनिष्क कोरी (20) निवासी कंचनपुर अधारताल को मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने लूट की वारदात स्वीकार कर ली। आरोपियों की निशानदेही पर मोटरसाइकिल के टूल बॉक्स में छिपाकर रखा गया सोने का रानी हार बरामद किया गया।

सरकारी जमीन पर मुनाफाखोरी का खेल खत्म, जेडीए ने निरस्त किए करोड़ों के भूखंड

नियमों की अनदेखी पड़ी महंगी, फिर से शुरू होगी आवंटन प्रक्रिया

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

जबलपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने भूखंड आवंटन के नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। प्राधिकरण ने लंबे समय से बकाया राशि जमा न करने वाले तीन बड़े हितग्राहियों पर गाज गिराते हुए उनके भूखंडों का आवंटन तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है। जेडीए के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दीपक वैद्य के निर्देश पर हुई इस कार्रवाई के तहत न केवल आवंटन रद्द किया गया है, बल्कि इन भूखंडों के लिए जमा की गई अमानत राशि को भी राजसात कर लिया गया है।

प्राधिकरण की संपत्ति अधिकारी रीति सोनवे ने बताया कि समीक्षा बैठक के दौरान यह मामला सामने आया था। जांच में पाया गया कि कई बार नोटिस दिए जाने के बावजूद कुछ आवंटियों ने निर्धारित समय सीमा के भीतर भूखंड की शेष राशि प्राधिकरण के कोष में जमा नहीं कराई थी।

किस पर क्यों की गई कार्रवाई

–प्रतिपाल सिंह सौंधी: इन्हें योजना क्रमांक–11 के अंतर्गत भूखंड क्रमांक 56 आवंटित किया गया था।

–राजेश गोस्वामी: इन्हें योजना क्रमांक–5/14 के अंतर्गत भूखंड क्रमांक जे–13 आवंटित किया गया था।

–जय राजावत (डायरेक्टर, जय रियल स्टेट): इन्हें योजना क्रमांक–5/14 के अंतर्गत भूखंड क्रमांक जे–14 आवंटित किया गया था। ये तीनों उच्चतम ऑफरकर्ता होने के कारण इस भूखंड के पात्र बने थे, लेकिन भुगतान में देरी के कारण अब उनका अधिकार खत्म कर दिया गया है। प्राधिकरण अब इन तीनों भूखंडों को पुन: विज्ञापन के माध्यम से नए ऑफर आमंत्रित कर विक्रय की प्रक्रिया शुरू करेगा।

आवंटन के बाद कालाबाजारी: मुनाफाखोरी का खेल

इस कार्रवाई के दौरान जेडीए सीईओ दीपक वैद्य ने एक गंभीर समस्या की ओर इशारा किया। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण के संज्ञान में यह आया है कि कुछ लोग एक सुनियोजित तरीके से आवंटन की प्रक्रिया में शामिल होते हैं। ये व्यक्ति जेडीए से भूखंड आवंटित तो करा लेते हैं, लेकिन उसकी राशि समय पर जमा नहीं करते।जेडीए अधिकारियों के अनुसार, ऐसे लोग आवंटन पत्र के आधार पर बाजार में अन्य व्यक्तियों या निवेशकों की तलाश करते हैं। राशि जमा करने की अवधि के दौरान वे इन भूखंडों का सौदा बाहरी लोगों से ऊंचे दामों पर कर लेते हैं। इस प्रक्रिया में वास्तविक जरूरतमंद और पात्र हितग्राही भूखंड पाने से वंचित रह जाते हैं, जबकि बिचौलिये और मुनाफाखोर सरकारी संपत्ति का उपयोग कर अनुचित लाभ कमाते हैं।सीईओ ने स्पष्ट किया है कि जेडीए अब ऐसे अस्थायी आवंटियों पर पैनी नजर रख रहा है। भविष्य में भी यदि कोई आवंटी समय पर भुगतान करने में विफल रहता है या आवंटन को व्यवसाय का जरिया बनाता पाया गया, तो उसकी सुरक्षा निधि जब्त कर आवंटन शून्य कर दिया जाएगा। इस कड़े कदम का उद्देश्य भूखंड आवंटन प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना और यह सुनिश्चित करना है कि संपत्ति केवल वास्तविक खरीदारों तक ही पहुंचे।

ऐसी दुश्मनी...गर्भवती महिला के पेट में मारी लात

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

जबलपुर के कैंट थाना क्षेत्र अंतर्गत जीके हुसैन कंपाउंड सदर में पुरानी रंजिश को लेकर एक गर्भवती महिला के साथ मारपीट का गंभीर मामला सामने आया है। आरोप है कि विवाद के दौरान महिला के पेट में लात मारी गई। पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मारपीट करने वाली पड़ोस की महिलाओं पर मामला हुआ दर्ज

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, जीके हुसैन कंपाउंड निवासी 29 वर्षीय चांदनी खान ने शिकायत दर्ज कराई है कि बीती रात वह अपने घर के सामने गली में खड़ी थीं। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाली संजना स्वामी, तनिष्क स्वामी और सपना स्वामी पुरानी बातों को लेकर विवाद करने लगे। बात बढ़ने पर तीनों ने मिलकर चांदनी खान और उनकी सास शहीदा बेगम के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। पीड़िता का आरोप है कि मारपीट के दौरान संजना स्वामी ने उनके पेट में लात मार दी, जिससे उनकी हालत बिगड़ गई। पीड़िता का आरोप है कि मारपीट के दौरान संजना स्वामी ने उनके पेट में लात मार दी, जिससे उनकी हालत बिगड़ गई। घटना के दौरान इमरान खान और शरीफ कुरैशी ने बीच-बचाव कर किसी तरह मामला शांत कराया। मोहल्ले में लोगों की भीड़ जुटती देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। हमले में चांदनी की सास शहीदा बेगम को भी सिर में चोटें आई हैं। चांदनी गर्भवती हैं, इसलिए उनकी स्थिति को गंभीर मानते हुए पुलिस ने तुरंत उन्हें विक्टोरिया अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए एल्गिन अस्पताल रेफर कर दिया गया। कैंट थाना पुलिस ने पीड़िता के बयान के आधार पर आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों की तलाश जारी है। क्षेत्र में इस घटना के बाद लोगों में आक्रोश व्याप्त है।

महिला बुकिंग क्लर्क ने रेल यात्रियों से अधिक रुपये वसूले

डिप्टी एसएस से शिकायत, विजिलेंस ने की कार्रवाई

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे के मुख्यालय के जबलपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 की ओर पदस्थ एक महिला बुकिंग क्लर्क के कारनामे सुनकर डिप्टी एसएस तो हैरान हुए ही, साथ ही यात्रियों द्वारा की जा रही शिकायत को वहां बैठे एक विजिलेंस इंस्पेक्टर ने भी सुना तो तुरंत कार्रवाई की गई. महिला लिपिक के पास से 980 रुपए अधिक मिले। जिससे हड़कम्प की स्थिति बनी रही. घटना के संबंध में बताया जाता है कि गत मंगलवार 17 फरवरी की रात को डिप्टी एसएस कामर्शियल के पास एक यात्री पहुंचा, उसने शिकायत की कि प्लेटफार्म नंबर 1 की ओर बने काउंटर पर एक महिला कर्मचारी ने उससे टिकट के 300 रुपए से अधिक वसूले, जिस पर डिप्टी एसएस ने तत्काल फोन करके महिला कर्मचारी को समझाइस देकर यात्री की समस्या का निदान करने कहा, जैसे ही वह यात्री वहां से गया, तभी दो अन्य यात्री डिप्टी एसएस के पास पहुंचे और उसने भी यही शिकायत दोहराई कि महिला क्लर्क ने उनसे भी टिकट के निर्धारित दर से अधिक राशि वसूली और वापस लौटाने का कहने पर अभद्रता कर रही हैं।

डिप्टी एसएस के पास विजिलेंस निरीक्षक बैठे थे

सूत्रों के मुताबिक जब यात्री महिला क्लर्क के कारनामो की शिकायत डिप्टी एसएस (कॉमर्शियल) से कर रहे थे, उस दौरान वहां पर पमरे के एक विजिलेंस निरीक्षक भी मौजूद रहे. जिन्होंने शिकायत को गंभीरता से लिया और तुरंत ही संबंधित बुकिंग काउंटर पर पहुंचे और महिला क्लर्क की जांच शुरू की। बताया जाता है कि महिला लिपिक के पास से 980 रुपये अधिक मिले हैं. महिला कर्मचारी उक्त अतिरिक्त राशि का कोई हिसाब नहीं दे पाईं. महिला कर्मचारी के खिलाफ केस बनाया गया है.

डॉ. हेमलता श्रीवास्तव प्रकरण ,दो डॉक्टरों पर एफआईआर

कलेक्टर कार्यालय के प्रतिवेदन पर कार्रवाई

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. हेमलता श्रीवास्तव से जुड़े बहुचर्चित प्रकरण में मदनमहल पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए डॉ. सुमित जैन और डॉ. प्राची जैन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। यह कार्रवाई कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर की गई है। पुलिस ने मामला पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू कर दी है।

उपचार से वंचित रखने और दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराने के आरोप

मदनमहल पुलिस के अनुसार प्रतिवेदन में आरोप है कि डॉ. हेमलता श्रीवास्तव को उपचार से वंचित रखा गया, समय से पहले आईसीयू से हटाया गया तथा भय, प्रलोभन या दबाव के वातावरण में दस्तावेजों पर हस्ताक्षर कराए गए। मामले में प्रथम दृष्टया धोखाधड़ी, कूटरचना और आपराधिक षड्यंत्र जैसे गंभीर आरोप सामने आए हैं। प्रकरण की गंभीरता, सामाजिक प्रभाव और एक वरिष्ठ महिला चिकित्सक से जुड़े मानवीय पहलुओं को ध्यान में रखते हुए निष्पक्ष एवं विस्तृत जांच के लिए एक दल गठित किया गया था। जांच दल ने संबंधित अभिलेखों का अवलोकन किया और पीड़ित चिकित्सक के कथनों के आधार पर अपराध दर्ज करने की अनुशंसा की।

'मेरे साथ छल-कपट हुआ': डॉ. श्रीवास्तव

जांच के दौरान डॉ. हेमलता श्रीवास्तव ने अपने बयान में कहा था कि उनके साथ फ्रॉड या छल-कपट हुआ है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दस्तावेजों में जो शर्तें जोड़ी गईं, वे उनकी जानकारी या सहमति से नहीं थीं। उन्होंने डॉ. सुमित जैन और डॉ. प्राची जैन के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की इच्छा भी व्यक्त की थी।

दान की भूमि को लेकर विवाद

समिति के निष्कर्ष में उल्लेख किया गया है कि 81 वर्षीय वयोवृद्ध डॉ. श्रीवास्तव ने अपने ससुर और पुत्र की स्मृति में मेमोरियल अस्पताल बनाने की भावना से बहुमूल्य वाद भूमि दान की थी। आरोप है कि इसी भावना का लाभ उठाकर उक्त भूमि को अपने पक्ष में दान कराया गया और दस्तावेजों में विक्रय की कंडिका जोड़ दी गई, जबकि डॉ. श्रीवास्तव भूमि को अन्य उद्देश्य से अंतरण नहीं करना चाहती थीं। इस कंडिका को उन्होंने अपने साथ धोखा माना।

पुलिस ने शुरू की विवेचना

मदनमहल पुलिस ने प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर दोनों चिकित्सकों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में लिया है। पुलिस का कहना है कि सभी तथ्यों और साक्ष्यों की विस्तृत जांच की जाएगी और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बरेला के पुराने स्कूल में मिला कंकाल, सिर, जबड़ा, दांत-पैर की हड्डी मिली

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

बरेला के पुराने शासकीय प्राथमिक कन्या शाला में गुरूवार की सुबह एक कंकाल मिला। कंकाल में मृतक व्यक्ति के सिर, जबड़ा, दांत पैर की हड्डी मिली है। पुलिस ने इसे पीएम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में मृतक की शिनाख्त भिक्षुक के रूप में की गई है।

बरेला पुलिस ने बताया कि बमबमपुरा निवासी अशोक डुमार निवासी ने सूचना दी कि वह नगर परिषद बरेला में सफाई कर्मी है। आज पुराना शासकीय प्राथमिक कन्याशाला बरेला में गंध आने पर जाकर देखा। एक अज्ञात व्यक्ति उम्र लगभग 65 वर्ष का कंकाल, जिसमें सिर, जबड़ा, दांत पैर की हड्डी मिली। उसे पता चला कि अज्ञात व्यक्ति मानसिक रूप से विक्षिप्त था, जो पूर्व से भीख मांगकर खाता था। स्कूल के कमरे में सो जाता था। लगभग डेढ़ माह पूर्व से भीख मांगते नहीं देखा गया है।

इसी तरह शहपुरा के घुसौर निवासी योगेश सिंह ने पुलिस को देर रात सूचना दी कि वह काम से शाम 06 बजे शहपुरा आया था। गांव के गोपाल चौधरी ने उसके घर मे बताया कि तालाब के पास खेरमाई मंदिर के पास एक्सीडेन्ट से घायल होकर तुम्हारे पिता रज्जू सिह रोड पर घायल अवस्था में पडे है। बडी मां ने फोन कर बताया तो वह शहपुरा से गांव तालाब के पास पहुंचकर डायल 112 को फोन कर बुलाया। मौके पर देखा पिता जी रज्जु सिंह बेहोशी हालत मे पड़े थे। सिर मे पीछे तरफ चोट थी। खून निकल रहा था। कान से भी खून निकल रहा था। बोलचाल नही रहे थे। उल्टा पलटा कर देखा मृत्यु हो चुकी थी। जिन्हे डायल 112 के साथ नटवारा मर्चुरी लेकर आए थे। पिता जी की मौत एक्सीडेन्ट मे आई चोटो के कारण हुई है।

फीस बनी बाधा

फीस के अभाव में परीक्षा से रोकी गई थी छात्रा

परीक्षा से वंचित छात्रा को दीवान पराग ने दिलाया हक

10वीं कक्षा की छात्रा की फीस जॉनसन स्कूल को अदा की

जबलपुर, प्रातः किरण, संवाददाता

मां नर्मदा गौरीघाट में जरूरतमंद बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा देने वाले समाजसेवी दीवान पराग ने एक बार फिर मानवता की मिसाल पेश की है। 10वीं कक्षा की एक छात्रा, जो फीस न भर पाने के कारण अंग्रेजी विषय की बोर्ड परीक्षा देने से वंचित रह गई थी, उसकी मदद के लिए वे स्वयं आगे आए और विद्यालय में अपनी ओर से फीस जमा कराई।

जानकारी के अनुसार छात्रा जॉनसन स्कूल में अध्ययनरत है। आर्थिक तंगी के चलते समय पर शुल्क जमा नहीं हो सका, जिसके कारण विद्यालय प्रबंधन ने उसे अंग्रेजी का बोर्ड पेपर देने से रोक दिया। इससे छात्रा और उसके परिवार को गहरा मानसिक आघात पहुंचा।

दीवान पराग ने दिखाई संवेदनशीलता

मामले की जानकारी मिलते ही दीवान पराग ने तत्काल हस्तक्षेप किया। उन्होंने छात्रा की संपूर्ण फीस अदा कर यह सुनिश्चित किया कि वह आगे की परीक्षाओं से वंचित न रहे। साथ ही उन्होंने एक वीडियो जारी कर विद्यालय प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए और कहा कि आर्थिक स्थिति के कारण किसी भी छात्रा का भविष्य दांव पर नहीं लगाया जाना चाहिए।दीवान पराग ने कहा कि सरकार बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर ऐसे मामले चिंताजनक हैं। शिक्षा हर बच्चे का अधिकार है और उसे किसी भी परिस्थिति में रोका नहीं जाना चाहिए।

शिक्षा विभाग का आश्वासन

इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी ने बताया कि छात्रा को अन्य विषयों की परीक्षाएं देने की अनुमति दी जाएगी। अंग्रेजी विषय की परीक्षा जुलाई माह में आयोजित होने वाली पुन: परीक्षा में देने का अवसर दिया जाएगा, ताकि उसका शैक्षणिक सत्र प्रभावित न हो।

समाज में हो रही सराहना

दीवान पराग की इस पहल की शहर भर में सराहना हो रही है। सामाजिक संगठनों और अभिभावकों ने इसे एक प्रेरणादायक कदम बताया है। उनकी दरियादिली ने न केवल एक छात्रा का आत्मविश्वास लौटाया है, बल्कि समाज को यह संदेश भी दिया है कि जरूरत के समय आगे बढ़कर सहयोग करना ही सच्ची मानवता है।

कक्षा दसवीं संस्कृत परीक्षा में 417 परीक्षार्थी अनुपस्थित, नकल का कोई प्रकरण नहीं

जबलपुर। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी बोर्ड परीक्षाओं के सुचारू एवं निष्पक्ष संचालन हेतु जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग द्वारा सघन निगरानी व्यवस्था लागू की गई है। परीक्षा केन्द्रों पर निरंतर निरीक्षण के माध्यम से पारदर्शिता एवं अनुशासन सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे परीक्षाएं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो रही हैं। 19 फरवरी को जिले के कुल 100 परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षाएं आयोजित की गईं। कक्षा दसवीं के संस्कृत विषय में शहरी क्षेत्र के 47 केन्द्रों पर पंजीकृत 11,723 परीक्षार्थियों में से 11,434 उपस्थित रहे, जबकि 289 अनुपस्थित रहे। वहीं ग्रामीण क्षेत्र के 53 परीक्षा केन्द्रों पर दर्ज 8,955 परीक्षार्थियों में से 8,827 उपस्थित तथा 128 अनुपस्थित रहे। इस प्रकार जिले में कुल 20,678 परीक्षार्थियों में से 20,261 उपस्थित तथा 417 अनुपस्थित रहे। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, व्योहारबाग एवं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कमला नेहरू नगर का निरीक्षण किया गया। इसके अतिरिक्त जिले के समस्त विकासखण्डों में एसडीएम एवं बीईओ स्तर के उड़नदस्ता दलों द्वारा सतत निरीक्षण किया गया। सभी निरीक्षणों के दौरान परीक्षा व्यवस्था शांतिपूर्ण, व्यवस्थित एवं निर्धारित नियमों के अनुरूप संचालित पाई गई।

प्रकाशक एवं मुद्रक विशाखा अवस्थी द्वारा श्री हनुमत कृपा पब्लिकेशन से मुद्रित एवं ब्लॉक -7, हॉल ए-7 स्कीम-18, जेडीए ऑफिस के बाजू, सिविक सेंटर से प्रकाशित। RNI NO. MPHIN/25/A1541
सलाहकार संपादक अरविंद शीले, प्रबंध संपादक श्रवण मिश्रा, संपादक मदन मोहन अवस्थी* पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार दूरभाष -9827007217, 9425856600, 0761-3515636, सतना कार्यालय-07672-292110